@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 20 मई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 180 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

विक्रमादित्य सिंह के परिवार ने स्कूटरों पर बेचे थे सेब, आज खुद हैं जमानत पर

मंडी, 19 मई। मंडी संसदीय सीट से भाजपा की प्रत्याशी कंगना रनौत ने कांग्रेस प्रत्याशी विक्रमादित्य सिंह पर भ्रष्टाचार को लेकर तीखा जुबानी हमला बोला है। कंगना ने कहा कि विक्रमादित्य सिंह के परिवार ने स्कूटरों पर सेब बेचे थे और आज वह खुद भी जमानत पर हैं। यह बात कंगना ने बल्ह विधानसभा क्षेत्र के तहत आने वाले भंगरोटू में आयोजित एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कही। कंगना ने विक्रमादित्य सिंह के परिवार को पावर हंगरी परिवार की संज्ञा दी और कहा कि मंत्रीपद और अध्यक्ष पद में से इस परिवार को एक पद नैतिकता के आधार पर छोड़ देना चाहिए था, लेकिन सत्ता की भूख के कारण यह ऐसा नहीं कर पाए। भाजपा में कभी ऐसे संस्कार नहीं कि एक ही परिवार कुंडल मारकर बैठा रहे। कंगना ने इंडी गठबंधन को महाजहरीला गठबंधन बताते हुए कहा कि इस गठबंधन में एक से बढ़कर एक भ्रष्टाचारी शामिल हैं। कंगना ने सीएम सुक्खू पर भी तीखा जुबानी हमला बोला और कहा कि जयराम ठाकुर को फ्लॉप डायरेक्टर बताने वाले पहले यह जान लें कि जयराम ठाकुर ने पूरे 5 वर्षों तक स्थिर सरकार चलाई थी, लेकिन कांग्रेस की सरकार तो 15 महीनों में ही डगमगा गई। आने वाली 4 जून को कांग्रेस की फिल्म इस कद्र फ्लॉप होगी कि पर्दे से ही उतर जाएगी और केंद्र के साथ-साथ प्रदेश में भी भाजपा की सरकार बनेगी। कंगना ने कहा कि प्रतिभा सिंह और विक्रमादित्य सिंह मीडिया को बुलाकर अपने शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां करते हैं और कहते हैं कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी में नेतृत्व की क्षमता नहीं है।

भाजपा ने ऑपरेशन झाड़ू शुरू किया, ये आप को कुचलना चाहते हैं: केजरीवाल

सिम्मी कौर बब्बर

नई दिल्ली, 19 मई। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले में अरविंद केजरीवाल के पीए बिभव कुमार की गिरफ्तारी के बाद केजरीवाल ने भाजपा के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आम आदमी पार्टी के दफ्तर में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। दफ्तर में आप विधायक और पार्षद भी मौजूद रहे। इस दौरान केजरीवाल ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने ऑपरेशन झाड़ू शुरू किया है। ये आम आदमी पार्टी को कुचलने की कोशिश में हैं। हमारे नेताओं को गिरफ्तार किया जा रहा है। आने वाले दिनों में आप का बैंक अकाउंट सीज किया जाएगा। इसके बाद हमारी पार्टी का ऑफिस खाली किया जाएगा। केजीवाल ने कहा कि पिछले 2 साल से इन्होंने(भाजपा) हमारे नेताओं को गिरफ्तार करना शुरू कर दिया। इन्होंने मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन को गिरफ्तार कर लिया, कल मेरे क्क तक को गिरफ्तार कर लिया। मैं प्रधानमंत्री को कहना चाहता हूं कि आप एक-एक करके गिरफ्तार कर रहे हैं, आज हम सब साथ ही आ रहे हैं आप गिरफ्तार कर लो, हम डरने वाले नहीं है।

केजरीवाल ने कहा कि यह पार्टी एक विचार है। नेताओं को गिरफ्तार किया जा सकता है, लेकिन विचार को गिरफ्तार नहीं किया जा सकता। प्रधानमंत्री एक नेता को गिरफ्तार करोगे, ऐसे में 100 नेता पैदा होंगे। केजरीवाल पर आरोप लगाते हैं वह भ्रष्टाचारी है, लेकिन जानता पूछ रही है शराब घोटाले का पैसा कहां है। लेकिन यहां कोई एक पैसा नहीं मिला। फर्जी केसों को बना रहे हैं। भाजपा ने कहा था कि केजरीवाल खलिस्तान बनाकर वहां का पीएम बनना चाहता है। यह किसी भी हद तक जा सकते हैं। आप लोग स्तर्क रहना। अरविंद केजरीवाल ने कहा, उन्हें(भाजपा) लगता है कि वे इस तरह से आम आदमी पार्टी को खत्म कर देंगे, पार्टी का विनाश कर देंगे। मैं उन्हें कहना चाहता हूं कि ये आम आदमी पार्टी चंद लोगों की पार्टी नहीं है। ये,क्क 140 करोड़ लोगों के सपनों की पार्टी है। जिस तरह के काम हमने दिल्ली और पंजाब में किए हैं, 75 सालों में इस देश के लोगों ने कभी नहीं देखे। दिल्ली और पंजाब में हमने सरकारी स्कूल ठीक करने शुरू कर दिए, गरीब बच्चों को अच्छी शिक्षा मिलने लगी। ये पीएम मोदी नहीं कर पा रहे तो उन्होंने तय किया कि इन्हें रोको और गिरफ्तार कर लो। अब हम महिलाओं को हजार-हजार रुपये देने जा रहे हैं। आप एक विचार है। इसके नेताओं को तो गिरफ्तार कर लोगे, इसके विचार को कैसे गिरफ्तार करोगे?

गुजरात में तीन दिनों में 892 करोड़ के ड्रग्स पकड़े

नई दिल्ली, 19 मई। लोकसभा चुनाव के चार चरण पूरे हो चुके हैं। अब पांचवें चरण के लिए मतदान होना है। ऐसे में प्रत्याशी और उनके समर्थक मतदातों को लुभाने के लिए नकदी औ नशीले पदार्थों सहित हर हथकंडे अपना रहे हैं। जिन्हें चुनाव अधिकारियों द्वारा पकड़ा भी जा रहा है। चुनाव आयोग ने कहा कि अधिकारियों ने 8,889 करोड़ रुपए की नकदी, ड्रग्स और अन्य प्रलोभन जब्त किए हैं। इसमें सबसे बड़ा हिस्सा 45 फीसदी नशीली दवाओं का है, जो लगभग 3,959 करोड़ रुपए है। चुनाव अधिकारी के मुताबिक, ड्रग्स, शराब, कीमती धातुएं, मुफ्त चीजें और नकदी अलग-अलग स्तर पर चुनावों को प्रभावित करते हैं। चुनाव आयोग ने कहा कि गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो और भारतीय तट रक्षक ने संयुक्त अभियान में केवल तीन दिनों में 892 करोड़ रुपए की तीन उच्च मूल्य वाली दवाओं को जब्त किया है। जबकि, 849.15 करोड़ रुपए नकद, 814.85 करोड़ की शराब, 3,958.85 करोड़ की दवाएं और 1,260.33 करोड़ रुपए की कीमती धातुएं जब्त की हैं। गुजरात के अलावा महाराष्ट्र और दिल्ली में भी नशीली दवाओं की बरामदगी दिखाई गई है। वहीं, उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में 17 अप्रैल को पुलिस ने एक दवा फैक्ट्री पर छापा मारा, जहां से 150 करोड़ रुपए की 26.7 किलो एमडीएमए दवा जब्त की। इसके अलावा विदेशी मूल के दो व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। चुनाव आयोग ने कहा कि इस बार 2019 लोकसभा चुनाव के मुकाबले जब्ती ज्यादा हुई है।

टीएमसी के तुष्टिकरण से बंगाल में हिंदू अल्पसंख्यक हुए: पीएम मोदी

तेजिन्दर कौर बब्बर

कोलकाता, 19 मई। लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए पीएम मोदी आज बंगाल दौरे पर हैं। यहां मेदिनीपुर में पीएम मोदी ने एक रैली को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने राज्य की टीएमसी सरकार को निशाने पर लिया और टीएमसी पर राज्य की जनसांख्यिकी बिगाड़ने का आरोप लगाया। पीएम मोदी ने कहा कि भाजपा की आंधी ने टीएमसी के आंतक के सभी किले ध्वस्त करना शुरू कर दिया है, इसलिए बंगाल में टीएमसी वाले ज्यादा बौखलाए हुए हैं। पीएम मोदी ने लोगों से भाजपा को वोट करने की अपील करते हुए कहा कि अब बस 25 मई को एक और प्रहार की जरूरत है, बंगाल में फिर टीएमसी के आतंक, भ्रष्टाचार के किले को गिरते देर नहीं लगेगी। छठे चरण के तहत 25 मई को मेदिनीपुर में आम चुनाव के लिए मतदान होगा। बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर आरोप लगाते हुए पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी के तुष्टिकरण ने बंगाल में जनसांख्यिकी को डांवाडोल कर दिया है, समाज

व्यवस्था को पूरी तरह बिगाड़ दिया है। टीएमसी देश के दूसरे राज्य वालों को बाहरी बताती है लेकिन अवैध घुसपैठिए इन्हें अपने लगते हैं। ये घुसपैठिए बंगाल में जनसंख्या संतुलन बिगाड़ते हैं, कई इलाकों में हिंदू अल्पसंख्यक हो गए,दलितों, पिछड़ों की जमीन पर ये कब्जा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया, टीएमसी घुसपैठियों का स्वागत करती है लेकिन जो हिंदू अल्पसंख्यक यहां प्रताड़ित होकर आए हैं उनका घोर विरोध करती है। मैंने वादा किया था कि मैं इन शरणार्थी परिवारों को नागरिकता दूंगा, ये हमसे उम्मीद लगाए हुए हैं, लेकिन टीएमसी इनकी मदद और सीएए का विरोध कर रही है और कह रही है कि हम इसे लागू नहीं होने देंगे। टीएमसी, कांग्रेस और लेफ्ट वाले लिखकर रख लें जब तक मोदी जिंदा है तब तक वे कुछ नहीं कर पाएंगे। प्रधानमंत्री ने कहा टीएमसी की साजिशों को रोकने के लिए केंद्र में मजबूत और स्थिर भाजपा सरकार का होना जरूरी है। जब तक मोदी केंद्र में है, तब तक हम उनकी गंदी मंशा को सफल नहीं होने देंगे। सिर्फ चार दिन पहले एक नई शुरुआत हुई है और 300 से ज्यादा शरणार्थियों को नागरिकता दी गई है।

एकनाथ शिंदे को साल 2019 में मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहती थीं एनसीपी और भाजपा

मुंबई, 19 मई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा खुलासा किया है। राउत के दावे के मुताबिक, मौजूदा सरकार में शामिल भाजपा और एनसीपी के नेता साल 2019 में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहते थे। राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए यह भी दावा किया कि अजित पवार, दिलीप वलसे पाटिल और सुनील तटकरे जैसे एनसीपी नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे के नाम का विरोध किया था और कहा था कि वे उनके जैसे कनिष्ठ और अनुभवहीन व्यक्ति के अंदर काम नहीं करेंगे। राज्यसभा सदस्य ने कहा, कांग्रेस और एनसीपी का कहना था कि उनके पास कई वरिष्ठ नेता हैं। गठबंधन का नेता ऐसा होना चाहिए जो अनुभवी, वरिष्ठ हो तथा सबको साथ लेकर चल सके। वहीं, सरकार बनाने के लिए शिवसेना ने महा विकास अघाड़ी के तौर पर कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाया था। लेकिन हाथ मिलाने से पहले ही देवेंद्र फडणवीस, गिरीश महाजन और सुधीर मुनगंटीवार जैसे भाजपा नेताओं ने शिवसेना से कहा था कि वे शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में पसंद नहीं करेंगे। संजय राउत यहीं नई रुके उन्होंने कहा कि जब महा विकास आघाडी में शिवसेना को मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला, तब उद्धव ठाकरे एकनाथ शिंदे को सीएम बनाना चाहते थे। उस दौरान भाजपा ने कहा था कि वह शिंदे को गठबंधन के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहती। शिंदे को विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया था और वह मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते थे।

फूलपुर से बैरंग गई दो लड़कों की जोड़ी: मुख्यमंत्री योगी

कौमी संवाददाता

प्रयागराज, 19 मई। फूलपुर से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी प्रवीण पटेल के समर्थन में सिकंदरा रौजा में सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधा। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह धरती इतिहास बनाने वाली है। एक बार फिर फूलपुर में इतिहास बनेगा। उन्होंने कहा कि अभी-अभी पता चला है कि दो लड़कों की जोड़ी बैरंग गई है। 2017 और 2019 में दो लड़कों की जोड़ी को फूलपुर की जनता खारिज कर चुकी है। सीएम ने कहा कि जो दलित, पिछड़ों और व्यापारियों की सुरक्षा के लिए खतरा बने थे। उनको मिट्टी में मिला दिया गया है। अब देश खुश है। सपा वालों को देश की नहीं अपनी राजनीति की चिंता है। उनके काले कारनामे से आप परिचित ही होंगे। उन्होंने कहा कि फूलपुर के एक मौर्या परिवार की जमीन माफिया ने कब्जा कर ली थी। भाजपा सरकार में उसकी जमीन दिलवाई गई और माफिया

को मिट्टी मिला दिया गया। दुनिया भर में भारत की साख बढ़ी है। भारत अब सुरक्षित है। पूर्व के सरकार में गरीबों का राशन सपा के गुंडे हड़पते थे। अब देश की 80 करोड़ जनता को फ्री में राशन मिल रहा है। 60 करोड लोगों को स्वास्थ्य बीमा का कार्ड बनवा दिया गया है। 12 करोड़ किसानों को सम्मान निधि दी जा रही है। 12 करोड लोगों के घरों में शौचालय बनवाए गए। 10 करोड लोगों को रसोई गैस सिलेंडर कनेक्शन दिया गया। सरकार ने माफिया को मिट्टी मिलने का काम किया है। उन्होंने प्रवीण पटेल के लिए वोट देने की अपील की है। समर्थकों से कहा कि अगले पांच दिन में सभी को दो काम करने होंगे।

पतंजलि की सोन पापड़ी का सैंपल फेल

पिथौरागढ़, 19 मई। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट पिथौरागढ़ संजय सिंह की अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड कंपनी के असिस्टेंट जनरल मैनेजर (एजीएम), डिस्ट्रीब्यूटर कान्हा जी प्राइवेट लिमिटेड के असिस्टेंट मैनेजर और एक व्यापारी को छह-छह माह की सजा सुनाई। कोर्ट ने तीनों पर कुल 40 हजार का अर्थदंड भी लगाया। अर्थदंड न देने पर दोषियों को अतिरिक्त कारावास भुगतना पड़ेगा। खाद्य सुरक्षा विभाग ने 17 अक्तूबर 2019 को बेड़ीनाग से इलाइची सोन पापड़ी का नमूना लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा था। यहां नमूना असुरक्षित श्रेणी का पाया गया था। प्रदेश की प्रयोगशाला की जांच रिपोर्ट से संतुष्ट नहीं होने पर पतंजलि ने इस नमूने की जांच के लिए रेफरल लैब गाजियाबाद (भारत सरकार) को भेजा था। यहां भी नमूना फेल पाया गया जिसके बाद खाद्य सुरक्षा विभाग ने 28 जुलाई 2021 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में वाद दायर कराया था।

जूता कारोबारियों पर छापा: नोट गिनते-गिनते थकी मशीन

आगरा, 19 मई। आगरा में जूता कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर विभाग की कार्रवाई जारी है। बीते दिन से शुरू हुई नोटों की गिनती का सिलसिला अभी थमा नहीं है। पूरा रात नोटों की गिनती होती रही। सुबह तक 60 करोड़ रुपये की रकम बरामद हुई है। इसी दौरान नोट गिनने की मशीन गर्म होकर बंद हो गई, जिसके बाद गिनती कुछ समय के लिए रोक दी गई। कार्रवाई में अबतक 60 करोड़ की नकदी मिल चुकी है। यह संख्या 100 करोड़ से ज्यादा निकलने की संभावना है। हरमिलाप ट्रेडर्स, बीके शूज और मंशु फुटवियर पर आयकर विभाग की कार्रवाई चल रही है। बता दें इन्वेस्टिगेशन विंग ने आगरा, लखनऊ, कानपुर के कर्मचारियों के साथ इन कारोबारियों के छह ठिकानों पर कार्रवाई की। इनमें बीके शूज के एमजी रोड स्थित प्रतिष्ठान और सूर्य नगर स्थित घर की तलाशी ली गई। जूते की ट्रेडिंग कर रही मंशु फुटवियर और बीके शूज के मालिक रिश्तेदार हैं और बीते कुछ वर्षों में ही बाजार में बड़ा नाम बन गए हैं। हरमिलाप ट्रेडर्स का शू मैटेरियल का काम है। इन्वेस्टिगेशन विंग की 12 से ज्यादा टीमों ने यह कार्रवाई की। कारोबारियों के पास से भारी मात्रा में जमीन में निवेश, सोने की खरीद की जानकारी भी मिली है। इनर रिंग रोड के पास कारोबारियों ने बड़ा निवेश किया है। टीम ने लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल फोन जब्त किए हैं। साथ ही इनका डाटा लिया गया है। रसीदें और बिल के साथ स्टॉक रजिस्टर की जांच की गई है। इस जांच में कई हैरान कर देने वाली जानकारियां सामने आई हैं। एक प्रतिष्ठान के संचालक ने अपने आईफोन का लॉक नहीं खोला है।

प्रयागराज में राहुल और अखिलेश की सभा में मची भगदड़

सौरभ शर्मा

प्रयागराज, 19 मई। प्रयागराज में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी और सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की जनसभा में हंगामा हुआ है। जनसभा में भगदड़ मच गई है। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुस गए हैं। कई लोगों के घायल होने की जानकारी मिल रही है। जानकारी के अनुसार, पड़िला महादेव फाफामऊ में आयोजित इंडिया गठबंधन की रैली में सपा और कांग्रेस के कार्यकर्ताओं का हुजूम उमड़ पड़ा। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सभा मुखिया अखिलेश यादव को देखने के लिए भीड़ काबू हो गई। कार्यकर्ता बैरिकेडिंग तोड़कर अंदर घुस गए। कार्यकर्ता मंच पर चढ़ गए। इसके बाद राहुल गांधी और अखिलेश नाराज हो गए। कार्यकर्ताओं की इस हरकत से नाराज होकर दोनों नेता बिना कुछ बोले ही चले गए। दोनों नेता मंच से चले गए। दोनों नेता हेलीकॉप्टर में बैठकर यहां से रवाना हो गए। प्रयागराज के फाफामऊ क्षेत्र में पड़िला में समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य की जनसभा में रविवार की दोपहर भगदड़ मच गई। वहां मौजूद सैकड़ों की संख्या में सपा कार्यकर्ताओं ने मंच के सामने डी की बैरिकेटिंग तोड़ दी। वहां कई लोग घायल भी हुए। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता मंच पर भी पहुंच गए। वहां मंच पर मौजूद सपा के राष्ट्रीय

अध्यक्ष अखिलेश यादव भी असहज हो गए। वह चुपचाप मंच पर लगी कुर्सी में बैठ गए। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भी वहां पहुंचे। मंच के सामने भीड़ जमा होने से दोनों नेता तकरीबन 15 मिनट तक बैठे रहे। फिर आपस में बातचीत कर दोनों वहां से चलते बने। पड़िला महादेव मंदिर के पास एक आम के बाग में सपा प्रत्याशी अमरनाथ मौर्य के समर्थन में सभा आयोजित थी। सभा स्थल पर सुबह से ही भीड़ आनी शुरू हो गई। दोपहर 1.20 बजे सबसे पहले अखिलेश यादव का हेलीकॉप्टर वहां पहुंचा। इस दौरान तमाम कार्यकर्ता पुलिस का घेरा तोड़ हैलीपैड तक पहुंचना चाह रहे थे, लेकिन बाद में पुलिस ने वहां से सभी को खदेड़ दिया। वहीं अखिलेश जब तक मंच पर पहुंचते तब तक वहां मौजूद सैकड़ों सपा समर्थकों ने मंच के पास डी पर लगी बैरिकेटिंग तोड़ दी। अचानक सैकड़ों की संख्या में कार्यकर्ता मंच तक पहुंच गए। इस दौरान अखिलेश के साथ आए सुरक्षा कर्मियों ने मोर्चा संभाल लिया। कुछ लोग जो मंच पर चढ़ गए थे, उन्हें वहां से किसी तरह उतारा गया। कार्यकर्ता डी घेरे से हटने को तैयार ही नहीं हुए। वहां सपा के साथ कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कई बार हाथ जोड़कर वहां मौजूद भीड़ को पीछे हटने के लिए कहा, लेकिन कोई टस से मस नहीं हुआ। इस बीच वहां राहुल गांधी की इंट्री हुई तो कार्यकर्ता और उत्साहित हो गए। डी घेरे पर मौजूद लोगों को हटाने के लिए वहां सुरक्षा कर्मियों ने डंडे भी चलाए, लेकिन मंच पर मौजूद नेताओं ने राहुल और अखिलेश की मौजूदगी में लोगों पर डंडा चलाने से मना कर दिया।

आसानी से नहीं जाएगी 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी: सीएम विष्णुदेव

रायपुर, 19 मई। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रियंका गांधी के पीडीएस सिस्टम में चावल वितरण के बयान को लेकर जमकर निशाना साधा है। सीएम साय ने तंज कसते हुए कहा कि 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी आसानी से नहीं जाएगी। साथ ही सीएम ने प्रदेश कांग्रेस नेताओं पर भी निशाना साधा है। दरअसल, कांग्रेस नेत्री प्रियंका गांधी ने अपने एक इंटरव्यू में कहा कि छत्तीसगढ़ में जब कांग्रेस की सरकार थी, तो 35 किलो राशन दिया जाता था और अब भाजपा की सरकार आने पर केवल पांच किलो दिया जाता है। प्रियंका गांधी के इस बयान को लेकर सीएम ने पलटवार किया है। सीएम साय ने अपने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा है कि कांग्रेस की 70 सालों से झूठ बोलने की बीमारी है, इतनी आसानी से तो जाएगी नहीं। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रियंका जी, झूठ फैलाने से फुरसत मिल जाए, तो आपकी कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ में किए गए पांच हजार करोड़ के चावल घोटाले पर भी दो शब्द कह दें। सीएम ने तंज कसते हुए कहा कि आपकी अज्ञानता का फायदा उठाकर हर बार छत्तीसगढ़ कांग्रेस के नेता आप लोगों को बुद्धू बना देते हैं। पिछली बार कांग्रेसियों ने राहुल गांधी को कह दिया था कि कांग्रेस सरकार ने छत्तीसगढ़ के हर जिले में फूड पार्क बना दिया है, उस झूठ का जवाब छत्तीसगढ़ की जनता ने आपकी पार्टी को रसातल में पहुंचा कर दे दिया। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि इस बार राशन के मामले में फिर आपकी पार्टी ने आपको बेवकूफ बना दिया। थोड़ा पढ़ लिख लिया कीजिए कोई बयान देने से पहले। थोड़ा होमवर्क कर बयान देंगी तो बार-बार फजीहत नहीं होगी। याद रखिए, कांग्रेस की तरह हमारी सरकार गरीबों के राशन पर डाका नहीं डाल रही है, बल्कि और भी अधिक सुगमता से राशन का वितरण यथावत जारी है। मुख्यमंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि छत्तीसगढ़ में पीडीएस के अंतर्गत केंद्र सरकार से मिलने वाले पांच किलो चावल के अतिरिक्त एक सदस्य वाले कार्डधारी को दस किलो, दो सदस्य वाले कार्डधारी को बीस किलो, तीन से पांच सदस्य वाले कार्डधारी को पैंतीस किलो, और पांच से अधिक सदस्य वाले कार्डधारी को सात किलो प्रति सदस्य निशुल्क चावल विष्णु सरकार दे रही है।

शिअद का घोषणा पत्र, करतारपुर साहिब को पाकिस्तान से भारत लाने का वादा

नरेश मल्होत्रा

चंडीगढ़, 19 मई। शिरोमणि अकाली दल (शिअद) ने शनिवार को चंडीगढ़ स्थित कार्यालय में लोकसभा चुनाव का घोषणा पत्र जारी किया। शिअद ने अपने घोषणा पत्र पर पंथक, बंदी सिंहों और पंजाब की बिना सहमति हुए फैसलों को रद्द करने का भरोसा जताया है। घोषणा पत्र जारी करते हुए पार्टी प्रमुख सुखबीर बादल ने कहा कि शिअद के लिए पंथ, पंजाब और सिद्धांत राजनीति से ऊपर है। सुखबीर ने अपने घोषणा पत्र के मुख्य बिंदुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनकी पार्टी पंजाब की सहमति के बिना लिए गए सभी दरिया पानी समझौतों के फैसलों को सत्ता में आते ही रद्द कराएगी। पार्टी ने अपने इस घोषणा पत्र को 'ऐलान नामे' का नाम दिया है।

-सिर्फ पंजाबी नौजवानों को रोजगार देंगे, बाहरी लोगों को लिए जमीन की बिक्री नहीं होने देंगे।

-पंजाब में खाद्य प्रसंस्करण तथा कपड़ा उद्योग स्थापित करेंगे। मोहाली और अमृतसर को आईटी तथा पर्यटन तथा मालवा को टेक्सटाइल हब के रूप में विकसित करेंगे।

-अकाली दल ने हुसैनीवाला की तर्ज पर जमीन की अदला-बदली करके करतारपुर साहिब को पूर्वी पंजाब में शामिल करने की वकालत की।

-अटारी तथा हुसैनीवाला बॉर्डर खोलने की मांग की।

- किसानों के साथ डटकर उनकी मांगें पूरी कराएंगे, एमएसपी को कानूनी गारंटी का रूप देने के प्रयास किए जाएंगे।

- मोहाली से अतंरराष्ट्रीय उड़ानों पर कार्गो सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

-संघीय स्वायत्तता तथा अल्पसंख्यकों तथा कमजोर वर्गों के लिए सुविधाओं को पूरा किया जाएगा।

-चंडीगढ़ तथा पंजाबी भाषा वाले क्षेत्रों को पंजाब में शामिल किया जाएगा। घोषण पत्र में कहा है कि चंडीगढ़ पंजाब का था और हमेशा ही रहेगा, इसे सिर्फ पांच साल के लिए यूटी बनाया गया था। इस मामले में पंजाब के साथ केंद्र के खिलाफ डटकर संघर्ष करेंगे।

-करतारपुर साहिब को पाकिस्तान से भारत लाने के लिए दोनों देशों के बीच आपसी समझौते के आधार पर काम करेंगे, जैसे की पहले हुसैनीवाला बॉर्डर तथा बंगलादेश के मामले में किया गया।

-घोषणा पत्र में सरकारों द्वारा सिख गुरुधामों तथा खालसा पंथ की अन्य धार्मिक संस्थाओं पर कब्जा करने की कोशिशों तथा साजिशों का जोरदार विरोध किया।

-किसानों की कर्जमाफी की जाएगी। छोटे और आंशिक किसानों को डीजल पर 20 फीसदी सब्सिडी देने का वादा किया। किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए 'कुशल श्रमिक का दर्जा' हासिल करने की कोशिश करेगी और मनरेगा में खेतिहर मजदूरों को शामिल करने की कोशिश करेगी।

- किसान संघर्ष में मारे गए किसानों के परिवारों के लिए 50 लाख रुपये के मुआवजे और परिवार के एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी की मांग करेगी।

-व्यक्तिगत आयकर की मौजूदा दर से 4 लाख रुपये अधिक बढ़ाने की मांग करेगा।

-सेवाओं में वन रैंक वन पेंशन की मांग के लिए संघर्ष करने का भी वादा किया।

-घोषणा पत्र में अग्निवीर योजना का विरोध किया गया और सेना में नियमित भर्ती की मांग पर जोर दिया गया।

अमेरिका में तीसरा विश्व युद्ध शुरू हो सकता है : ट्रम्प

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आशंका जतायी है कि राष्ट्रपति चुनाव से पहले देश के अक्षम नेतृत्व के कारण तीसरा विश्व युद्ध छिड़ सकता है।श्री ट्रम्प ने मिनेसोटा राज्य में कहा, जिस तरह के मूर्ख लोग इस देश को चला रहे हैं, उससे बहुत से लोग नहीं बचेंगे क्योंकि आज हथियारों की शक्ति बहुत भयंकर है। हम अगले पांच महीनों में तीसरे विश्व युद्ध में फंस सकते हैं क्योंकि हमारा नेतृत्व अक्षम है। जिस तरह से देश को चलाने वाले लोग है, उससे जाहिर होता है कि देश बहुत जल्दी तीसरे विश्व युद्ध में फंस सकता है।

श्री ट्रम्प ने कहा कि अगर वह देश के राष्ट्रपति होते तो न तो रूस-यूक्रेन संघर्ष और मध्य-पूर्व युद्ध नहीं होता और ना ही महंगाई बढ़ती।

उल्लेखनीय है वर्ष 2024 का अमेरिका राष्ट्रपति चुनाव 60वां चुनाव होगा। यह चुनाव पांच नवंबर को होगा। मतदाता चार साल की अवधि के लिए राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति का चुनाव करेंगे।डेमोक्रेटिक पार्टी के सदस्य, मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडेन फिर से चुनाव लड़ रहे हैं और रिपब्लिकन पार्टी की तरफ से श्री ट्रंप लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए चुनाव लडेंगे।

पूर्वी पाकिस्तान में बस के खड्ड में गिरने से 13 लोगों की मौत

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में एक मिनी बस के गहरी खाई में में गिरने से कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हुए हैं।पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक प्रांत के खुशाब जिले के पंज पीर इलाके के पास बस सड़क से फिसल कर गहरी खाई में गिर गई। पुलिस ने बताया कि पीड़ितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि कि तेज़ गति होने के कारण तीव्र मोड़ पर बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खो दिया। इस घटना की जानकारी मिलने पर बचाव दल और स्थानीय स्वयंसेवक घटनास्थल पर पहुंचे और शवों तथा घायलों को खाई से बहार निकाला और उन्हें नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया, जहां कम से कम दो घायलों की हालत गंभीर है।

नेपाल में राजनीतिक गतिरोध के बीच अध्यादेश के जरिए बजट लाने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल में जारी राजनीतिक गतिरोध के बीच सरकार अध्यादेश के जरिए बजट लाने की तैयारी कर रही है। सत्तापक्ष ने संकेत दिया है कि आज शाम तक यदि विपक्षी दलों के साथ सहमति नहीं हुई तो अध्यादेश के जरिए ही बजट लाया जाएगा।

नेपाल में संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक देश का आम बजट हर वर्ष 30 मई से पहले हर हाल में लाना ही होता है। विपक्षी दलों के अवरोध के कारण सरकार अब तक राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद ज्ञापन तक नहीं कर पाई है। बजट सत्र में विपक्षी दलों का पिछले एक हफ्ते से जारी संसद गतिरोध खत्म नहीं हो पा रहा है, सरकार के सभी प्रयास असफल हो रहे हैं। आज होने वाली निर्णायक वार्ता से पहले किसी भी पक्ष ने झुकने के संकेत नहीं दिए हैं। सरकार की प्रवक्ता रेखा शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री की तरफ से अंतिम समय तक सहमति का प्रयास किया जाएगा, लेकिन यदि विपक्षी दलों के साथ सहमति नहीं बनी तो सरकार के पास अध्यादेश के जरिए बजट लाने का रास्ता बचेगा। प्रमुख विपक्षी दल नेपाली कांग्रेस के महामंत्री गगन थापा ने कहा कि प्रधानमंत्री वार्ता में कुछ और कहते हैं और उनके सत्ता सहयोगी दल कुछ और विचार रखते हैं। गगन थापा ने कहा कि लाखों नेपाली गरीब और मध्यम वर्ग की कमाई सहकारी संस्थाओं के मार्फत डूबी है। इस मामले में गृहमंत्री रवि लामिछाने की संलग्नता का प्रमाण मीडिया में प्रकाशित होने के बावजूद छानबीन नहीं होने देना उनकी नीयत पर शंका है। सत्तापक्ष से जुड़े प्रमुख दल नेकपा एमाले और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी संसदीय समिति जांच के खिलाफ हैं।

अफगानिस्तान के बामियान गोलीबारी में मरने वालों की संख्या बढ़कर 6 हुई

बामियान। मध्य अफगानिस्तान के बामियान प्रांत में गोलीबारी के हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर छह हो गई है, जिनमें तीन स्पेनिश नागरिक और तीन अफगानी शामिल हैं, एक स्थानीय पुलिस अधिकारी ने कहा।प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता मुहम्मद खवानी रासा ने कहा कि अस्पताल में इलाज के बाद दो अफगानों की मौत हो गई।समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, रासा ने बताया कि घायलों में स्पेन, नॉर्वे, ऑस्ट्रेलिया और लिथुआनिया के चार विदेशी नागरिकों के साथ-साथ एक अफगान भी शामिल है, जिनका अभी भी चिकित्सा उपचार चल रहा है।आंतरिक मामलों के मंत्रालय के प्रवक्ता मुफ्ती अब्दुल मतीन कानी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कहा कि हमले के सिलसिले में चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया है।

रूस ने चीन को सौंपा विध्वंसक गतिविधियां चलाने वाले विदेशी संगठनों का ब्यौरा

एजेंसी

मास्को। रूस की संसद के निचले सदन ड्यूमा के विदेशी दखलंदाज़ी की जांच के लिए गठित आयोग ने कुछ विदेशी संगठनों द्वारा रूस एवं चीन के खिलाफ विध्वंसक गतिविधियां चलाये जाने को लेकर हाल ही में एक डॉज़ियर सौंपा है। आयोग के वासिली पिस्कारेव ने सोशल मीडिया पर प्रकाशित एक बयान में यह जानकारी दी। उन्होंने बयान में कहा, हमने हाल ही में रूस और चीन से संबंधित विदेशी संगठनों की विध्वंसक गतिविधियों पर सामग्री चीनी पक्ष को हस्तांतरित की है। उल्लेखनीय है कि यह खबर ऐसे समय आयी है जब रूसी राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन चीन की यात्रा से लौटे हैं और वहां उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ 'असाधारण, गहन एवं सार्थक' बातचीत हुई है। पिस्कारेव ने कहा कि आयोग निकट भविष्य में 'नई चुनौतियों और खतरों' तथा रूस और चीन पर बढ़ते बाहरी दबाव के कारण संप्रभुता की रक्षा करने के लिए और चीनी भागीदारों के साथ विदेशी हस्तक्षेप के विरुद्ध विधायी प्रतिकार करने के लिए अपनी अपनी सर्वोत्तम प्रथाओं का

आदान-प्रदान जारी रखने की योजना बना रहा है। चीन एवं रूस के राष्ट्रपतियों के बीच दो दिन पहले बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ पीपुल्स में हुई एक महत्वपूर्ण बैठक में दोनों नेताओं ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में नाटो के रुख को 'विनाशकारी' करार देने के साथ ही पूर्वोत्तर एशिया में शक्ति संतुलन को बदल कर अमेरिकी आधिपत्य स्थापित करने के प्रयासों की निंदा की थी। बैठक के बाद जारी संयुक्त वक्तव्य में दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत को 'असाधारण, गहन एवं सार्थक' बताया गया और वैश्विक राजनीति को प्रभावित करने वाली कई अहम घोषणाएं की गयीं।

वक्तव्य के अनुसार रूस और चीन के नेताओं ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नाटो के रुख को 'विनाशकारी' करार दिया है और विभिन्न देशों से टकराव वाली नीतियां अपनाने, दूसरों के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बंद करने का आह्वान किया है। चीन ने संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता सुनिश्चित करने के रूस के प्रयासों का समर्थन तथा उसके आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप का विरोध किया है। वक्तव्य में कहा गया कि किसी भी राज्य को दूसरों की सुरक्षा की कीमत पर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं करनी चाहिए। रूस, चीन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के साथ राजनीति, सुरक्षा, अर्थव्यवस्था और मानवीय संबंधों में सहयोग की संभावनाओं को मजबूत करने का संकल्प जताया और सैन्य निर्माण के माध्यम से पूर्वोत्तर एशिया (विशेष रूप से उत्तर कोरिया के संदर्भ में) में शक्ति संतुलन बदलने के अमेरिकी आधिपत्य प्रयासों का विरोध व्यक्त किया है। वक्तव्य में रूस, चीन ने अलग-अलग देशों द्वारा सशस्त्र टकराव के लिए अंतरिक्ष का उपयोग करने के प्रयासों का विरोध किया तथा राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए बहुपक्षीय, पारदर्शी वैश्विक इंटरनेट प्रशासन प्रणाली सुनिश्चित करने की वकालत की है।

इजराइल की सेना ने दो दिन में गाजा से 4 बंधकों का शव किया बरामद

एजेंसी

गाजा पट्टी । गाजा पट्टी हमास द्वारा बंधक बनाए गए इजराइल के तीन नागरिकों के शव मिले थे. वहीं एक दिन बाद, इजराइल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने शनिवार को युद्धग्रस्त क्षेत्र से एक और बंधक का शव बरामद किया. आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सेना ने गाजा पट्टी से एक और बंधक का शव बरामद किया. जिस बंधक का शव शनिवार को बरामद किया गया, उसकी पहचान 53 वर्षीय रॉन बेंजामिन के रूप में हुई, जिसे 7 अक्टूबर की सुबह हमास ने अपहरण कर लिया था.

हगारी ने कहा कि बेंजामिन को 7 अक्टूबर को मेफल्सिम के पास हमास के आतंकवादियों ने मार डाला था और उनके शव को बंधक बनाकर गाजा ले जाया गया था. आईडीएफ ने घोषणा की कि उसने रात भर के ऑपरेशन में उसके शव के अवशेष बरामद कर लिए हैं. हगारी ने कहा कि ऑपरेशन में इत्ज़ाक गेलेरेन्टर, अमित बुस्किला और शनि लौक के साथ उसका शव भी बरामद किया गया था. बेंजामिन को आखिरी बार 7 अक्टूबर को सुबह 7:30 बजे सुना गया था, जब उन्होंने अपनी दो बेटियों में से एक के लिए एक ऑडियो मैसेज छोड़ा था. उस सुबह, बेंजामिन सुबह 6:30 बजे किबुत्ज़ बीरी के पास बाइक की सवारी के लिए दोस्तों से मिलने के लिए निकले थे. जब उसने सायरन सुना तो उसने पीछे मुड़कर घर जाने का फैसला किया. उन्होंने अपनी पत्नी ऐलेट से बात की और अपनी बेटी के लिए एक मैसेज छोड़ा.

इजराइल-हमास के बीच भीषण जंग

रिपोर्ट के अनुसार, इजराइली सेना और हमास के बीच चल रही भीषण लड़ाई के बीच आईडीएफ ने युद्धग्रस्त गाजा पट्टी से तीन बंधकों के शव बरामद किए थे. इन तीनों की पहचान इत्ज़ाक गेलेरेन्टर, अमित बुस्किला और शनि लौक के रूप में की गई थी. आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने कहा कि सेना और शिन बेट द्वारा रात भर चलाए गए ऑपरेशन में शव बरामद किए गए. हमास के नेतृत्व वाले 7 अक्टूबर के हमले की सुबह ये तीनों रीम के पास सुपरनोवा संगीत समारोह में थे, जहां से वे मेफल्सिम क्षेत्र में भाग गए.

वीजा पाने के लिए नकली डकैती, चार भारतीयों समेत छह लोगों पर साजिश का आरोप

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका में चार भारतीय नागरिकों सहित छह व्यक्तियों पर आरोप है कि उन्होंने शिकागो और उसके उपनगरों में सशस्त्र नकली डकैतियों की साजिश रची, ताकि कथित पीड़ित, अमेरिका में कुछ अपराध पीड़ितों के लिए आरक्षित आव्रजन वीजा के लिए आवेदन कर सकें। शिकागो की संघीय अदालत में आरोप लगाया गया कि भीखाभाई पटेल, नीलेश पटेल, रवीनाबेन पटेल और रजनी कुमार पटेल ने पार्थ नायी और केवोंग यंग के साथ मिलकर नकली डकैतियों की साजिश रची ताकि वे स्वयं को 'पीड़ित' दिखाकर 'यू' गैर प्रवासी दर्जे (यू-वीजा) के लिए आवेदन कर सकें। यू-वीजा उन कुछ अपराधों के पीड़ितों के लिए आरक्षित रखा गया है, जिन्होंने मानसिक या शारीरिक शोषण सहा है और जांच या अभियोजन में कानून प्रवर्तन या सरकारी अधिकारियों की मदद की है। अभियोग में आरोप लगाया गया है कि चार व्यक्तियों ने इस घोटाले में भाग लेने के लिए नायी को हजारों डॉलर का भुगतान किया। अभियोग में कहा गया है कि नकली डकैती के दौरान कुछ लोग हथियार लेकर कथित पीड़ितों के पास गए

और उनसे लूटपाट की।

इसमें कहा गया है कि बाद में कथित पीड़ितों ने इस बात का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए स्थानीय कानून प्रवर्तन में प्रपत्र जमा किए कि वे एक अपराध के शिकार हुए और उन्होंने जांच में सहयोग किया है एवं आगे भी करते रहेंगे। न्याय विभाग ने एक बयान में बताया कि प्रमाणीकरण के बाद कुछ कथित पीड़ितों ने डकैती के शिकार के रूप में अपनी कथित स्थिति के आधार पर अमेरिकी नागरिकता और आव्रजन सेवाओं में फर्जी यू-वीजा आवेदन जमा किए। नायी (26), यंग (31), भीखाभाई पटेल (51), नीलेश पटेल (32), रवीनाबेन पटेल (23) और रजनीकुमार पटेल (32) पर वीजा धोखाधड़ी की साजिश रचने का आरोप लगाया गया है। रवीनाबेन पटेल पर वीजा आवेदन में गलत बयान देने का एक अलग आरोप भी लगाया गया है। एक मीडिया विज्ञप्ति में बताया गया है कि धोखाधड़ी की साजिश के आरोप में अधिकतम पांच साल की सजा हो सकती है जबकि वीजा आवेदन में झूठे बयान देने के आरोप में 10 साल तक की सजा हो सकती है।

बाहरी बनाम लोकल की जंग: किर्गिस्तान में क्यों निशाने पर आए भारतीय और पाकिस्तानी छात्र?

एजेंसी

किर्गिस्तान। किर्गिस्तान में पाकिस्तानी और भारतीय छात्रों के खिलाफ हिंसा भड़की हुई है. मेडिकल पढ़ाई करने आए विदेशी छात्रों के साथ मारपीट की जा रही है. उनके हॉस्टल में घुसकर स्थानीय लोग और लोकल स्टूडेंट उन पर हमले कर रहे हैं. तोड़फोड़ को अंजाम दे रहे हैं. विदेशी छात्राओं के साथ छेड़छाड़ और बदसलूकी की जा रही है. हैरानी की बात ये है कि इस पूरे बवाल में अब तक 4 पाकिस्तानी छात्रों की मौत का दावा किया जा रहा है. आखिर किर्गिस्तान में बाहरी बनाम

लोकल में क्यों मचा है संग्राम?

किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक की सड़कों पर बवाल मचा हुआ है. खास तौर पर किर्गिस्तान में भारत और पाकिस्तान के छात्रों को निशाना बनाया जा रहा है. लोकल स्टूडेंट के साथ-साथ स्थानीय लोग भी विदेशी छात्रों से मारपीट कर रहे हैं. हैरान करने वाली बात ये है कि पुलिस की मौजूदगी में स्थानीय लोग विदेशी छात्रों को टारगेट कर रहे हैं. उन्हें लाठी-डंडों से मार रहे हैं.

क्या है पूरा विवाद और कैसे शुरू हुआ?

दरअसल, ये पूरा विवाद मिस्र की लड़कियों के साथ छेड़छाड़ से शुरू हुआ. 13 मई को मिस्र की

छात्राओं के साथ छेड़छाड़ हुई थी. इसके बाद मिस्र के छात्र स्थानीय स्टूडेंट से भिड़ गए. इसी विवाद के बाद स्थानीय छात्रों ने मारपीट शुरू कर दी. विदेशी छात्रों के होस्टल और कमरों में तोड़फोड़ की गई. किर्गिज छात्रों ने पाकिस्तान-भारत के स्टूडेंट पर हमले किए.

4 पाकिस्तानी छात्रों की मौत का दावा

बिश्केक में अब तक 4 पाकिस्तानी छात्रों की मौत का दावा है. हालांकि, पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने पाकिस्तानी छात्रों के मौत की खबर की पुष्टि नहीं की है. मगर अब तक पाकिस्तान की तरफ से छात्रों से किसी भी तरह की बातचीत का दावा भी नहीं किया गया है. वहीं भारत के विदेश मंत्रालय ने किर्गिस्तान एंबेसी से बात कर भारतीय छात्रों की सुरक्षा से जुड़ा मुद्दा उठाया है और भारतीय छात्रों को फिलहाल बाहर न निकलने की अपील की है।

यूक्रेन में हमला तेज करेगा रूस, राष्ट्रपति जेलेंस्की ने किया चौंकाने वाला दावा

एजेंसी

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने रूस को लेकर बड़ा दावा किया है. उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि रूस उत्तर-पूर्व में अपना हमला बढ़ाएगा. साथ ही उन्होंने चेतावनी दी कि कीव के पास हवाई सुरक्षा का केवल एक चौथाई हिस्सा है. रूसी सेना, जिसने हाल के महीनों में कम प्रगति की है. रूस ने 10 मई को खार्किव क्षेत्र में एक आश्चर्यजनक हमला किया, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें डेढ़ साल में सबसे बड़ा क्षेत्रीय लाभ हुआ. जेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेनी बलों द्वारा रोके जाने से पहले रूसी सैनिक पूर्वोत्तर सीमा पर पांच से 10 किमी तक आगे बढ़ने में कामयाब रहे. लेकिन उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र पर पहला हमला हो सकता है.

रूस के लिए बड़ी सफलता

उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहूंगा कि यह (रूस के लिए) एक बड़ी सफलता है, लेकिन हमें शांत रहना होगा और समझना होगा कि वे हमारे क्षेत्र में गहराई तक जा रहे हैं. ज़ेलेंस्की ने कहा कि खार्किव क्षेत्र में स्थिति नियंत्रित है लेकिन स्थिर नहीं हुई है. हालांकि रूस और यूक्रेन युद्ध अपने तीसरे साल में चल रहा है. इसलिए उन्होंने रूस की एयर पावर का मुकाबला करने के लिए अधिक एयर सिक्योरिटी और फाइटर जेट भेजने के लिए सहयोगियों से अनुरोध दोगुना कर दिया. उन्होंने कहा कि आज, यूक्रेन की रक्षा के लिए हमें जो कुछ चाहिए, उसका लगभग 25 प्रतिशत हमारे पास है. ज़ेलेंस्की ने कहा कि यूक्रेन को रूस के साथ हवाई क्षमता हासिल करने के लिए 120 से 130 एफ-16 लड़ाकू जेट या अन्य उन्नत विमानों की आवश्यकता है।

भारतीय महिलाएं सार्वजनिक नृत्यों में नहीं लेती भाग, एक्स उपयोगकर्ता की ऑनलाइन आलोचना

एजेंसी

कोलंबस। एक सोशल मीडिया उपयोगकर्ता को चीन से एक नृत्य वीडियो पोस्ट करने और दावा करने के बाद आलोचना का सामना करना पड़ रहा है कि भारतीय महिलाएं सार्वजनिक रूप से होने वाली मनोरंजक गतिविधियों मेंशायद ही भाग लेती हैं।एक्स उपयोगकर्ता, जो अपने बायो के अनुसार एक डॉक्टर है, ने कैप्शन के साथ एक वीडियो पुनः साझा किया, शेन्ज़ेन में स्क्वायर डांस। पोस्ट में यूजर ने लिखा, एक भारतीय के लिए यह कितना विचित्र दृश्य है। आपने हमारे सार्वजनिक स्थानों पर किसी भी प्रकार की मनोरंजक गतिविधि में इतनी अधिक महिलाओं को भाग लेते नहीं देखा होगा।चीन में स्क्वायर डांसिंग संस्कृति सामान्य रूप से महिलाओं की सुरक्षा और देश में सार्वजनिक स्थानों की गुणवत्ता के बारे में बहुत कुछ बताती है।

आतंकियों के निशाने पर लड़कियों की पढ़ाई, पाकिस्तान में गर्ल्स स्कूल्स में हो रहे हमले

एजेंसी

इस्लामाबाद। जहां हर देश में शिक्षा के महत्व को समझते हुए उसको हर कोने-कोने तक पहुंचाने की तैयारी चल रही है, इसी बीच पाकिस्तान में स्कूलों पर हो रहे हमलों से लड़कियों की शिक्षा पर काफी असर पड़ रहा है. इसी कड़ी में पिछले हफ्ते हुए स्कूल पर बमबारी के बाद एक बार फिर लड़कियों के स्कूल पर आतंकवादी हमला हुआ. आतंकवादियों ने एक और लड़कियों के स्कूल को बम से उड़ा दिया.

पाकिस्तान में आतंकवाद की चल रही लहर के बीच खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादियों ने दक्षिण वजीरिस्तान की वाना तहसील में लड़कियों के स्कूल के एक हिस्से पर बमबारी की. फिलहाल लड़कियों का यह स्कूल बन ही रहा था, जिसके एक हिस्से को बम से उड़ा दिया गया, जिसके बाद लोगों में दशहत फैल गई.

स्कूल को बम से उड़ाया

वजीरिस्तान देश का उत्तर-पश्चिमी हिस्सा है जो 2021 से ही आतंकवादी हमलों की चपेट में है, जिससे खैबर पख्तूनख्वा के जिलों में कई लड़कियों के स्कूलों पर बम दागें गए. लगातार लड़कियों की स्कूल पर हो रहे इन हमलों के चलते लड़कियों की शिक्षा पर काफी असर पड़ रहा है.

वजीरिस्तान के जिस स्कूल को बम से उड़ाया गया उसका नाम सोफिया नूर स्कूल है, कुछ हफ्ते पहले ही लड़कियों की शिक्षा के लिए वाना वेलफेयर एसोसिएशन की मदद से यह स्कूल स्थापित किया गया था. सोफिया नूर स्कूल पर हुए इस हमले के 8 दिन पहले ही 9 मई को उत्तरी वजीरिस्तान के शेवा शहर में इस्लामिया गर्ल्स स्कूल पर

बमबारी की गई थी. हालांकि, बम हमले में किसी की जान नहीं गई, लेकिन लड़कियों की पढ़ाई पर असर हुआ.

कब हुआ विस्फोट

स्कूल पर हुए हमले से लोगों के बीच दशहत फैल गई, वहां के लोग सालों से लगभग दैनिक आधार पर स्कूलों पर हमले देख रहे हैं. स्कूल के कुछ ब्लॉक में निर्माण चल रहा था. रिपोर्ट्स के मुताबिक, तड़के करीब 3 बजे स्कूल में विस्फोट हुआ, जिससे इमारत का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, लेकिन किसी के हताहत होने की खबर नहीं है. लेकिन लड़कियों की पढ़ाई को कितना नुकसान पहुंचा, उनको वापस स्कूल पहुंचने में कितना समय लगेगा इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है.

स्कूल प्रशासन ने क्या कहा

कुछ सोशल मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया कि स्कूल प्रशासन को रंगदारी के लिए पत्र मिले थे. हालांकि स्थानीय लोगों ने इससे साफ इनकार किया है. वाना वेलफेयर एसोसिएशन के प्रवक्ता ने कहा, स्कूल पर हमला करने वाले लोग वजीरिस्तान के लोगों को शिक्षा और विकास से दूर रखना चाहते हैं. हालांकि, इससे हम हतोत्साहित नहीं होंगे और हम नई पीढ़ी को तालीम देने जारी रखेंगे. प्रवक्ता ने कहा कि उनके संगठन को लगभग एक महीने पहले÷ एक आतंकवादी समूह से एक पत्र मिला था जिसमें उनसे पैसों की मांग की गई थी. प्रवक्ता ने बताया कि कुछ दिनों बाद, हमारे कार्यालय में एक और पत्र भेजा गया, जिसमें 10 मिलियन रुपये की मांग की गई.

इस हमले का अफगानिस्तान से कनेक्शन हो सकता है इस तरफ इशारा करते हुए एक सदस्य ने कहा कि हमें अफगान नंबरों से धमकी भरे कॉल आने लगे, जिसमें जबरन वसूली की मांग की गई. सदस्य ने यह भी आरोप लगाया कि स्कूल प्रशासन को बताया गया था कि स्थानीय तालिबान गुटों से मांगें आ रही थीं. उन्होंने कहा, ÷हमने स्थानीय स्तर पर इन आतंकवादी समूहों तक पहुंचने की कई कोशिश की लेकिन असफल रहे. इन हमलों पर जिला सरकार के एक अधिकारी ने बताया कि तालिबान गुट इलाके में स्थानीय व्यापारियों से जबरन वसूली कर रहे हैं. उन्होंने कहा, जो लोग भुगतान करने से इनकार करते हैं उन्हें निशाना बनाया जाता है, उनके घरों को क्षतिग्रस्त कर दिया जाता है या मार डाला जाता है. उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में कई व्यापारियों का अपहरण और हत्या कर दी गई है।

ओहियो की राजधानी कोलंबस में सुबह-सुबह गोलीबारी, 3 की मौत, 3 घायल

एजेंसी

कोलंबस। ओहियो की राजधानी कोलंबस में सुबह-सुबह हुई गोलीबारी में तीन लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए. कोलंबस पुलिस ने कहा कि गोलीबारी की सूचना शहर के उत्तर में इटालियन विलेज पड़ोस में सुबह 3 बजे से कुछ देर पहले मिली थी.

डिप्टी चीफ ग्रेगरी बोडकर ने बताया कि दो मिनट बाद पहुंचे अधिकारियों ने पाया कि छह लोगों को गोली लगी हुई थी. पुलिस ने कहा कि दो लोगों को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया और तीसरे व्यक्ति की अस्पताल में मौत हो गई. नकी पहचान 27 वर्षीय मलाची पी, 26 वर्षीय गार्सिया डिक्सन जूनियर और 18 वर्षीय डोनड्रे बुलॉक के रूप में की गई. बोडकर ने कहा कि तीन अन्य लोगों को अस्पतालों में ले जाया गया, जहां एक की हालत गंभीर थी और दो अन्य की हालत स्थिर थी. पुलिस ने कहा कि सभी के जीवित रहने की उम्मीद है. बोडकर ने कहा कि जांच में कई गवाहों से बात की जा रही है. किसी भी संदिग्ध की तुरंत पहचान नहीं की गई है. बोडकर ने कहा कि गोलीबारी का मकसद तुरंत पता नहीं चला और यह भी स्पष्ट नहीं है कि इसमें कितने लोग शामिल थे. फ्रैंकलिन काउंटी शेरिफ कार्यालय बड़े अपराध स्थल का डॉक्यूमेंटेशन करने में मदद के लिए ड्रोन का उपयोग कर रहा था, जहां पुलिस सबूत और वीडियो एकत्र कर रही थी.

राफा में इजराइल के विध्वंसक हमले जारी, अब तक 8 लाख लोग कर चुके पलायन

एजेंसी

राफा। गाजा और इजराइल के बीच शुरू हुई जंग थमने का नाम नहीं ले रही है. अब दक्षिण गाजा का शरह राफा जंग के मैदान में तब्दील हो गया है. गाजा में हमले होने के बाद दक्षिण गाजा के राफा शहर में फिलिस्तिनियों ने पनाह ली थी, लेकिन अब वो शहर भी उनके लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं रह गई है. राफा में इजराइली सेना ने बम दागे और हमला किया. जिसके बाद अब संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट सामने आई है जिसमें जानकारी दी गई कि, 8 लाख फिलिस्तिनी राफा से इजराइली हमलों के चलते पलायन करने पर मजबूर है. इजाराइल ने जानकारी दी कि इजराइल की सेना ने हमलों को लेकर कहा कि उसकी वायु सेना ने गाजा में 70 से ज्यादा ठिकानों को निशाना बनाया, साथ ही सैनिकों ने पूर्वी राफा में छापे मारे, जिसमें 50 आतंकवादी मारे गए और दर्जनों सुरंगों का पता लगाया. फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र एजेंसी यूएनआरडब्ल्यूए के प्रमुख फिलिप लाज़ारिनी ने कहा कि जब से इजराइल का राफा ऑपरेशन शुरू हुआ है, तब से बड़े पैमाने पर लोगों ने पलायन किया है. उन्होंने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट कर कहा, ÷6 मई को इजरायली बलों ने राफा ऑपरेशन शुरू किया जिसके बाद से राफा की लगभग आधी आबादी या लगभग 8 लाख लोग सड़क पर आ गए हैं और वो शहर से पलायन करने के लिए मजबूर है. हमास की सशस्त्र शाखा, एजेदीन

अल-कसम ब्रिगेड ने कहा कि हमास ने इजराइल के अश्कलोन बंदरगाह पर रॉकेटों की बौछार की और उत्तरी गाजा में जबालिया शरणार्थी शिविर में एक इजराइली कमांड सेंटर को निशाना बनाया.इजरायली सेना पिछले 10 दिनों से राफा ऑपरेशन चला रही है, जिसको इजरायली सेना ने राफा में ÷सीमित÷ ऑपरेशन कहा. इजराइल के इस ऑपरेशन के चलते फिलिस्तीनियों का पलायन शुरू हो गया है. इजरायली आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, 7 अक्टूबर को इजरायल पर हमास के हमले के बाद इजराइल और हमास के बीच यह युद्ध शुरू हुआ. जिसके चलते हजारों लोगों की अब तक मौत हो गई है. हमास के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, गाजा में लगभग 35 हजार लोग मारे गए हैं.

साथ ही मंत्रालय के एक बयान में कहा गया कि पिछले 24 घंटे में कम से कम 83 मौतें हुई. 7 अक्टूबर के हमले के दौरान इजराइल से बंधक बनाए गए 252 लोगों में से 125 अभी भी गाजा में बंद हैं, जिनमें से सेना ने बताया कि 37 की मौत हो चुकी है।

इजराइल के खिलाफ अमेरिका में फिर प्रदर्शन, फिलिस्तीन समर्थकों ने बारिश के बीच निकाली रैली

एजेंसी

वाशिंगटन। इजराइल के खिलाफ सैकड़ों फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शनकारियों ने यूएस कैपिटल के सामने रैली की. इस दौरान उन्होंने फिलिस्तीन समर्थक नारे लगाए और इजराइली और अमेरिकी सरकारों की आलोचना की. उन्होंने गाजा में युद्ध और पलायन को चिह्नित किया. बता दें कि लगभग 700,000 फ़िलिस्तीनी 1948 में राज्य के निर्माण के समय वर्तमान इज़राइल से चले गए थे.तबाही के लिए अरबी शब्द नकबा, की 76वीं वर्षगांठ पर लगभग 400 प्रदर्शनकारियों ने नेशनल मॉल पर रैली करने के लिए लगातार बारिश का सामना किया. हजारों फिलिस्तीन समर्थक विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने के लिए देश की राजधानी में इकट्ठा हुए थे.

प्रदर्शनकारियों ने फिलिस्तीनी अधिकारों के समर्थन और गाजा में इजराइली सैन्य अभियानों को तत्काल बंद करने की मांग की. इस दौरान चुराई गई जमीन पर शांति नहीं, हत्याएं बंद करो, अपराध बंद करो, फिलिस्तीन से इजराइल को बाहर करो जैसे नारे गूंज रहे थे.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया डोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के अभिनेता वापस घर लौटे

एजेंसी

नई दिल्ली। तारक मेहता का उल्टा चश्मा टीवी सिरियल के अभिनेता गुरुचरण सिंह, जो 22 अप्रैल से लापता थे, घर लौट आए हैं। पुलिस ने बताया कि लौटने पर अभिनेता ने कहा कि वह धार्मिक यात्रा पर थे। 22 अप्रैल को उसके बुजुर्ग पिता द्वारा गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराने के बाद दिल्ली पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज किया था। दक्षिण पश्चिम जिले के डीसीपी रोहित मीणा के अनुसार गुरु चरण सिंह सोढ़ी 17 मई को अपने घर लौट आए। उनके लौटने के बाद घर वालों ने पुलिस को जानकारी दी। रोहित मीणा का कहना है कि अभी उनका ऑफिसियल बयान दर्ज नहीं हुआ है, लेकिन पुलिस बयान दर्ज कर यह पता लगाएगी कि आखिर वह किन परिस्थितियों में किन वजहों से घर से गायब हुए थे।

उन्होंने कहा कि गुरु चरण सिंह सोढ़ी का कोर्ट के माध्यम से स्टेटमेंट रिकॉर्ड होगा तब जाकर साफ हो पाएगा कि यह किन कारणों से घर से दूर चले गए और फिर अचानक लौट आये। खबर यह भी आई थी कि एक्टर की शादी होने वाली थी और वह आर्थिक तंगी से भी जूझ रहे थे। पुलिस को छानबीन के दौरान उनके 10 से ज्यादा फाइनेंशियल अकाउंट मिले थे और 27 जीएमेल अकाउंट पाए गए थे। एक फुटेज भी मिला था, जिसमें वह ई-रिक्शा और फिर पैदल जाते दिखाई दिए थे।

'राजधानी में आवारा कुत्तों की समस्या बन रही है चुनावी मुद्दा'

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कई आवासीय सोसाइटी और बस्तियों में कुत्तों के काटने की बढ़ रही घटनाओं से चिंतित कुछ प्रबुद्ध नागरिकों ने चुनाव के इस माहौल में राजनीतिक दलों का ध्यान आवारा कुत्तों की समस्या की ओर आकृष्ट किया है। दिल्ली में बसन्त कुंज गंगा, यमुना, नर्मदा और सरस्वती आवास की रेजीडेंट वेल्फेयर एसोसिएशन के पदाधिकारियों और लगभग 500 स्थानीय रेजीडेंट ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा को एक पत्र भेजकर कहा है, पार्किंग स्थल, पार्क, सीढियां और टेरेस सभी जगह पर मौजूद आवारा कुत्तों के काटने की घटनायें लगातार बढ़ रही हैं, जिसके कारण समाज में भय का माहौल है। बुजुर्ग और बच्चे बाहर जाने से कतराते हैं। पत्र लिखने वालों ने कहा है, हम उसी पार्टी का समर्थन करेंगे, जो उन्हें आवारा कुत्तों से निजात दिलाने का वादा करेगी।

लोकतंत्र की बातें करने वाले मोदी खुद लोकतांत्रिक तरीके से नहीं चलतेः खडगे

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला करते हुए कहा है कि वह लोकतंत्र की बातें करते हैं लेकिन लोकतांत्रिक मूल्यों का कभी खुद पालन नहीं करते हैं। श्री खडगे ने कहा कि श्री मोदी तोड़फोड़ की राजनीति पर विश्वास करते हैं। पूरे देश में इसके अनेक उदाहरण मौजूद है जहां उन्होंने इस नीति का सहारा लिया है और खुद लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर करने का काम किया है। उन्होंने कहा 'नरेंद्र मोदी सिर्फ लोकतंत्र की बातें करते हैं, लेकिन कभी लोकतंत्र के हिसाब से नहीं चलते। महाराष्ट्र की सरकार धोखा और विश्वासघात के आधार पर बनाई गई है, जिसका समर्थन खुद श्री मोदी कर रहे हैं। वह जहां भी जाते हैं लोगों को भड़काने का काम करते हैं। मेरे आज तक के राजनीतिक जीवन में मैंने ऐसा नहीं देखा।' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा 'भाजपा सरकार द्वारा एजेंसियों का गलत इस्तेमाल कर विपक्षी दलों को डराया और उन्हें तोड़ा जा रहा है। असली दलों से उनका पार्टी चिन्ह छीनकर भाजपा को समर्थन करने वाली पार्टियों को सौंप दिया गया है।' उन्होंने कहा 'नरेंद्र मोदी की 'तोड़-फोड़' नीति का महाराष्ट्र एक अकेला उदाहरण नहीं हैं। प्रधानमंत्री की तोड़-फोड़ नीति का वार इससे पहले कर्नाटक, मणिपुर, गोवा, मध्य प्रदेश में देखा जा चुका है। उनकी इस नीति के खिलाफ हम सभी साथ मिलकर लड़ रहे हैं।'

चाकू घोंपकर युवक की हत्या

नई दिल्ली। सीलमपुर इलाके में रात एक युवक की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान मोहम्मद इकबाल (20) के रूप में हुई है। वारदात के समय इकबाल होटल से खाना लेकर अपनी फैक्टरी में वापस लौट रहा था। इस बीच रास्ते में तीन लड़कों ने उसे घेरकर चाकू से हमला कर दिया।

वारदात के बाद हमलावर मौके से फरार हो गए। राहगीरों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। बाद में वह घायल इकबाल को जग प्रवेश चंद अस्पताल ले गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। इकबाल की मौत की सूचना मिलते ही अस्पताल में लोगों की भीड़ जुट गई और पुलिस के खिलाफ नारेबाजी शुरू हो गई। खबर मिलते ही जिला के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने उनको समझाने का प्रयास किया, लेकिन बात बनती न बनकर उनको अस्पताल से खदेड़ दिया गया। पुलिस ने शनिवार को जीटीबी अस्पताल में पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार के हवाले कर दिया है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से किशनगंज बिहार का रहने वाला इकबाल गली नंबर-10, गौतमपुरी में सिलाई की एक फैक्टरी में काम करता था। दो माह पूर्व ही वह काम के लिए दिल्ली आया था। इसके परिवार में पिता मो. सुलेमान, मां आरिफा बेगम, एक बड़ा भाई व बहन हैं। इकबाल का परिवार बिहार स्थित गांव में रहता था। रात करीब 9.30 बजे वह फैक्टरी से खाना लेने पास के ढाबे पर निकला था। इस बीच वह खाना लेकर गली नंबर-5 से होता फैक्टरी लौट रहा था। रास्ते में आरोपियों ने उसे घेर लिया।

मुख्यमंत्री आवास का सीसीटीवी फुटेज ग़ायब, वीडियो डिलीट : मालीवाल

एजेंसी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि सच को छुपाने के लिए मुख्यमंत्री आवास में उनके साथ मारपीट के वीडियो को डिलीट कर दिया गया और सीसीटीवी फुटेज को ग़ायब कर दिया गया। सुश्री मालीवाल ने आज देर रात एक्स पर कहा, पहले मुझे बेरहमी से बिभव ने पीटा। थप्पड़ और लातें मारीं। जब मैंने खुद को छुड़ा के 112 कॉल की, तो बाहर जाकर सुरक्षा कर्मियों को बुलाकर वीडियो बनाने लगा। मैं सिक्योरिटी को चीख -चीख के बता रही थी कि मुझे बहुत बेरहमी से बिभव ने पीटा है। वो पूरा लंबा हिस्सा वीडियो का एडिट कर दिया गया। उन्होंने कहा, सिर्फ़ 50 सेकंड के वीडियो रिलीज़ किए गये, जब मैं सुरक्षा कर्मी को समझा समझा के खीज चुकी थी। अब फ़ोन फॉर्मेट करके पूरी वीडियो डिलीट कर दी,

सीसीटीवी फुटेज भी ग़ायब! साज़िश की भी हद्द है! उल्लेखनीय है कि सुश्री मालीवाल के साथ हुई मारपीट की घटना के बाद पुलिस ने आज मुख्यमंत्री के निजी सहायक बिभव को गिरफ़्तार कर लिया है। बिभव की गिरफ़्तारी के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली के कामों को रोकने और उनकी पार्टी को कुचलने के लिए एक- एक करके सभी नेताओं को जेल में भेजा जा रहा है।

चिनूक हेलीकॉप्टर का मॉडल गायब होने की खबर गलत: रक्षा मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने वायु सेना के बहुउद्देशीय हेलीकॉप्टर चिनूक के मॉडल के लखनऊ में गायब होने की खबरों का खंडन किया है। रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर मीडिया में इस संबंध में आई खबर को भ्रामक बताते हुए इसका खंडन किया।

उन्होंने कहा कि लखनऊ में 2020 में आयोजित रक्षा प्रदर्शनी से चिनूक हेलीकॉप्टर के मॉडल के गायब होने की खबर भ्रामक है। अमेरिकी कंपनी चिनूक हेलीकॉप्टर बनाती है और रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने लखनऊ में कभी भी इस हेलीकॉप्टर का मॉडल न तो प्रदर्शनी में लगाया और न ही इसका प्रदर्शन किया गया।

प्रवक्ता ने कहा कि रक्षा प्रदर्शनी 2020 में इस तरह की कोई घटना नहीं हुई और इस प्रदर्शनी के दौरान कोई भी उत्पाद या मॉडल गायब नहीं हुआ। उल्लेखनीय है कि मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि प्रदर्शनी के दौरान डीआरडीओ ने चिनूक हेलीकॉप्टर का जो मॉडल वहां लगाया था वह गायब हो गया।

भारत ने वायु सेना के लिए अमेरिका से चिनूक हेलीकॉप्टर खरीदे हुए हैं जो भारी भरकम हथियारों और साजो सामान को कहीं भी ले जाने में सक्षम हैं।

मोदी मेरे सवालों से डरते हैं इसलिए बहस नहीं करते : राहुल

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा कि श्री मोदी उनके सवालों से डरते हैं इसलिए उनसे बहस करने के लिए तैयार नहीं है। श्री गांधी ने यहां चांदनी चौक से पार्टी के उम्मीदवार जे पी अग्रवाल के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा,÷कुछ बड़े पत्रकारों ने मुझे और नरेंद्र मोदी जी को चिट्ठी लिखी और कहा कि लोकतंत्र में एक डिबेट होनी चाहिए। उन्होंने श्री मोदी से कहा कि आपको राहुल गांधी से डिबेट करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि वह श्री मोदी से बहस के लिए कभी भी और कहीं भी तैयार हैं लेकिन वह जानते हैं कि उनके तीखे सवालों को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री बहस के लिए तैयार नहीं होंगे। श्री गांधी ने कहा, मैं श्री मोदी से डिबेट के लिए किसी भी वक्त तैयार हूं लेकिन श्री नरेंद्र मोदी

मुझसे डिबेट नहीं करेंगे। क्योंकि अगर वे डिबेट करने आए, तो मैं उनसे पूछूंगा आपका अडानी से क्या रिश्ता है। आप इलेक्टोरल बॉन्ड के नाम पर 'चंदे का धंधा' क्यों चला रहे हैं। आप किसानों के खिलाफ काले कानून क्यों लेकर लाए। कोरोना में जब लोग मर रहे थे, आपने थाली बजाने के लिए क्यों कहा। आपने शी जिनपिंग को झूले पर झुलाया तो उसकी सेना ने हिंदुस्तान की जमीन पर कब्जा कैसे कर लिया। आप अग्निवीर योजना क्यों लेकर आए। उन्होंने मीडिया पर भी हमला किया और कहा कि वह चांदनी चौक के आम लोगों की बात पर चर्चा नहीं करते हैं और ना ही उस पर खबर बनाते हैं। उन्होंने कहा, मीडिया के साथियों, आप किसानों, छोटे व्यापारियों, युवाओं, मजदूरों के मित्र नहीं हैं। आप सिर्फ अडानी-अंबानी जैसे 2-3 अरबपतियों के मित्र हैं।लेकिन मुझे विश्वास है, आप वोट इंडिया गठबंधन को ही देंगे।

श्री गांधी ने प्रधानमंत्री पर संविधान और लोकतंत्र को खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य इस संविधान की रक्षा करना है, क्योंकि यही आपका भविष्य है। अगर संविधान खत्म हो गया तो देश के गरीबों, मजदूरों, दलितों से उनका अधिकार छिन जाएगा।

ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को रौंदा, मौत

एजेंसी

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली में तेज रफ्तार ट्रक ने दो युवकों की जान ले ली। यह हादसा दरमियानी रात जमुना बाजार के लोहे वाला पुल के पास हुआ। दोनों युवक बाइक पर सवार थे और हरिद्वार से अपने घर महरौली की तरफ लौट रहे थे। इस दौरान तेज रफ्तार बेकाबू ट्रक ने दोनों बाइक सवार को रौंद दिया। दोनों की मौके पर मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार एक्सीडेंट के बाद ट्रक ड्राइवर मौके से जब भाग रहा था। तो एक ऑटो वाले ने हिम्मत दिखाई और ट्रक के आगे उसने अपनी ऑटो को खड़ा कर दिया और शोर मचा दिया। जिसकी वजह से ट्रक ड्राइवर मौके से भाग नहीं सका। इस मामले में कश्मीरी गेट थाना पुलिस टीम छानबीन कर रही है। दोनों मृतक जो प्रसाद हरिद्वार से लेकर आ रहे थे, वह भी सड़क पर बिखर गया। शरीर के कई पार्ट वहां पर बिखर गया। जिसने भी देखा वह मौके की हालत देखकर सकते में आ गया। पुलिस के मुताबिक दोनों शवों को पोस्टमार्टम करने के लिए नजदीकी अस्पताल में भेजा गया है। मृतक की पहचान पीयूष और अंकुर के रूप में हुई है। दोनों दोस्तों घर लौट रहे थे। पीयूष और अंकुर एक ही बाइक पर थे, जबकि उसके दो दोस्त दूसरी बाइक पर थे। निगम बोध घाट की तरफ से आने वाले रास्ते पर ट्रक ने पीयूष की बाइक को पीछे से टक्कर मार दिया। बाइक बुरी तरह ट्रक के अगले हिस्से में आकर फंस गई थी। पीयूष के दोस्त ने मौके पर बताया कि हरिद्वार से घर लौटते समय दिल्ली में एंट्री करते वक्त वे रास्ता भूल गए थे।

जिस जगह पर हादसा हुआ वहां से आगे जाकर यू टर्न लेकर वापस महरौली की तरफ जाने वाले थे। चारों दो बाइक पर अपनी तरफ से ही जा रहे थे लेकिन ट्रक ने पीयूष की बाइक को पीछे से टक्कर मारकर कुचल दिया। इससे दोनों की मौत हो गई। बाइक पीयूष चला रहा था और अंकुर पीछे बैठा था।

पांचवें चरण का चुनाव प्रचार समाप्त, सोमवार को 8 राज्यों की 49 सीटों पर होगा मतदान

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण में आठ राज्यों की 49 लोकसभा सीटों पर 20 मई को मतदान होगा। आज इस चरण का चुनाव प्रचार समाप्त हो गया। इस चरण में 695 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। मतदान सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक चलेगा। इस चरण में बिहार की 5, जम्मू एवं कश्मीर की 1, झारखंड की 3, लद्दाख की 1, महाराष्ट्र की 13, ओडिशा की 5, उत्तर प्रदेश की 14 और पश्चिम बंगाल की 7 सीटों पर मतदान होगा। इसके साथ ओडिशा के विधानसभा सीटों पर भी मतदान होगा। इस चरण में बिहार की सीतामढ़ी, मधुबनी, मुजफ्फरपुर, सारण और हाजीपुर। झारखंड की चतरा, कोडरमा और हज़ारीबाग। महाराष्ट्र की धुले, डिंडोरी, नासिक, पालघर, भिवंडी, कल्याण, ठाणे, मुंबई उत्तर, मुंबई उत्तर-पश्चिम, मुंबई उत्तर - पूर्व, मुंबई उत्तर-मध्य, मुंबई दक्षिण-मध्य और मुंबई दक्षिण। ओडिशा की बरगढ़, सुंदरगढ़, बोलांगीर, कंधमाल और अस्का। उत्तर प्रदेश की मोहनलालगंज, लखनऊ, रायबरेली, अमेठी, जालौन, झाँसी, हमीरपुर, बांदा, फ़तेहपुर, कौशांबी, बाराबंकी, फैजाबाद, कैसरगंज और गोंडा। पश्चिम बंगाल की बनगांव, बैरकपुर, हावड़ा, उलुबेरिया, श्रीरामपुर, हुगली और आरामबाग। जम्मू और कश्मीर की बारामूला तथा लद्दाख की लद्दाख सीट पर मतदान होगा। इस चरण में उत्तर प्रदेश की रायबरेली और अमेठी सीट पर मतदान होगा। गांधी परिवार का गढ़ माने जाने वाली इन सीटों पर कांग्रेस इंडी गठबंधन के तहत अपने प्रत्याशी उतारे हैं। रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से स्मृति ईरानी चुनाव मैदान में हैं। लखनऊ सीट से रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह उम्मीदवार हैं। कैसरगंज सीट से भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करण उम्मीदवार हैं। महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी का एनडीए गठबंधन से मुकाबला है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मुंबई उत्तर, अधिवक्ता उज्ज्वल निकम मुंबई उत्तर-मध्य से भाजपा उम्मीदवार है और यहां उनका मुकाबला धारावी से चार बार की विधायक कांग्रेस की वर्षा गायकवाड़ से है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे का मुकाबला शिवसेना के उद्धव ठाकरे गुट की उम्मीदवार वैशाली दरेकर राणे से कल्याण सीट पर है। राजद नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य सारण से उम्मीदवार हैं। हाजीपुर से चिराग पासवान उम्मीदवार हैं। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला बारामूला से चुनाव मैदान में हैं। लोकसभा चुनाव 2024 में अब तक मतदान केंद्रों पर लगभग 66.95 प्रतिशत मतदान हुआ है। आम चुनावों के पहले चार चरणों के दौरान लगभग 45.1 लोगों ने मतदान किया है। पिछले यानी चौथे चरण में 96 लोकसभा सीटों में 69.16 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। सोमवार के मतदान के बाद दो चरणों (25 मई और 01 जून) रह जाएगा। चार जून सभी चरणों के लिए मतगणना होगी।

कन्हैया पर हमला भाजपा की हताशा का परिणाम: कांग्रेस

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पार्टी के उत्तर पूर्व दिल्ली की लोकसभा प्रत्याशी कन्हैया कुमार पर हुए हमले की निंदा करते हुए इसे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की कायरतापूर्ण हरकत तथा चुनाव में अवश्यम्भावी हार की हताशा करार दिया और कहा कि देश की सबसे पुरानी पार्टी इस तरह की हरकतों का कोई असर होने वाला नहीं है।

कांग्रेस महासचिव संगठन के सी वेणुगोपाल ने उत्तर पूर्वी दिल्ली से पार्टी उम्मीदवार कन्हैया कुमार पर शुक्रवार को चुनाव प्रचार के दौरान हुए इस हमले को भाजपा का पुराना रवैया बताया और कहा कि हार सामने देखते हुए उसने गुंडों का सहारा लेकर विपक्षी दलों के उम्मीदवार को डराने धमकाने का खेल खेला है लेकिन कांग्रेस का बब्बर शेर कन्हैया इससे डरने वाला नहीं है। इंडिया गठबंधन कन्हैया के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा अपनी ऐतिहासिक हार सामने देख घबराई भाजपा एक बार फिर गुंडागर्दी और हिंसा के अपने पुराने और सामान्य रवैये का सहारा ले रही है। हमारे उत्तर पूर्वी दिल्ली के उम्मीदवार

कन्हैया कुमार पर भाजपा के गुंडों द्वारा किया गया कायरतापूर्ण हमला बेहद निंदनीय है और उनकी हताशा को दर्शाता है। उन्होंने कहा उन्हें पता होना चाहिए कि कन्हैया कांग्रेस के बब्बर शेर हैं और ऐसी घटिया हरकतों से वह घबराने वाले नहीं हैं। फासीवादी और आपराधिक शासन की इस गंदी रणनीति के खिलाफ इंडिया गठबंधन के सभी कार्यकर्ता उनके साथ खड़े हैं।

चुनाव के समय 8,889 करोड़ की सामग्री जब्त : चुनाव आयोग

एजेंसी

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने कहा कि मौजूदा लोकसभा चुनावों के दौरान 8,889 करोड़ रुपये की सामग्री जब्त की जा चुकी है। कुल बरामदगी में सबसे बड़ा हिस्सा 45 प्रतिशत नशीली दवाओं (ड्रग्स) का है। आयोग ने एक विज्ञप्ति में कहा कि चुनाव के समय जब्ती का आंकड़ा जल्द ही 9,000 करोड़ रुपये को पार कर जाएगा। मौजूदा चुनावों में धनबल और प्रलोभनों पर चुनाव आयोग के दृढ़ और ठोस हमले के परिणामस्वरूप एजेंसियों ने 8,889 करोड़ रुपये की जब्ती की है। कुल बरामदगी में सबसे बड़ा हिस्सा 45 प्रतिशत नशीली दवाओं का है जो 3,958 करोड़ रुपये है। आयोग ने कहा कि ड्रग्स और मनोदैहिक पदार्थों सहित प्रलोभनों के खिलाफ निगरानी बढ़ी दी गई है। इसके परिणामस्वरूप बड़ी जब्ती कार्रवाई हुई हैं। इसमें ड्रग्स की बरामदगी सबसे ज्यादा हुई है। ड्रग्स, शराब, कीमती धातुओं, मुफ्त वस्तुओं, नकदी की जब्ती अलग-अलग स्तर पर चुनावों को प्रभावित करती है, कुछ सीधे तौर पर प्रलोभन के रूप में प्रवाहित होती हैं जबकि अन्य धन के प्रचलन के कम स्तर के माध्यम से होती हैं। इस प्रकार यह अवैध गतिविधियों की आय को राजनीतिक अभियानों से जोड़ने पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।

चुनाव आयोग ने नशीले पदार्थों और मनोदैहिक पदार्थों की जब्ती पर विशेष जोर दिया है। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चला कि जो राज्य और केंद्रशासित प्रदेश पारगमन क्षेत्र हुआ करते थे, वे तेजी से उपभोग क्षेत्र बन रहे हैं। मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार ने एक समीक्षा दौरे के दौरान नोडल एजेंसियों को संबोधित करते हुए कहा था, चुनावों में नशीली दवाओं के व्यापार के गंदे पैसे की भूमिका को जड़ से खत्म करने के लिए दवाओं और नशीले पदार्थों के खिलाफ एजेंसियों द्वारा सटीक खुफिया-आधारित सहयोगात्मक प्रयास समय की जरूरत है। युवाओं और इस प्रकार देश के भविष्य को बचाने के लिए यह महत्वपूर्ण और समग्र है। आयोग ने कहा कि नशीली दवाओं की जब्ती का योगदान 3,958 करोड़ रुपये है जो कुल जब्ती का 45 प्रतिशत है। सीईसी राजीव कुमार के नेतृत्व में आयोग ने ईसी ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू के साथ एनसीबी के समर्पित नोडल अधिकारियों द्वारा कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए विश्लेषण-आधारित सक्रिय कार्रवाई करने के लिए डीजी, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के साथ बैठकें कीं। इसी प्रकार मौजूदा चुनावों के दौरान डीआरआई, भारतीय तटरक्षक बल, राज्य पुलिस और अन्य एजेंसियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। इन सभी उपायों के कारण चुनावों की घोषणा के बाद दो महीनों में महत्वपूर्ण बरामदगी हुई है। आयोग ने कहा कि पिछले तीन चरणों में प्रचार की बढ़ती तीव्रता के साथ ईसीआई मतदाताओं को प्रलोभन के माध्यम से प्रभावित करने के प्रयासों पर कड़ी नजर रख रहा है और सीईओ एवं प्रवर्तन एजेंसियों को निगरानी बढ़ाने का निर्देश दिया है। आयोग द्वारा नशीली दवाओं और अन्य प्रलोभनों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। गुजरात एटीएस, एनसीबी और भारतीय तट रक्षक ने संयुक्त अभियान में केवल तीन दिनों में 892 करोड़ रुपये की तीन उच्च मूल्य वाली दवाओं को जब्त किया है।

पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट पर उम्मीदवारों ने झोंकी ताकत, सियासी पारा हाई

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की सातों सीटों में से सबसे बड़ी पश्चिमी दिल्ली लोकसभा क्षेत्र में चिलचिलाती गर्मी के साथ सियासी पारा भी हाई रहा। भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी कमलजीत सहरावत भी देर शाम तक जनसभाएं करती रहीं। कुतुब विहार के समता एंक्लेव में आयोजित जनसभा में उनका स्वागत फूलों की बारिश और आतिशबाजी के साथ किया। सभी का आभार व्यक्त करते हुए कमलजीत ने लोगों से वोट देने की अपील की। इस मौके पर कवियत्री अनामिका अंबर और भोजपुरी गायक नीलकमल ने समां बांधा। इस मौके पर अपने संबोधन में कमलजीत सहरावत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए लोगों का समर्थन जरुरी है। हर वर्ग के लोगों बड़ी संख्या में आकर भाजपा को वोट दें ताकि देश को मजबूती से आगे बढ़ाया जा सकें। उन्होंने कहा कि वे हमेशा से लोगों की सेवा करती आई हैं और अगर वे चुनाव जीतती हैं तो सभी की उम्मीदों पर खरा उतरेंगी। वहीं, आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी महाबल मिश्रा के साथ मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने छह जनसभाएं की। सभी सभाओं में

केजरीवाल ने पूछा कि क्या जनता उनको प्यार करती है या नहीं? जनता के चुने हुए मुख्यमंत्री के साथ जो मौजूदा सरकार का रवैया है क्या वो संवैधानिक है या नहीं? केजरीवाल का कहना है कि महाबल मिश्रा सभी के सुख दुख के साथी रहे हैं और इन्होंने अपने सांसद कार्यकाल में बहुत काम किए हैं और आगे भी करेंगे। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में 25 मई को मतदान होने हैं। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट 2008 में परिसीमन के बाद अस्तित्व में आई। इस संसदीय क्षेत्र में मादीपुर, राजौरी गार्डन, तिलक नगर, जनकपुरी, उत्तम नगर, द्वारका और नजफगढ़ समेत 10 विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। पहली बार इस सीट पर 2009 में चुनाव हुए। 2009 में इस सीट पर कांग्रेस के टिकट पर महाबल मिश्रा ने जीत हासिल की। एक बार फिर इस सीट पर आम आदमी पार्टी से महाबल मिश्रा मैदान में हैं।

इस सीट पर पूर्वांचली वोटर्स की अच्छी खासी संख्या है। साल 2020 में इस लोकसभा क्षेत्र की सभी 10 विधानसभा पर आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की थी।

मुख्यमंत्री के आवास पर 40 मिनट का हुआ सीन रीक्रिएट

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के साथ मारपीट के मामले में देर शाम पुलिस की टीम स्वाति मालीवाल को लेकर मुख्यमंत्री आवास पर पहुंची। करीब 40 मिनट तक पुलिस टीम अंदर रही और 13 मई की घटना को रीक्रिएट किया गया। एंट्री गेट से लेकर एग्जिट तक की जांच की गई। उस दिन क्या हुआ था, इसके बारे में स्वाति मालीवाल से वहीं पर पूछताछ की गई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, इस दौरान सोफे पर कौन बैठा था, कौन कितनी दूर पर था। विभव कुमार कहां पर था उस दौरान कौन-कौन से सिक्योरिटी के ऑफिसर मौजूद थे। इन तमाम सवालों को मौके पर ही जानने की कोशिश की गई। शाम 7:05 पर पुलिस टीम जांच करके वापस सीएम हाउस से लौटी। इस दौरान सिविल लाइन थाना के अलावा उत्तरी जिले की एडिशनल डीसीपी भी मौजूद रही। पुलिस सूत्रों के अनुसार, स्वाति मालीवाल अपने एक सहयोगी के साथ वहां पर पहुंची थी और वह लंगड़ा कर चल रही थी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज को भी चेक किया है और कुछ फुटेज भी लिया है।

उत्तर भारत में लू का प्रकोप जारी , गर्मी से लोगों को नहीं मिल रही राहत

एजेंसी

नई दिल्ली। पूरे उत्तर भारत में भीषण गर्मी और लू ने ना केवल लोगों को बेहाल कर दिया है बल्कि लू के थपेड़ों ने जन-जीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने अगले पांच दिन तक दिल्ली समेत नौ राज्यों में लू का 'अलर्ट' जारी किया है। इनमें राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, गुजरात, बिहार और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। इस बीच मौसम विभाग (आईएमडी) ने दोपहर को न्यूज बुलेटिन जारी किया। आईएमडी के मुताबिक अगले पांच दिनों के दौरान उत्तर-पश्चिम भारत के मैदानी इलाकों में लू का प्रकोप बना रहेगा।

अगले तीन दिनों के दौरान पूर्वी-मध्य भारत में लू की स्थिति जारी रह सकती है। दक्षिण भारत में 23 मई तक भारी वर्षा जारी रहने की संभावना है। साथ ही 19-21 मई के दौरान तेज बारिश होने की उम्मीद भी जताई है। इस बीच राहत की बात यह है कि मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि दक्षिण-पश्चिम मॉनसून 19 मई के आसपास दक्षिण अंडमान सागर, दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों और निकोबार द्वीप समूह में आगे बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली, पश्चिम उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, बिहार और गुजरात में के कुछ हिस्सों में भीषण लू चलने की संभावना जताई है। विभाग ने ओडिशा के अलग-अलग इलाकों में भी लू चलने की संभावना जताई है। उक्त राज्यों के कई शहरों में तापमान 43 से 46 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया। सबसे ज्यादा उत्तर प्रदेश के आगरा में पारा 46.9 डिग्री पहुंचा। इसके अलावा ओडिशा, झारखंड, गोवा, असम और त्रिपुरा में आज उमसभरी गर्मी का अनुमान जारी किया गया है। उधर, दक्षिण भारत के राज्यों में तेज बारिश का 'अलर्ट' जारी किया गया है।

आम आदमी पार्टी में महिलाओं के प्रति सम्मान नहीं : कंवर पाल

एजेंसी

यमुनानगर। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल मामले में हरियाणा के कृषि मंत्री कँवर पाल गुर्जर ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल के आवास पर महिला सांसद के साथ बर्बरतापूर्ण पिटाई और उनका अपमान करना बड़ा ही निंदनीय है। इसकी जांच होनी चाहिए। शनिवार सुबह जगाधरी में अपने आवास पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कृषि मंत्री कंवरपाल गुर्जर ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल अपने निजी सचिव पर कार्रवाई की बजाय उन्हें अपने साथ लेकर घूम रहे है। उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के बड़े नेताओं को इस पर कोई अफसोस नही है। उन्होंने कहा कि आआपा में महिलाओं के प्रति कोई सम्मान और कोई प्रतिष्ठा नही है, वहीं भाजपा राज में महिलाएं जितनी सुरक्षित है इतनी कही भी नही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसे अभियान से सबको जागरूक किया। महिलाओं का सम्मान बढ़ाया और हर क्षेत्र में महिलाओं को भागीदारी दी है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल इस मामले की ईमानदारी से जांच कराएं।

फ्लाइंग स्क्वायड, स्टेटिक सर्विलांस, वीडियो सर्विलांस वीडियो व्यूविंग टीमों की विशेष नजर

हिसार। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से नकदी ले जाकर उसका प्रयोग चुनाव में मतदाताओं अथवा किसी अन्य व्यक्ति को रिश्वत या प्रलोभन के उद्देश्य से करता है तो इस धनराशि को संबंधित प्रत्याशी के चुनावी खर्च के खाते में जोडऩे के साथ-साथ उस पर आपराधिक मुकदमा भी दर्ज करवाया जाएगा। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया ने दी। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रदीप दहिया ने सहायक खर्च पर्यवेक्षक, फ्लाइंग स्क्वायड टीमों, स्टेटिक सर्विलांस टीमों, वीडियो सर्विलांस टीमों, वीडियो व्यूविंग टीमों, अकाउंटिंग टीमों, एमसीएमसी तथा एक्सपेंडिचर मोनिटरिंग सैल के अधिकारियों-कर्मचारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी अधिकारी आदर्श आचार संहिता की पालना करवाना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान होने वाली प्रत्येक मीटिंग, रैली व जनसभा की वीडियोग्राफी वीडियो सर्विलांस टीमों के माध्यम से करवाई जा रही है। इन टीमों द्वारा भाषण भी रिकॉर्ड करवाए जा रहे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कहीं संबोधन में आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन तो नहीं किया गया। वीएसटी द्वारा उपलब्ध करवाई गई वीडियो व विवरण के आधार पर वीडियो व्यूविंग टीम संबंधित कार्यक्रम के खर्च का आकलन करेगी और इसकी रिपोर्ट तैयार करके अकाउंटिंग टीम को देगी।

सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर, निगरानी शुरू

हिसार। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष करवाने के लिए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पुलिस हर हाल में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने को प्रयासरत है। इसके तहत पुलिस ने इंटरनेट मीडिया की भी निगरानी शुरू कर दी है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने दी। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप आदि सोशल मीडिया निशाने पर हैं। करीब 100 से अधिक ग्रुपों की पुलिस निगरानी कर रही है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि पुलिस की सोशल मीडिया सेल को चुनाव के लिए सक्रिय कर दिया गया है। इसके तहत 24 घंटे वॉट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया के ग्रुपों पर नजर रखी जा रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान अगर किसी ने सोशल मीडिया पर चुनाव को प्रभावित और किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट की तो वह बच नहीं पायेगा। पुलिस की प्रचार के तौर-तरीकों के साथ आपत्तिजनक और भ्रामक मैसेज पर भी नजर रहेगी। चुनाव के वक्त सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म की निगरानी का खाका तैयार हुआ है। इस दौरान फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। जिससे बाकी पोस्ट के अलावा चुनाव में उतरे उम्मीदवार, उनके समर्थक या पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों के पोस्ट, कमेंट्स और फोटो पर नजर रखी जा सके।

टैंकर तथा ट्रक के बीच हुई भिडंत में चालक की मौत, क्लीनर गंभीर रूप से घायल

जींद। नेशनल हाईवे 152डी पर जुलाना के निकट टैंकर तथा ट्रक के बीच टक्कर हो गई। जिसमें चालक की मौत हो गई। क्लीनर घायल हो गया। जुलाना थाना पुलिस ने घायल क्लीनर की शिकायत पर फरार टैंकर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। जुलाना के निकट नेशनल हाइवे 152डी पर टैंकर चालक द्वारा ब्रेक लगाए जाने से पीछे से आ रहा ट्रक उससे टकरा गया। जिसमें ट्रक चालक हीरा नगर हिमाचल प्रदेश निवासी कुलवत तथा उसका ताऊ का बेटा क्लीनर अमरीक सिंह गभीर रूप से घायल हो गए। घटना को अंजाम देकर टैंकर चालक मौके से फरार हो गया। कुलवंत की गंभीर हालात देख उसे पीजाआई रोहतक ले जाया गया। जहां पर उपचार के दौरान कुलवंत की मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर जुलाना थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालातों का जायजा लिया। घायल क्लीनर अमरीक सिंह ने पुलिस को बताया कि वे ट्रक में मुंबई से सामान लोड कर बद्दी हिमाचल के लिए रवाना हुए थे।

सीजेएम गायत्री ने किया सेफ हाउस व वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण

एजेंसी

फतेहाबाद। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं जिला व सत्र न्यायाधीश डीआर चालिया के निर्देशानुसार प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने सेफ हाउस व सखी-वन स्टॉप सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने सेफ हाउस में रह रहे प्रेमी जोड़ों से उनको वहां पर आने वाली कठिनाइयों के बारे में पूछताछ की व उन को दी जाने वाली सुविधाओं का अवलोकन किया। मौजूदा समय में सेफ हाउस में दो जोड़े सुरक्षा लिए हुए हैं व वहां उनके रहने के लिए तीन कमरे उपलब्ध हैं। वन स्टॉप सेंटर-सखी का निरीक्षण करते हुए मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी गायत्री ने केंद्र में उपलब्ध रिकॉर्ड को जांचा। उन्होंने वहां उपलब्ध विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को दिशा निर्देश दिए। सीजेएम ने कहा

कि पीड़ित महिलाओं व बच्चों को न्याय देने में संबंधित विभाग के अधिकारी तत्परता से कार्य करते हुए नियमानुसार उचित कानूनी कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। वन स्टॉप सेंटर में कानूनी सहायता व मानसिक सहायता के लिए काउंसलिंग, चिकित्सा सहायता ,घरेलू हिंसा से पीड़ित महिलाओं की सहायता, 5 दिन का स्थाई आश्रय देने सहित उनकी समस्याओं का समाधान किया जाता है।

रिटर्निंग अधिकारी ने किया स्ट्रांग रूम व मतगणना स्थल का निरीक्षण

एजेंसी

फतेहाबाद। सिरसा लोकसभा क्षेत्र के रिटर्निंग अधिकारी एवं उपायुक्त आरके सिंह ने जिला की तीनों विधानसभा क्षेत्रों के लिए भोडिया खेड़ा स्थित राजकीय महिला महाविद्यालय में बनाए गए मतगणना केंद्रों व स्ट्रॉग रूम का निरीक्षण कर स्ट्रॉग रूम में सीसीटीवी कैमरे, सुरक्षा, लाइट, स्वच्छता व नियमों की पालना के बारे में समीक्षा की और तैयारियों का जायजा लिया और ईवीएम व मतदान के लिए तैयार की जा रही अन्य सामग्री का बारीकी से जानकारी ली।

आरओ सिरसा एवं उपायुक्त आरके सिंह ने निरीक्षण के दौरान ईवीएम व वीवीपैट मशीनों के बारे में विस्तार से जानकारी ली और अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि ईवीएम मशीनों को तैयार करते समय इनमें प्रयोग होने वाली बैटरी की चार्जिंग अच्छी प्रकार से चेक कर

लें। इसके अलावा मतदान प्रक्रिया में प्रयोग होने वाले सभी प्रकार के फार्मों व अन्य सामग्री को अच्छी प्रकार से जांच कर थैलों में डालें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि स्ट्रॉग रूम खोलते समय निर्धारित प्रोटोकॉल का ध्यान रखें। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि समय-समय पर स्ट्रांग रूम में लगे कैमरों का निरीक्षण भी किया जाए। इस अवसर पर उन्होंने ईवीएम व वीवीपैट स्ट्रॉग रूम पर लगी सील, कैमरे व अन्य सुरक्षा प्रबंधों का भी जायजा लिया।

जिले में 923 मतदाता करेंगे घर से मतदान, पोलिंग पार्टियां गठित

एजेंसी

हिसार। लोकसभा आम चुनाव के लिए जिले के 923 मतदाता घर से ही मतदान करेंगे। इनका मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने तमाम तैयारियां पूर्ण कर ली है। इनका मतदान करवाने के लिए जिला प्रशासन ने 20 पोलिंग पार्टियों का गठन किया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त प्रदीप दहिया ने बताया कि 85 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्ग मतदाता एवं 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांग मतदाता, जिन्होंने 12डी फॉर्म के माध्यम से अपने घर पर ही मतदान के लिए स्वीकृति दी है। उनका मतदान घर बैठे पोस्टल बैलट पेपर के माध्यम से 19 से 21 मई तक सुबह 7 बजे से सायं 6 बजे तक कराया जाएगा। मतदान अभियान के दौरान 85 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्ग तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले सभी इच्छुक मतदाताओं को घर बैठे

मतदान की सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी। इसके लिए कुल 20 पोलिंग पार्टियां गठित की गई हैं, जिनमें से तीन को रिजर्व रखा गया है। पोलिंग पार्टियों में माइक्रो आब्जर्वर भी नियुक्त किए गए हैं। उन्होंने कहा है कि मतदान की इस पूरी प्रक्रिया को गुप्त रखा जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से इन सभी पोलिंग पार्टियों के साथ पुलिस सुरक्षाकर्मी साथ रहेंगे। उन्होंने कहा कि पोलिंग पार्टियों को जो वाहन उपलब्ध करवाए जाएंगे, वे सभी जीपीएस सिस्टम युक्त होंगे। उक्त वर्णित श्रेणी के मतदाताओं का मतदान निष्पक्ष व पारदर्शी तरीके से करवाने के लिए फोटो व वीडियोग्राफी भी करवाई जाएगी। इसके अलावा 18 मई को जिले के महावीर स्टेडियम में गठित पोलिंग पार्टियों में शामिल सभी सदस्यों को आवश्यक प्रशिक्षण भी उपलब्ध करवाया गया।

पोस्टल बैलेट पेपर के माध्यम से मतदान करवाया जाएगा। मतदान फार्म को सत्यापित करने के लिए टीम में एक-एक राजपत्रित अधिकारी को भी शामिल किया गया है। उन्होंने बताया कि पोस्टल बैलेट पेपर रखने के लिए एक अलग से स्ट्रांग रूम भी बनाया गया है।

सोशल मीडिया पर झूठे व भ्रामक पोस्ट करने पर होगी सख्त कार्रवाई: आस्था मोदी

एजेंसी

फतेहाबाद। पुलिस अधीक्षक आस्था मोदी ने जिला के सभी पुलिस अधिकारियों तथा थाना प्रभारियों को सोशल व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर पैनी नजर बनाए रखने के सख्त निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लोकसभा चुनाव 25 मई को होने निर्धारित है। चुनाव आयोग से मिले दिशा-निर्देशों की अनुपालना के तहत जिला में शांति एवं सौहार्द के वातावरण में चुनाव सम्पन्न करवाना पुलिस का दायित्व है। ऐसे मौकों पर पर असामाजिक तत्व सोशल मीडिया का भी सहारा लेते है तथा सोशल मीडिया पर झूठे व भ्रामक पोस्ट डालकर व प्रचार करके आमजन को गुमराह कर सामाजिक सौहार्द को नुकसान पहुंचाते है।

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि इस प्रकार की झूठी व सनसनी फैलाने वाली पोस्ट से समाज में असंतोष की भावना को बढ़ावा मिलता है, वहीं कानून व्यवस्था की स्थिति भी खराब होने की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि ऐसे असामाजिक तत्व व्यक्तिगत तौर पर भी लोगों को उकसाने का प्रयास करते हैं। इस संबंध में सभी पुलिस अधिकारियों से ऐसे लोगों पर पैनी नजर रखने व खुफिया तंत्र को हाई अलर्ट पर रखने के सख्त निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की फेक व लोगों में सनसनी फैलाने वाली पोस्टों पर सख्ती से अंकुश लगाने व ऐसी पोस्ट अथवा अफवाह फैलाने वालों की पहचान कर प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये गए हैं।

उन्होंने कहा कि भ्रामक व झूठी खबरों, पोस्टो से क्षेत्र में माहौल खराब होता है, वहीं कानून व्यवस्था के लिये भी खतरा पैदा होता है। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से भी

अपील की है कि वे बिना सच्चाई जाने किसी भी पोस्ट व वीडियो को फॉरवर्ड ना करे व अफवाहों से बचें। उन्होंने कहा कि असामाजिक तत्व आमजन, युवाओं व छात्रों को भी भ्रमित कर उन्हे भी गैर कानूनी कार्य करने के लिए उकसाते है, ऐसे लोगों से सावधान रहे। एसपी ने जिला में चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से तथा सौहार्दपूर्ण माहौल में सम्पन्न करवाने की जिला पुलिस की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए जिला के लोगों से भी सहयोग की अपील की है। पुलिस अधीक्षक की ओर से सभी थाना प्रभारियों को ये भी निर्देश जारी किया गये है कि सोशल मीडिया पर भ्रामक प्रचार प्रसार को रोकने के लिये इस बारे में ज्यादा से ज्यादा लोगों व युवाओं को जागरूक किया जाए।

रायशुमारी में 74 प्रतिशत लोगों ने मुझ पर छोड़ा फैसला: देवेंद्र बबली

एजेंसी

फतेहाबाद। जेजेपी से बगावत का झंडा उठाने वाले पूर्व मंत्री पंचायत मंत्री देवेंद्र बबली रविवार को अपने पत्ते खोलेंगे कि वे लोकसभा चुनाव में किस पार्टी को अपना समर्थन देंगे। आगे वे जेजेपी में ही रहेंगे या फिर भाजपा और कांग्रेस में से किसी एक का दामन थामेंगे। इसको लेकर हफ्तेभर में अपने समर्थकों से की रायशुमारी में उन्हें समर्थकों द्वारा वोट दिया गया है। बताया गया है कि आगे उन्हें क्या निर्णय लेना है। यह बात उन्होंने यहां पत्रकार वार्ता में कही। देवेंद्र बबली ने बताया कि 3 हजार से ज्यादा लोगों ने अपनी राय दी है। इजनमें 74 प्रतिशत लोगों ने फैसला उन पर छोड़ दिया है कि जो निर्णय वे लेंगे, लोग उनके साथ

रहेंगे। 9 प्रतिशत लोगों ने भाजपा में जाने का निर्णय लेने की राय दी है। 17 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि बबली कांग्रेस में जाएं, जबकि 0.05 प्रतिशत लोगों का मानना है कि वे जहां हैं, वहां रहें, यानि कि जेजेपी में।

बबली ने बताया कि अब वे अपनी कोर कमेटी के साथ 74 प्रतिशत लोगों की राय अनुसार अपना निर्णय बनाएंगे और आगे का फैसला लेंगे कि लोकसभा में किस पार्टी को समर्थन देना है और फिर आगे की राजनीति किस दल में करनी है या फिर अपने ही संगठन को आगे और कैसे बढ़ाना है।

उन्होंने बताया कि रविवार को टोहाना में इसको लेकर वे घोषणा कर देंगे कि उनकी आगामी रणनीति क्या रहने वाली है। उन्होंने कहा कि जो भी फैसला होगा, वो टोहाना के हक में होगा। उन्होंने सरकार और संगठन में रहते हुए हमेशा अपनी जनता की आवाज उठाई और आगे भी उठाते रहेंगे।

दो दिन में ही पलटे सरपंच, पहले कांग्रेस तो अब दिया भाजपा को समर्थन

एजेंसी

यमुनानगर। सढौरा खंड के 43 में से 27 सरपंचों ने दो दिन पहले ही बैठक करके कांग्रेस उम्मीदवार वरुण चौधरी को समर्थन देने की घोषणा की थी, लेकिन जिला परिषद के चेयरमैन रमेश चंद्र ठसका के नेतृत्व में बैठक हुई। खंड के 43 में से 36 सरपंचों ने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार द्वारा करवाए जा रहे विकास कार्यों पर खुशी जाहिर करते हुए भाजपा उम्मीदवार बंतो कटारिया को समर्थन देने की घोषणा की। सरपंच एसोसिएशन के प्रधान महेंद्र सिंह लहाड़पुर ने बताया कि प्रधान मंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत देश निरंतर प्रगति की राह पर है और विश्व की सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था वाला देश बनने की और अग्रसर है। उन्होंने कहा कि कुछ दिन पूर्व कुछ सरपंच गुमराह होकर कांग्रेस पार्टी को समर्थन देने का एलान कर बैठे थे। मगर अब वे सरपंच भी कांग्रेस को अलविदा कह कर भाजपा के समर्थन में आ गए है।

भाजपा सरकार बिना खर्ची-बिना पर्ची नौकरियों को प्राथमिकता दी: रणजीत सिंह

साहू गांव के 40 बच्चों को मिली नौकरी, हुड्डा होते तो रोहतक में लगती ये नौकरियां

एजेंसी

हिसार। हिसार लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने कहा है कि हरियाणा की भाजपा सरकार समान विकास करने व जरूरतमंदों को नौकरियां देने को प्राथमिकता दी है। इससे पहले की कांग्रेस सरकार में केवल भाई-भतीजावाद व क्षेत्रवाद हावी था। वे अपने जनसंपर्क अभियान के तहत उकलाना विधानसभा क्षेत्र के गांव साहू में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

बेरोजगारों को नौकरियां दिए जाने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि साहू गांव के 40 बच्चों को नौकरियां मिली है। यदि भाजपा की जगह हुड्डा सरकार होती तो ये सारी नौकरियां रोहतक में ही जानी थी। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की परिवार पहचान पत्र योजना गरीब व जरूरतमंद युवाओं व आम जनता के लिए आशा की किरण बना है। सरकार को इस योजना के जरिए स्वत- ही परिवार की स्थिति का पता लग जाता है और उसी अनुसार इन परिवारों को फायदा पहुंचाया जाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में बिजली के खंभे लगवाए और ढाणियों तक बिजली पहुंचाने का काम किया।

भाजपा लोकसभा मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इससे पहले रणजीत सिंह का साहू गांव के सर्वजातीय अंबेडकर भवन पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ।

बिना खर्ची और पर्ची के नौकरियां मिली हैं। उन्होंने मंत्री रहते हुए गांव में रणजीत चौटाला ने कहा कि देश का प्रधानमंत्री नरेद्र मोदी को बनाना है, राहुल गांधी को या केजरीवाल को ये जनता को तय करना है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन 12 पार्टियों का गठंबधन है, जिसमें पांच लोग प्रधानमंत्री पद के दावेदार हैं। इनमें अरविंद केजरीवाल, शरद पवार और राहुल गांधी लाइन में है, जिससे देश बर्बाद हो जाएगा। दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी है, जिसमें पार्टी ही प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री का चेहरा तय करती है और अब नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री का चेहरा हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे मतदान अवश्य करें और अपना एक-एक वोट उन्हें देकर कामयाब बनाएं। वे विश्वास दिलाते हैं कि जीत के बाद क्षेत्र की सेवा में तत्पर रहेंगे।

भाजपा लोकसभा मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि इससे पहले रणजीत सिंह का साहू गांव के सर्वजातीय अंबेडकर भवन पहुंचने पर उनका जोरदार स्वागत हुआ। ग्रामीणों ने फूलमालाएं पहनाकर और बुके देकर उनका स्वागत किया। इस दौरान भारी संख्या में पुरूष व महिलाएं उपस्थित रही। कार्यक्रम में उपरोक्त के अलावा इस मौके पर भाजपा के वरिष्ठ नेता श्रीनिवास गोयल, किसान मोर्चा जिला संयोजक कुलदीप डेलू, सीमा गैबीपुर, चन्द्रप्रकाश बोस्ती, जोगीराम खुंडिया, पूर्व चेयरमैन सतपाल शर्मा, सुशील चेयरमैन, ओमप्रकाश दिनोदा, फूलकुमार सहित अनेक ग्रामीण व गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

जाखल में भाजपा नेताओं पर हुआ हमला कांग्रेस का षडयंत्र : सुभाष बराला

एजेंसी

फतेहाबाद। जिले के जाखल क्षेत्र में एक धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे सिरसा लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर और राज्यसभा सांसद सुभाष बराला के काफिले पर कुछ किसानों द्वारा हमला कर दिया गया। इस हमले को बराला ने कांग्रेस का षडयंत्र बताया है। पत्रकारों से सुभाष बराला ने कहा कि किसानों की आड़ लेकर यह राजनीतिक षडयंत्र रचा गया और इसके पीछे कांग्रेस के लोगों का रोल है। उन्होंने कहा कि वे काफी दिनों से सिरसा संसदीय क्षेत्र में हर जगह जा रहे हैं। कहीं पर किसान कोई बात करने आते हैं, तो उनसे बात करते हैं, इस प्रकार का तनाव कहीं नहीं होता। जाखल में भी पहले गए थे तो किसानों से बात सुनकर आश्वासन दिया था। निश्चित रूप से इस तरह के घटनाक्रम की प्लानिंग पहले से हो जाती है। उन्होंने कहा कि यह घटना निंदनीय है और समाज में स्वीकार्य नहीं है। समाज पहले भी इस तरह की घटना का संज्ञान लेता आया है और अब भी लेना चाहिए। समाज को इस बारे में ध्यान देना चाहिए, क्या किसी भी रूप में आकर धार्मिक कार्यक्रम

'किसानों की आड़ लेकर यह राजनीतिक षडयंत्र रचा गया और इसके पीछे कांग्रेस के लोगों का रोल है। '

को डिस्टर्ब करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भाजपा के 400 पार के नारे को देखकर हरियाणा में मुख्यमंत्री का सपना देखने वाले आज ही सीएम बनना चाहते हैं और किसानों की आड़ ले रहे हैं। किसान भोले भाले हैं, जो इस प्रकार के बहकावे में आ जाते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों को आगे कर वे खुद उनके पीछे रहकर षडयंत्र रचते हैं, ताकि किसान बदनाम हो, भाजपा बदनाम हो। पहले भी इस तरह की हरकतें एक्सपोज हुई हैं और भविष्य में भी एक्सपोज होंगी। बराला ने कहा कि प्रशासन को इस मामले में संज्ञान लेना चाहिए, क्योंकि पुलिस प्रशासन मौके पर था। आचार संहिता लगी हुई है और चुनाव आयोग को भी संज्ञान लेना चाहिए।

महिला अभिभावक के साथ सरकारी स्कूल मुख्या ने की अश्लील हरकत

एजेंसी

जींद। जुलाना थाना क्षेत्र के गांव स्थित राजकीय मिडल स्कूल में बच्चे का दाखिला कराने आई अभिभावक महिला के साथ स्कूल मुखिया ने अश्लील हरकत की। उसके व्हाट्सअप पर अश्लील मैसेज भेजे। महिला थाना पुलिस ने स्कूल मुखिया के खिलाफ अश्लील हरकत करने समेत विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। जुलाना थाना इलाका गांव की एक महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपने बच्चों के साथ मायक में रह रही है। वह अपने बेटे का दाखिला करवाने के सिलसिले में गांव स्थित सरकारी मिडल स्कूल में गत 29 अप्रैल को गई थी। स्कूल मुख्या ने बातों में लगा कर उसका मोबाइल नंबर ले लिया। दस्तावेजों में कमी को दूर कर बच्चे का दाखिला कराने में सहयोग की बात कही। आरोपित ने एकांत पाकर कमरे में उसके साथ अश्लील हरकत की। लोकलाज के भय से वह स्कूल से घर चली आई। जिसके बारे में उसने किसी को घटना के बारे में नही बताया। जिसके बाद स्कूल के मुख्या ने उसके फोन व्हाट्सअप पर अशील मैसेज तथा अश्लील सामग्री भेजनी शुरू कर दी।

सोशल मीडिया पर पुलिस की पैनी नजर, निगरानी शुरू

एजेंसी

हिसार। लोकसभा चुनाव को शांतिपूर्ण व निष्पक्ष करवाने के लिए पुलिस प्रशासन ने कमर कस ली है। पुलिस हर हाल में निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने को प्रयासरत है। इसके तहत पुलिस ने इंटरनेट मीडिया की भी निगरानी शुरू कर दी है। यह जानकारी पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने दी। पुलिस अधीक्षक मोहित हांडा ने बताया कि फेसबुक, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप आदि सोशल मीडिया निशाने पर हैं। करीब 100 से अधिक ग्रुपों की पुलिस निगरानी कर रही है। सोशल मीडिया पर भड़काऊ पोस्ट डालने पर संबंधित के खिलाफ केस दर्ज करके सख्त कार्रवाई की जाएगी। पुलिस अधीक्षक ने कहा है कि पुलिस की सोशल मीडिया सेल को चुनाव के लिए सक्रिय कर दिया गया है। इसके तहत 24 घंटे वॉट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल मीडिया के ग्रुपों पर नजर रखी जा रही है। लोकसभा चुनाव के दौरान अगर किसी ने सोशल मीडिया पर चुनाव को प्रभावित और किसी भी तरह की भड़काऊ पोस्ट की तो वह बच नहीं पायेगा। पुलिस की प्रचार के तौर-तरीकों के साथ आपत्तिजनक और भ्रामक मैसेज पर भी नजर रहेगी। चुनाव के वक्त सोशल मीडिया के तमाम प्लेटफॉर्म की निगरानी का खाका तैयार हुआ है। इस दौरान फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, वॉट्सऐप और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की लगातार मॉनिटरिंग की जाएगी। जिससे बाकी पोस्ट के अलावा चुनाव में उतरे उम्मीदवार, उनके समर्थक या पार्टी से जुड़े पदाधिकारियों के पोस्ट, कमेंट्स और फोटो पर नजर रखी जा सके। पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि चुनाव के दौरान कोई भी नागरिक, सोशल मीडिया पर गलत अफवाह न फैलाए। सोशल मीडिया पर आई किसी भी प्रकार की गलत पोस्ट को फारवर्ड न करें।

शेयर बाजार 20 मई को रहेगा बंद, लोकसभा चुनाव के चलते ट्रेडिंग हॉलिडे

एजेंसी

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के पांचवें चरण के लिए 20 मई (सोमवार) को मुंबई में मतदान के चलते शेयर बाजार बंद रहेगा। अब शेयर बाजार में मंगलवार को कारोबार होगा। शेयर बाजार में रविवार एवं अवकाश रहेगा।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) ने विगत 8 अप्रैल को मुंबई में 20 मई को लोकसभा चुनाव के लिए होने वाले वोटिंग के चलते शेयर बाजार की छुट्टी का ऐलान किया था। एनएसई ने जारी सर्कुलर में कहा था कि मुंबई में संसदीय चुनावों के कारण ट्रेडिंग हॉलिडे रहेगा।

एनएसई ने कहा कि मुंबई में 20 मई को लोकसभा चुनाव के लिए वोटिंग वाले दिन शेयर बाजार में कारोबार नहीं होगा। नेगोशिएबल इंस्ट्रूमेंट एक्ट-1881 के सेक्शन 25 के तहत चुनावों में नागरिकों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए यह फैसला लिया गया है।

आईसीआईसी बैंक के पूर्व चेयरमैन पद्म भूषण नारायणन वाघुल का निधन

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक के पूर्व चेयरमैन नारायणन वाघुल का 88 साल की उम्र में निधन हो गया। वाघुल पिछले कुछ समय से वेंटिलेटर पर थे।

वाघुल को वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में योगदान के लिए वर्ष 2010 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। उनके परिवार ने एक बयान में कहा, 'अत्यंत दुख के साथ हम यह जानकारी दे रहे हैं कि पद्म भूषण नारायणन वाघुल का आज दोपहर चेन्नई के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया।' वाघुल चेन्नई के अपोलो अस्पताल में वेंटिलेटर सपोर्ट पर थे। उनके परिवार में पत्नी, एक बेटी और एक बेटा हैं। वित्तीय समूह आईसीआईसीआई की नींव रखने वाले नारायणन वाघुल को भारत के बैंकिंग क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए भी याद किया जाएगा। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत भारतीय स्टेट बैंक से किया था। वे महज 44 साल की उम्र में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया के सबसे कम उम्र के चेयरमैन बने।

ओयो आईपीओ लाने के लिए सेबी के पास दोबारा करेगी आवेदन

नई दिल्ली। सॉफ्टबैंक समूह समर्थित बजट आतिथ्य श्रृंखला ओयो अपने बहुप्रतिक्षित आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की तैयारी कर रहा है। निवेशक लंबे समय से ओयो के आईपीओ का इंतजार कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि कंपनी ने बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं बाजार विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास आईपीओ के लिए दाखिल अपना मौजूदा ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) वापस लेने का आवेदन किया है। वह आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने बताया कि वह बॉन्ड जारी करने के बाद फिर संशोधित डीआरएचपी फाइल करना चाहती है।

क्या होता है डीआरएचपी

डीआरएचपी एक दस्तावेज होता है, जिसमें कंपनी के वित्तीय, ट्रेड ऑपरेशन, इंडस्ट्री में स्थिति, प्रमोटर, और लिस्टेड या अनलिस्टेड ट्रेडर्स के बारे में विस्तृत जानकारी होती है। कंपनी डॉलर बॉन्ड की बिक्री के जरिए 45 करोड़ डॉलर जुटाने की अपनी री-फाइनेंसिंग प्लानिंग को जल्द फाइनल करने वाली है। ओयो में जापान के सॉफ्टबैंक ग्रुप का भी पैसा लगा है।

नेस्ले इंडिया के शेयरधारकों ने मूल कंपनी को रॉयल्टी भुगतान बढ़ाने का प्रस्ताव खारिज किया

नई दिल्ली। दैनिक उपभोग के सामान बनाने वाली कंपनी नेस्ले इंडिया लिमिटेड के शेयरधारकों ने अपनी मूल कंपनी को रॉयल्टी भुगतान बढ़ाने के कंपनी के प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। शेयर बाजार को दी जानकारी के मुताबिक नेस्ले इंडिया के बोर्ड ने पिछले महीने अपनी मूल कंपनी को रॉयल्टी भुगतान में सालाना 0.15 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने को मंजूरी दी थी। यह बढ़ोतरी अगले पांच वर्षों के लिए की गई थी और इस प्रकार नेस्ले इंडिया को अपनी शुद्ध बिक्री का 5.25 प्रतिशत तक रॉयल्टी भुगतान मूल कंपनी को करना था। इसके तहत वर्तमान लाइसेंस शुल्क 4.5 प्रतिशत को हर साल 0.15 प्रतिशत बढ़ाते हुए पांच साल में क्रमबद्ध तरीके से 5.25 प्रतिशत तक किया जाना था।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और आईडीएफसी लिमिटेड के विलय को शेयरहोल्डर्स की मंजूरी

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के साथ आईडीएफसी लिमिटेड की विलय प्रक्रिया एक कदम और आगे बढ़ी है। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के शेयरधारकों ने आईडीएफसी लिमिटेड के साथ बैंक के मर्जर को अपनी मंजूरी दे दी है।

बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की चेन्नई पीठ ने 17 मई को बुलाई बैठक में शेयर होल्डर्स ने एकीकरण को बहुमत के साथ अपनी मंजूरी दी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने पहले ही नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट (एनओसी) दे दिया था, जबकि दोनों के बोर्ड इस मर्जर

को पहले ही मंजूरी मिल गई है। शेयर बाजार में शनिवार के स्पेशल सेशन में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक के स्टॉक में बढ़त देखने को मिली। बैंक का शेयर 0.25 फीसदी बढ़कर 77.45 के स्तर पर बंद हुआ।

घरेलू बचत की सुरक्षा के लिए वायदा-विकल्प कारोबार में छोटे निवेश पर विचार करने की जरूरतः सीईए

नई दिल्ली। घरेलू बचत को वायदा और विकल्प (एफएंडओ) कारोबार में निवेश करने के प्रति आगाह करते हुए मुख्य आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने कहा कि एफएंडओ कारोबार में छोटे निवेश पर फिर से विचार करने की जरूरत है।उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए है क्योंकि इस कारोबार में अलग तरह की वित्तीय साक्षरता की आवश्यकता होती है।

नागेश्वरन ने सीआईआई के वार्षिक कारोबारी सम्मेलन, 2024 में कहा कि जब भी वित्तीय क्षेत्र का विकास, राष्ट्रीय विकास से पहले हुआ है, तो ऐसे देशों के लिए नतीजे अच्छे नहीं रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷एशियाई संकट 1997-98 इसका एक बहुत महत्वपूर्ण उदाहरण है।सीईए ने कहा, जब हम इस तथ्य

पर गर्व करते हैं कि हमारे पास वायदा और विकल्प (एफएंडओ) में दुनिया की सबसे बड़ी कारोबारी मात्रा है, तो हमें खुद से पूछने की जरूरत है कि यह प्रगति का संकेत है या चिंता का संकेत है। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) ने कहा कि वित्तीय क्षेत्र को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि पूंजी बाजार उन क्षेत्रों में बढ़े, जहां हम वास्तव में भारतीय घरेलू बचत का उपयोग उत्पादक उद्देश्यों के लिए कर सकते हैं। नागेश्वरन ने कहा, ÷वायदा और विकल्प में छोटी राशि के निवेश पर हमें पुनर्विचार करने की जरूरत है, क्योंकि इसके लिए जरूरी वित्तीय साक्षरता बहुत अलग है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2022-23 के अंत में शुद्ध घरेलू बचत तीन वर्षों में नौ लाख करोड़ रुपये घटकर 14.16 लाख करोड़ रुपये रह गई है। इस दौरान शेयर बाजार और म्यूचुअल फंडों में निवेश तेजी से बढ़ा है।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने की संभाग में खरीफ फसलों की तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी

जबलपुर। कृषि उत्पादन आयुक्त एस.एन. मिश्रा की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय एपीसी की बैठक हुई। जिसमें जबलपुर संभाग के सभी जिलों के रबी 2023-24 की समीक्षा एवं खरीफ 2024 की तैयारियों पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए। इस दौरान एसीएस कृषि अशोक वर्णवाल, संभागीय आयुक्त अभय वर्मा, डायरेक्टर हॉर्टिकल्टर सहित संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर व संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में मुख्य रूप से कहा गया कि कम समयावधि में तैयार होने वाले बीजों की बोनी को प्रोत्साहित किया जाए, जिससे किसानों को अगली फसल के लिये पर्याप्त समय भी मिलने के साथ रकबा भी बढ़ेगा। बैठक में उर्वरकों की मांग व उपलब्धता की समीक्षा के साथ अन्य सूक्ष्म सहयोगी खादों के उपयोग के बारे में कहा गया। मृदा परीक्षण को लेकर कहा गया कि जहां-जहां मृदा परीक्षण केन्द्र है, उन्हें सक्रिय करें और मृदा के आधार पर खाद-बीज का उपयोग करें। बैठक में सूक्ष्म सिंचाई परियोजनाओं पर जोर देकर इन्हें प्रभावी बनाने पर जोर दिया ताकि समय पर फसलों को पानी उपलब्ध हो सके। आधुनिक कृषि में आधुनिक खाद-बीज के साथ

आधुनिक कृषि यंत्रों के उपयोग पर जोर दिया और कहा गया कि उबर जैसे किसान एप को ज्यादातर किसानों तक पहुंचाये जिससे किसान व सर्विस प्रोवाईडर उसमें अपना रजिस्ट्रेशन करा सके। कृषि उपकरणों की ज्यादातर मांग एक समय विशेष पर होती है और ऐसी स्थिति में सर्विस प्रोवाईडर को आधुनिक उपकरण सुनिश्चित कराने में सहूलियत होती है। बैठक में कहा गया कि कृषि के लिये किये जा रहे अच्छे नवाचारों को बढ़ावा दें और उनका डॉक्यूमेंटेशन भी करें। फसल बीमा में ऋणी किसानों के साथ अऋणी किसानों को भी जोड़े। इसे प्राथमिकता में लेकर कार्य करें। एफपीओ से संपर्क बनाये, मंडी को हाईटेक करें, जिससे ट्रांजेक्शन टाइम कम हो, ऑटो पेकेजिंग आदि हो, कैशलेस सिस्टम अपनाये, हर जिले में एक मंडी को कैशलेस सिस्टम प्रणाली से युक्त करें। इसके साथ ही कहा गया कि किसानों के जमीनों के रजिस्ट्री के साथ फसल और किसानों की रजिस्ट्री भी हो। जिससे किसी प्रकार की व्याधि होने पर उनकी सहायता की जा सके। किसानों के केसीसी करायें, विशेष रूप से अचार संहिता के बाद पीएम किसान का ईकेवायसी करायें जिससे किसानों को भविष्य में लाभ हो सके।

एपीसी की बैठक में ई-रूपी, मिलेट मिशन, बीसा प्रोजेक्ट द्वारा किये जा रहे नवाचारों का मिश्रण कर सुपर सीडर, हैप्पी सीडर और पेडी ट्रांसप्लांटर जैसे उपकरणों के प्रयोग पर बल दिया जाये और नरवाई का बेहतर प्रबंधन करें। उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग की समीक्षा के दौरान उद्यानिकी फसलों का रकबा एवं उत्पादन में जबलपुर संभाग की हिस्सेदारी, फल, सब्जी, मसाला, पुष्प क्षेत्र का विस्तार पर विस्तार से चर्चा कर कहा गया कि पर ड्राप मोर क्रॉप की पद्धति को अपनाये, मल्चिंग को प्रोत्साहित करें।

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उन्नयन योजना को प्रभावी बनाये तथा उद्यानिकी के नई चुनौतियों को स्वीकारें और नवाचार से उनका समाधान करें। इस दौरान उद्यानिकी क्षेत्र में किये गये विशिष्ट कार्यों की समीक्षा भी की गई। एपीसी की बैठक के द्वितीय सत्र में संभाग में पशुपालन एवं डेयरी की वर्तमान परिदृष्य पर विस्तृत समीक्षा की गई। पशुपालन व डेयरी की समीक्षा में कहा कि पशुओं की चिकित्सा समय पर सुनिश्चित हो जायें, घर पहुंच सुविधाएं सुलभ हो, केसीसी कार्ड बन जायें और एनएलएम की गतिविधियों को प्रभावी करें जिसमें कुक्कुट, सूकर, बकरी पालन प्रभावी रूप से हो, साथ ही उनकी आहार की व्यवस्था समुचित रूप से हो। विभागीय योजनाओं की प्रगति के साथ पशु उपचार व टीकाकरण, गौशालाओं के निर्माण, कृत्रिम गर्भाधान, पशुधन बीमा योजना, सेक्सड सोर्टेड सीमन संबंधी विभिन्न मुद्दों पर विस्तार से चर्चा कर कहा कि पशुधन को बढ़ाने के लिये प्रत्येक ग्राम पंचायत में मैत्री की स्थापना की जाये और दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा दिया जाये। इसके साथ ही मत्स्य पालन को बढ़ावा देने की गतिविधियों पर जोर दिया गया।

दो दिन की तेजी के बाद सस्ता हुआ सोना, चांदी में कोई बदलाव नहीं

एजेंसी

नई दिल्ली। लगातार दो दिन की तेजी के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में आज सोने के भाव में गिरावट नजर आ रही है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में आज सोना आज 300 रुपये से 400 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। भाव में आई इस गिरावट के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना एक बार फिर 74 हजार रुपये के स्तर से नीचे लुढ़क गया है। दूसरी ओर चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है, जिसकी वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी आज भी 89,200 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 67,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,840 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 67,690 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट सोना आज 73,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 67,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 73,890 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 67,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 73,910 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 67,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,890 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 67,440 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने की कीमत में आज गिरावट दर्ज की गई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 73,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। वहीं इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 67,590 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

पटेल इंजीनियरिंग शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 78 प्रतिशत बढ़कर 140 करोड़ रुपये पर

एजेंसी

नई दिल्ली। पटेल इंजीनियरिंग लिमिटेड ने बताया कि बीते वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में उसका कर पश्चात संचयी शुद्ध लाभ 78 प्रतिशत बढ़कर 140.35 करोड़ रुपये हो गया।कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि एक साल पहले की इसी अवधि में उसका चालू परिचालन से कर पश्चात शुद्ध लाभ 78.83 करोड़ रुपये था।

कंपनी की परिचालन आय जनवरी-मार्च 2024 तिमाही के दौरान 11 प्रतिशत बढ़कर 1,343.18 करोड़ रुपये हो गई, जो इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,205.06 करोड़ रुपये थी।कंपनी के पास 31 मार्च 2024 तक कुल 18,663 करोड़ रुपये के ऑर्डर थे।

पाकिस्तान में 15 रुपए सस्ता हुआ पेट्रोल, डीजल में भी इतने रुपए की कटौती

एजेंसी

इस्लामाबादः आज के दौर में महंगाई चरम पर है। पेट्रोल और डीजल समेत दैनिक जीवन में उपयोग होने वाली वस्तुओं के दाम में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसी बीच अब आम आदमी के लिए एक राहत भरी खबर सामने आई है। पाकिस्तान की सरकार ने पेट्रोल के दाम 15.39 रुपए प्रति लीटर घटा दिए, वहीं डीजल के रेट में 7.88 रुपए प्रति लीटर की कटौती की गई है। पाकिस्तान में नए पेट्रोल के दाम 273.1 रुपए प्रति लीटर और हाई स्पीड डीजल के नए दाम 274.08 रुपए प्रति लीटर हो गए हैं। पाकिस्तान के वित्त मंत्रालय ने बीतें दिनों

नोटिफिकेशन जारी कर बताया है कि पिछले 15 दिनों में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पेट्रोलियम उत्पादों की कीमतें घटने का ट्रेंड देखा जा रहा है। इसके कारण देश में पेट्रोल-डीजल जैसे फ्यूल के रेट में कटौती की गई है। पिछले 15 दिनों में अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पेट्रोल के रेट 8.7 डॉलर प्रति बैरल और डीजल का रेट 4.3 डॉलर घट गए थे जिसके असर से पाकिस्तान में फ्यूल रेट घटाए गए। पाकिस्तान सरकार ने पहले ही पेट्रोल और एचएसडी पर 60 रुपए प्रति लीटर पेट्रोलियम डेवलपमेंट लेवी (पीडीएल) हासिल कर ली है। यहां 31 मार्च को खत्म होने वाले पहले नौ महीनों में 720 अरब रुपए जमा कर लिए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष की शर्तों के तहत पाक सरकार ने चालू वित्त वर्ष के दौरान पेट्रोलियम लेवी के तौर पर 869 अरब रुपए इकट्ठा करने का बजट लक्ष्य रखा था।

नयी सरकार के तहत कुछ क्षेत्रों में एफडीआई मानदंडों को आसान बनाने की संभावनाः डीपीआईआईटी सचिव

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने हाल ही में अंतरिक्ष क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) मानदंडों में ढील दी है और इस बात की संभावना है कि नयी सरकार के सत्ता में आने पर कुछ अन्य क्षेत्रों में एफडीआई मानदंडों में राहत दी जा सकती है। उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के सचिव राजेश कुमार सिंह ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में, भारत ने कई क्षेत्रों में एफडीआई नीति को उदार बनाया है।

उन्होंने कहा कि भारत की नीतियां दुनिया में सबसे उदार एफडीआई नीतियों में से एक हैं और वास्तव में यह कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों की तुलना में अधिक उदार है। सिंह ने यहां सीआईआई के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में कहा कि हाल ही में अंतरिक्ष क्षेत्र में एफडीआई मानदंडों को आसान बनाया गया था और ÷इस बात की बहुत संभावना है कि नयी सरकार के तहत, हम जो भी क्षेत्र बचे हैं और जहां कुछ उदारीकरण संभव है, वहां इसके लिए प्रयास कर सकते हैं।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल-दिसंबर 2023 में भारत में एफडीआई 13 प्रतिशत घटकर 32.03 अरब अमेरिकी डॉलर रह गया। ऐसा मुख्य रूप से कंप्यूटर हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर, दूरसंचार, ऑटो और दवा क्षेत्रों में कम निवेश के कारण हुआ।

उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन

योजनाओं (पीएलआई) की सफलता के बारे में बात करते हुए सचिव ने कहा कि अब तक 1.13 लाख करोड़ रुपये का निवेश आया है और लाभार्थी कंपनियों ने नौ लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री, 3.45 लाख करोड़ रुपये का निर्यात सृजित किया है, और साथ ही आठ लाख से ज्यादा लोगों को नौकरी दी है। सिंह ने कहा कि कुछ लोग यह कहते हुए इस योजना की आलोचना करते हैं कि इससे घरेलू मूल्यवर्धन में वृद्धि नहीं हुई है, लेकिन उन्हें पता होना चाहिए कि इसमें समय लगता है। कारोबारी सुगमता के बारे में उन्होंने कहा कि विश्व बैंक के बिजनेस रेडी (बी-रेडी) सूचकांक पर काम जारी है, जिसके लिए सर्वेक्षण अगस्त में शुरू होगा।

सिंह ने कहा कि भारत को अपनी इलेक्ट्रिक-वाहन (ईवी) नीति पर कई ऑटोमोबाइल कंपनियों से अच्छी प्रतिक्रिया की उम्मीद है। यह नीति टेस्ला जैसी वैश्विक कंपनियों को आकर्षित करने के लिए मार्च में जारी की गई थी।

उन्होंने कहा कि नीति में सरकार ने भारत में कोई भी वास्तविक निवेश किए बिना सिर्फ आधार स्थापित करने की प्रतिबद्धता जताकर शुल्क में बदलाव करने की व्यवस्था की है। उन्होंने कहा कि हर कोई एक कंपनी (टेस्ला) के बारे में बात करता है, लेकिन हम इस नीति पर कई कंपनियों से प्रतिक्रिया की उम्मीद कर रहे हैं।

कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी, भाव बढ़ने की आस में किसान बेचने से कर रहे परहेज

नई दिल्ली। दो महीने से कपास की कीमतों में गिरावट का दौर जारी है। दूसरी ओर, किसानों को ऐसा लग रहा है कि इस वर्ष कम उत्पादन के कारण कपास की कीमतों तेजी अवश्य आएगी। किसानों के इसी अनुमान की वजह से मौजूदा समय में मंडियों में कपास की आवक भी घट रही है। कॉटन एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीएआई) के आंकड़ों के अनुसार कॉटन (कपास शंकर 6) की कीमतों में पिछले दो महीनों से लगभग 8 प्रतिशत की गिरावट आई है। कपास की कीमतें गिरकर 16,057 रुपये प्रति क्विंटल हो गई हैं। जबकि दो महीने पहले 15 मार्च 2024 को इसी कपास के लिए 17,434 रुपये प्रति क्विंटल की बोली लग रही थी। वहीं, एक साल पहले शंकर 6 किस्म के कपास का भाव 16,759 रुपये प्रति क्विंटल था। जानकारों के अनुसार यदि कपास के भाव में गिरावट इसी तरह जारी रही तो इससे किसानों को मुश्किल हो सकती है। चाहे वे इसे स्टोर करें या बेच दें पर उनको परेशानी झेलनी पड़ सकती है। महाराष्ट्र की अधिकतर मंडियों में कपास का भाव न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से ज्यादा है उसके बावजूद किसान और अधिक दाम मिलने की आस में बैठे हैं। इससे मंडियों में कपास की आवक घट रही है।

घरेलू शेयर बाजार में तेजी, विशेष कारोबार के पहले सत्र में सेंसेक्स 42 अंक से अधिक चढ़ा

एजेंसी

मुंबई। शेयर बाजार में विशेष कारोबार के पहले सत्र में बीएसई सेंसेक्स 42.60 अंक लाभ में रहा। विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली से घरेलू शेयर बाजार में तेजी आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 42.60 अंक यानी 0.06 प्रतिशत की तेजी के साथ 73,959.63 अंक पर रहा। नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी भी 15.80 अंक यानी 0.07 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 22,481.90 अंक पर रहा।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में नेस्ले, पावर ग्रिड इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील और टाटा मोटर्स में बढ़त दर्ज की गई। इसके उलट जेएसडब्ल्यू स्टील, महिंद्रा एंड महिंद्रा, मारुति और आईसीआईसीआई बैंक नुकसान में रहे। अमेरिका के अधिकांश शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे। विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) कई दिनों

की निरंतर निकासी के बाद शुक्रवार को खरीदार बन गए। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी निवेशकों ने शुक्रवार को 1,616.79 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की खरीद की। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, ''अमेरिकी डाऊ जोन्स के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने से शेयर बाजारों को वैश्विक समर्थन मिलता रहेगा। अब एफआईआई भी खरीदार बन गए हैं और इससे बाजार पर दबाव कम हुआ है।'' वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.85 प्रतिशत चढ़कर 83.98 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

बीएसई सेंसेक्स 253.31 अंक चढ़कर 73,917.03 और एनएसई निफ्टी 62.25 अंक बढ़कर 22,466.10 अंक पर बंद हुआ था। एनएसई और बीएसई ने सात मई को कहा था कि वह अपने प्राथमिक मंच पर बड़े व्यवधान या विफलता से निपटने की अपनी तैयारियों को जांचने के लिए 18 मई को इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र आयोजित करेगा। विशेष कारोबारी सत्र के दौरान कारोबार प्राथमिक साइट (पीआर) से आपातकालीन (डीआर) साइट पर स्थानांतरित किया जाएगा। एक्सचेंज ने कहा कि इसमें कारोबार के दो सत्र होंगे। पहला सत्र सुबह 9:15 बजे से 10 बजे तक और दूसरा सत्र सुबह 11:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक होगा। इससे पहले दो मार्च को भी बीएसई और एनएसई ने इक्विटी और इक्विटी डेरिवेटिव खंड में एक विशेष कारोबारी सत्र आयोजित किया था।

भारत दुनिया में महत्वपूर्ण खनिजों का अग्रणी उत्पादक बनने के मिशन परः हिंदुस्तान जिंक चेयरपर्सन

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत दुनिया में महत्वपूर्ण खनिजों का अग्रणी और सबसे टिकाऊ उत्पादक बनने के मिशन पर है। वेदांत समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक की चेयरपर्सन प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने यह बात कही।हेब्बार ने हाल ही में मियामी में बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज ग्लोबल मेटल्स, खनन एवं इस्पात

सम्मेलन 2024 में कहा कि खनन और धातु क्षेत्र शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। एक बयान में हेब्बर के हवाले से कहा गया, हम भारत के प्राकृतिक संसाधनों के अग्रणी के रूप में अपनी भूमिका को बहुत गंभीरता से लेते हैं और हम इस आर्थिक वृद्धि का लाभ उठाने के लिए अच्छी स्थिति में हैं। खनन और धातु क्षेत्र के पास भविष्य को तैयार करने की कुंजी है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को हासिल करने के लिए खनिजों की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और इस मांग को पूरा करना आसान नहीं होगा।

कच्चा हो या पक्का, हर तरह से फायदेमंद है अदरक खाना, इन बीमारियों से रखता है दूर

अदरक को कई तरह की डिशिज में इस्तेमाल किया जाता है जिससे खाने का स्वाद और भी अच्छा हो जाता है। अदरक खाने के कई फायदे भी होते हैं यह अपने सूजन-रोधी मतली विरोधी और अन्य गुणों के लिए जाना जाता है। यह आपको वजन कम करने गठिया मैनेज करने पीरियड्स के लक्षणों को कम करने और बहुत कुछ करने में मदद कर सकता है।

अदरक आपके पसंदीदा खाने को स्वादिश्ट तो बनाता ही है, लेकिन, इसको खाने से कई सारे हेल्थ बेनिफिट्स भी होते हैं। इस जड़ी-बूटी वाले पौधे का उपयोग आमतौर पर हर्बल मेडिकेशन में कई बीमारियों (पेट की खराबी, दर्द से राहत, मासिक धर्म दर्द, गठिया और अधिक) में मदद के लिए किया जाता है। तो कोई इन लाभों का लाभ कैसे उठा सकते है? अदरक (Benefits Of Eating Adrak) शरीर के लिए क्या कर सकता है और इसे अपने आहार में कैसे शामिल किया जाए? आज हम इसके बारे बात करने जा रहे हैं।

अदरक से होने वाले फायदे

अदरक के स्वास्थ्य लाभ बहुत तारे हैं - अगर आप अपनी सेहत से थोड़ा परेशान महसूस कर रहे हैं और दर्द को कम करने के आप अदरक का अलग-अलग तरीकों से इस्तेमाल कर सकते हैं।

जी मिचलाना

अदरक का सबसे आम उपयोग मतली से राहत पाने के लिए किया जाता है। अदरक में ऐसे तत्व होते हैं जो पेट में दर्द फैलाने वाले रिसेप्टर्स को ब्लॉक करने में मदद करते हैं, जो उल्टी का कारण बन सकते हैं। इस कारण से, अध्ययनों से पता चला है कि अदरक का नियमित सेवन कीमोथेरेपी से जुड़े लक्षणों को कम करने में मदद करता है।

प्रेग्नेंसी के दौरान करता है मदद

अदरक को गर्भावस्था के शुरुआती चरणों में मॉर्निंग सिकनेस से राहत दिलाने के लिए भी जाना जाता है। अदरक गर्भवती महिलाओं की मतली में भी काफी मदद करता है।

सूजन और डाइजेशन में करता है मदद

अदरक खाने से खाने को पचाने में आसानी बनाता है। अदरक में पाया जाने वाला जरूरी तेल दर्दनाक पेट फूलने जैसी कंडीशन को कम कर सकता है। जिन लोगों का पेट सेंसिटिव है या मसालेदार खाने को लेकर सेंसिटिव हैं, उन्हें अदरक खाते समय सावधान रहना चाहिए। अदरक पेट में सूजन और अन्य पाचन समस्याओं में मदद करता है।

सर्दी

अदरक खाना हमारे इम्यून सिस्टम के लिए भी मददगार होता है। ज्यादातर लोग सर्दी होने पर अदरक को शहद के साथ खाते हैं। अदरक में जिंजरोल होता है, जो गले में मौजूद बलगम को ढीला करके इसे जल्दी से हटा देता है। यह सूखी खांसी और गले में खराश के लिए भी मददगार होते हैं।

दर्द

अदरक में सूजनरोधी गुण होते हैं। यह विशेष रूप से तब मदद होती है, जब आप अपने शरीर के अलग-अलग हिस्सों में दर्द को कम करना चाहते हैं। रिसर्च से यह भी पता चला है कि पीरियड्स से पहले महसूस होने वाला दर्द, से निपटने में अदरक प्रभावी हो सकता है और इस दौरान के दर्द को कम करने में मदद कर सकता है।

चौथे चरण के मतदान के बाद की भाजपा

लोकसभा चुनाव के सोमवार को हुए चौथे चरण के मतदान के बाद एक बार फिर से यह जांचने-परखने की कवायद तेज़ हो गई है कि तीसरी बार सरकार बनाने के लिये जी-तोड़ मेहनत कर रही भारतीय जनता पार्टी कहां खड़ी है। जिस प्रकार से 19 व 26 अप्रैल तथा 7 मई को क्रमशः पहले, दूसरे एवं तीसरे चरण के हुए मतदान में वह पिछड़ती हुई नज़र आई थी, क्या वह फिसलन चौथे चक्र में भी बरकरार रही या फिर वह मुकाबले में लौट रही है? शाम को जब मतदान थमा और चुनावी विश्लेषक दिन भर का लेखा-जोखा लेकर बैठे तो उनका यह मानना है कि भाजपा वहीं खड़ी है जहां वह तीसरे चरण के बाद खड़ी थी। पूरे भारत में बढ़ती गर्मी को पहले भी कम वोटिंग प्रतिशत का कारण बतलाया गया था, इस बार तो वह था ही लेकिन और भी कई ऐसे कारण बने जिन्होंने भाजपा के उत्साह को घटाया है।

सोमवार को 96 सीटों पर मतदान हुआ, जिसके साथ 379 सीटों पर चुनाव निपट गये हैं। माना जा रहा है कि अब तक भाजपा बड़ा नुकसान उठा चुकी है। कुछ राज्यों में तो चुनाव पूरे भी हो चुके हैं। इसके बाद बची 164 सीटों के लिये शेष तीन चरणों में मतदान होगा। क्या इस दौरान हुए नुकसान की भरपाई वह बची सीटों के जरिये पूरा कर सकेगी? कोई भी इसका जवाब %हां% में नहीं दे रहा है। खुद भाजपा वाले भी ऐसा होता नहीं देख रहे हैं।चौथे चरण के मतदान के दौरान जो कई क्षेत्रों में जो कुछ हुआ, उससे साफ है कि भाजपा को अपनी खस्ता हालत का पता चल गया है। एक मतदान केन्द्र में पीठासीन अधिकारी अपने उत्साह में भरकर %मोदी मोदी% के नारे लगाने लगी। हॉट सीट कन्नौज में, जहां समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव चुनाव लड़ रहे हैं, भाजपा के लोगों ने उनकी पार्टी के लोगों पर हमला कर दिया। फर्रुखाबाद में फायरिंग हो गई तो कानपुर व औरैया में भी तनातनी रही। मतदान सम्बन्धी 150 से ज्यादा शिकायतें मिलीं। महाराष्ट्र के बारामती ईवीएम कक्ष में काफी देर तक सीसीटीवी कैमरा बन्द रहा क्योंकि बिजली गुल हो गई। हैदराबाद में भाजपा उम्मीदवार माधवी लता मुस्लिम उम्मीदवारों के बुर्के उठाकर उनकी शिनाख्त करती मिलीं जिससे विवाद हो गया। ये सारी गड़बड़ियां बता रही हैं कि भाजपा को इस बात का एहसास हो गया है कि इंडिया गठबन्धन के सामने वह लगातार पिछड़ रही है।एक ओर मतदान जारी था तो वहीं दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को वाराणसी में एक भव्य रोड शो करना पड़ा। मंगलवार को उन्हें अपने नामांकन का परचा जो भरना था। (जो उन्होंने कर दिया)। इस रोड शो को करीब ढाई किलोमीटर की दूरी तय करने में पांच घंटों से भी ज्यादा समय लगा। एक रोज पहले उन्होंने बिहार की राजधानी पटना में जो रोड शो किया था, उसे लेकर अलग तरह की चर्चाएं रहीं। पूर्व केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद यहां से भाजपा के उम्मीदवार हैं। जिस रथ पर मोदी सवार होकर रोड शो कर रहे थे, उस पर प्रसाद के अलावा प्रदेश के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी सवार थे। 17 माह तक राष्ट्रीय जनता दल के साथ बिहार की सरकार चलाने वाले नीतीश बाबू की स्थिति तब विचित्र हो गई जब मोदी ने भाजपा का चुनाव चिन्ह (कमल) नीतीश को पकड़ा दिया। यह बतलाता है कि मोदी किस प्रकार से एक-एक सीट के लिये संघर्षरत हैं और अपना चुनाव चिन्ह दूसरी पार्टी के प्रमुख को सौंपने से भी गुरेज़ नहीं कर रहे। इसके पहले बिहार के ही मुजफ्फरपुर में हुई सभा में मोदी फिर अपने प्रचार में पाकिस्तान को लेकर आ गये। उन्होंने कहा कि %इंडिया को सपने में भी पाकिस्तान का परमाणु बम दिखता है।% उसके नेता कहते हैं कि पाकिस्तान ने चूड़ियां नहीं पहनी हैं।% बकौल मोदी, %अगर उसने चूड़ियां नहीं पहनी है तो वे (मोदी) पहना देंगे।% साफ है कि जैसे ही मोदी व भाजपा को अपनी हालत में कोई कमजोरी महसूस होती है तो देश के भीतर मुसलमान व बाहर पाकिस्तान उसे याद आता है।

इंडिया गठबन्धन की बढ़ती मजबूती भाजपा की परेशानी का बड़ा सबब है। उत्तर प्रदेश उसका सबसे मजबूत किला रहा है। तीसरे चरण के ठीक पहले रायबरेली से राहुल गांधी ने नामांकन दाखिल किया जिसका असर पूरे उप्र में पड़ता दिख रहा है। यहां उनकी सभाओं के अलावा प्रियंका गांधी की सभाएं भी जबरदस्त भीड़ बटोर रही हैं। इतना ही नहीं, अखिलेश के साथ राहुल के रोड शो व सभाओं को भी लोगों का जोरदार प्रतिसाद मिल रहा है। पहले धारणा थी कि यहां कांग्रेस-सपा के संयुक्त प्रतिरोध के बावजूद भाजपा सम्मानजनक संख्या में सीटें जीत लेगी लेकिन अब कहा जा रहा है कि यूपी में भाजपा को वैसी सफलता नहीं मिलने जा रही जिसका दावा हो रहा था।इस बीच एक और जो महत्वपूर्ण बात हुई है वह यह कि अब लोग मोदी के विकल्प की चर्चा करने लगे हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने इसी बीच कह दिया कि मोदी डेढ़ साल के बाद 75 साल के होकर रिटायर हो जायेंगे। वे वोट अमित शाह के लिये मांग रहे हैं। शाह को जवाब देना पड़ा कि उनकी पार्टी के संविधान में ऐसा नियम नहीं है। जो हो, केजरीवाल ने मुद्दा तो छेड़ ही दिया है। यह मोदी के साथ पूरी पार्टी को कमजोर करता है और इसी कमजोरी के साथ भाजपा ने चौथा चरण लड़ा है। आगे भी उसे ऐसे ही लड़ना है।

संपादकीय

चारधाम के इंतजाम

उत्तराखंड में चारधाम यात्रा शुरू होते ही श्रद्धालुओं के सैलाब से जिस तरह प्रशासनिक व्यवस्थाएं चरमराई हैं, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। तीखी गर्मी के बीच लगे कई किलोमीटर लंबे जाम कष्टकारी और जानलेवा साबित हुए हैं। दरअसल, अक्षय तृतीया के दिन दस मई को केदारनाथ, यमनोत्री और गंगोत्री के कपाट खुले थे। उसके ठीक बाद बारह मई को बद्रीनाथ के कपाट खुलने के बाद तो श्रद्धालुओं का तांता लग गया। स्थिति इतनी विकट हो गई कि पहले पांच दिनों में ढाई लाख से अधिक श्रद्धालु तीर्थों के दर्शन कर चुके थे। इसके अलावा सत्ताईस लाख से अधिक श्रद्धालु अपना पंजीकरण करा चुके थे। बताया जाता है कि पिछले साल के मुकाबले इन दिनों में करीब पांच गुना अधिक श्रद्धालु तीर्थस्थलों तक पहुंचे। स्थिति का अनुमान न लगा पाने के कारण व्यवस्था व सुविधाएं अस्त-व्यस्त होकर रह गई। गर्मी के दौरान कई किलोमीटर लंबे जाम में फंसे होने के कारण कुछ लोगों के रास्ते में मरने की खबरें आ रही हैं। जो साफ बताता है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन तीर्थ यात्रियों की संभावित संख्या का सही अनुमान नहीं लगा सका। दरअसल, पारिस्थितिकीय रूप से बेहद संवेदनशील इस हिमालयी क्षेत्र की संरचनाएं बड़ी संख्या में तीर्थयात्रियों के दबाव झेलने में सक्षम नहीं हैं। हमारे नीति-नियंताओं ने इस क्षेत्र में भारी-भरकम विकास के नाम पर जो कुछ भी किया वह हिमालयी क्षेत्र की संवेदनशीलता को नजरअंदाज करते हुए ही किया। चारधाम ऑल वेदर रोड बनाने के प्रयास तो हुए लेकिन यात्रा को सहज-सुगम बनाने के लक्ष्य हासिल नहीं किये जा सके। दरअसल, देश के मध्यम वर्ग में आई संपन्नता व बैंकिंग सुविधाओं के चलते वाहनों की खरीद में अप्रत्याशित वृद्धि हुई है। लोग बसों आदि के बजाय अपने वाहन लेकर इन तीर्थ स्थलों पर पहुंच रहे हैं। सरकारें भी सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुगम नहीं बना सकी। जिसके चलते दर्जनों किलोमीटर लंबी वाहनों की कतारें जानलेवा साबित हो रही हैं।

हकीकत यह भी है कि उत्तराखंड का शासन-प्रशासन आने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या का ठीक-ठीक अनुमान नहीं लगा सका है। जिसके चलते तीर्थयात्रियों के लिये सुविधाएं भी कम पड़ गई। अफरा-तफरी और कुछ श्रद्धालुओं की मौत के बात शासन-प्रशासन जागा है। फिर आनन-फानन में दर्शन के इच्छुक तीर्थयात्रियों की संख्या को सीमित किया गया। दरअसल, तीर्थयात्रियों का दबाव कम करने हेतु यात्रा के लिये होने वाले नामांकन को भी फिलहाल टाला गया है। लेकिन इस नियमन का असर ये हुआ कि मैदानी इलाकों से चारधाम यात्रा के लिये निकले यात्री बीच के पहाड़ी इलाकों में फंस गये, जहां उनके ठहरने के लिये पर्याप्त व गुणवत्ता की सुविधाए नहीं हैं। जिससे यात्रियों के कष्टों में इजाफा ही हुआ है। दरअसल, वर्ष 2013 की केदारनाथ त्रासदी से सबक लेकर तीर्थयात्रियों के नियमन के लिये जो कदम उठाये जाने चाहिए थे, उनको लेकर गंभीरता नजर नहीं आयी है। वहीं दूसरी ओर गर्मी शुरू होते ही लोगों में पहाड़ों की तरफ निकलने का चलन आम हो गया है। बच्चों की स्कूलों में छुट्टियां होने के चलते तमाम लोग पहाड़ी इलाकों के सैर सपाटों के लिये भी निकलते हैं। लेकिन पहाड़ी इलाकों की अपनी सीमाएं हैं। जो सड़कें कभी सीमित वाहनों के लिये बनी थी, वे कारों का सैलाब नहीं झेल पा रही हैं। एक समय इन इलाकों में ऐसी व्यवस्था होती थी कि जब ऊपर से वाहन निकल जाते थे तब नीचे के वाहनों को ऊपर जाने की अनुमति मिलती थी। मौजूदा समय में भी यात्रियों व वाहनों की संख्या का नियमन व संतुलन करना होगा। तीर्थयात्रियों को भी ध्यान रखना चाहिए कि इन तीर्थस्थलों के कपाट नवंबर माह तक खुले रहेंगे। यात्रियों के दबाव को देखते हुए आने वाले महीनों में भी यात्रा का कार्यक्रम बनाया जा सकता है। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी युद्धस्तर पर यात्रा कार्यक्रम को संचालित करना होगा ताकि तीर्थयात्रियों को परेशानी का सामना न करना पड़े। उत्तराखंड सरकार को भी सोचना होगा कि राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले तीर्थाटन को सुनियोजित ढंग से संचालित करने में संवेदनशील दृष्टि दिखाए। अन्यथा ये श्रद्धालु राज्य से अच्छा संदेश लेकर नहीं जाएंगे।

पुरकायस्थ की रिहाई : आज़ाद खयाली को राहत

भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान एक ऐसा मीडिया विकसित हुआ है जिसका प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से घरोबा जैसा है

भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान एक ऐसा मीडिया विकसित हुआ है जिसका प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से घरोबा जैसा है। यह कोई नवनिर्मित मीडिया नहीं है वरन विद्यमान मीडिया का ही बड़ा हिस्सा है जिसने अपने आप को मोदीमय कर लिया है। मोदी का वह समर्थक है सो वह भारतीय जनता पार्टी के हर काम-काज की तारीफ करता है। मोदी के मित्र उसके भी मित्र हैं और मोदी के दुश्मन उसके भी दुश्मन बन जाते हैं। मोदी के कहे को तर्कसंगत साबित करने से लेकर उनके हर फैसले को %मास्टरस्ट्रोक% बतलाने वाला यह मीडिया कहने को स्वतंत्र है पर वह चलता है मोदी एवं उनकी पार्टी की विचारधारा के अनुरूप। देश के कुछ बड़े कारोबारी घरानों की मिल्कियत वाले इन मीडिया घरानों ने, जिनमें प्रकाशन वाला मीडिया है तो इलेक्ट्रॉनिक मीडिया भी- अपने उच्च शिक्षित व मोटी तनख्वाह वाले पत्रकारों को पिछले दशक भर से एक ही काम में लगा रखा है, वह है भाजपा की सरकार को बनाये रखना।

इनमें से कुछ पत्रकार बेहद मुंहलगे हैं जो भाजपा प्रवक्ताओं जैसे काम करते हैं। मोदी को जो कहना होता है, वे उनमें से कुछ को अपने साथ लेते हैं और कोई नयी बात करते हैं। इन बातों को प्रकाशित सामग्री के रूप में या स्टूडियो के जरिये लोगों तक पहुंचाया जाता है। इन्हीं पत्रकारों के जरिये लोगों को कभी पता चलता है कि मोदी ने कोई शिक्षा हासिल नहीं की है, तो वे ही जनता तक यह बात पहुंचाते हैं कि मोदी ने 35 साल भिक्षावृत्ति की है। उन्हीं के जरिये देश जान सका है कि मोदी जी ने कई वर्षों तक हिमालय में तपस्या की है। कुछ मोदी से सुनी तो कुछ अपनी कल्पना शक्ति के बल पर यह मीडिया दो हजार के नोट में चिप लगाता है तो गोबर में हीरा खोजता फिरता है। वैसे तो मोदी पत्रकारों से बहुत कम बात करते हैं। उनकी एक अदद प्रेस कांफ्रेंस के लिये पूरा देश 10 बरस से तरस रहा है। %मन की बात% या जनता से बहुत दूर व सुरक्षित ऊंचाई पर बने मंचों से एकालाप के जरिये अपनी बात कहने के आदी हैं पीएम।वाराणसी से लोकसभा के लिये तीसरी बार अपना नामांकन भरने के बाद पतित पावनी गंगा मैया के तटों पर विचरण करते हुए मोदी ने यकायक सेक्यूलर चोला ओढ़ लिया। उन्होंने मीडिया वाली से कहा- %जिस दिन मैं हिन्दू-मुस्लिम करने लगूंगा उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन में रहने योग्य नहीं रह जाऊंगा।% उनका यह बयान सभी लोगों, खासकर उनके अपने पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों के लिये आश्चर्य और सदमे की तरह रहा होगा, लेकिन उक्त पत्रकार ने उनके इस बयान को बिग ब्रेकिंग के रूप में प्रसारित कर नाम तो कमा लिया, लेकिन पत्रकार-धर्म को पूरी तरह से गंगा में विसर्जित करते हुए। प्रेस कांफ्रेंस में तो किसी भी पत्रकार को ज्यादा सवाल करने का अवसर अक्सर नहीं मिलता पर ऐसे एक्सक्लूज़िव साक्षात्कारों में न सवालों की सीमा होती है, न समय की बंदिश। फिर उपरोक्त महिला पत्रकार ने क्यों मोदी से यह नहीं कहा कि, %मोदी जी, हाल ही में आपने तो कांग्रेस के न्यायपत्र पर %मुसलिम लीग की छाया% बतलाया था और आपने लोगों से यह भी कहा था कि यदि कांग्रेस सत्ता में आई तो आपके मंगलसूत्र छीनकर %कई बच्चों वालों% को दे देगी,% या यह भी नहीं पूछा कि, %मोदी जी, कांग्रेस का तो देश में पिछले 55 वर्षों तक राज रहा। उसने ऐसा तो कभी भी नहीं किया।% पत्रकार को मोदी जी के स्मरण में यह भी लाना था कि आप खुद कहते रहे हैं कि %मैं कपड़े देखकर जान जाता हूं।% मोदी को वह सारा कुछ ध्यान दिलाना था कि कैसे 10 साल उन्होंने हिन्दू-मुसलिम और भारत-पाकिस्तान करते हुए गुजार दिये।

खैर, मोदी से जितने लोगों ने हाल के वर्षों में साक्षात्कार किये हैं, उन्हें ध्यान से देखा जाये तो इस आरोप में दम दिखता है कि सवाल भी पहले से तय होते हैं और जवाब भी। तभी तो किसी भी प्रकाशित या प्रसारित इंटरव्यू में ऐसे कोई सवाल नहीं होते जो मोदी या भाजपा को असहज करते हों। न उनमें नोटबन्दी समेत मोदी सरकार की तमाम असफल योजनाओं का जिक्र होता है, न ही मणिपुर का। न महिला पहलवानों के साथ होती ज्यादतियों का और न ही आदिवासी के सिर पर पेशाब करते भाजपा कार्यकर्ता का। न भ्रष्टाचारी कहे जाने वाले विरोधियों के भाजपा प्रवेश का और न ही इलेक्टोरल बॉन्डस का।

खैर, होगा भी नहीं। मोदी ने जो दावा किया था कि हिन्दू-मुस्लिम करने पर वे सार्वजनिक जीवन के योग्य नहीं रह जाते, वह (दावा) ज्यादा देर तक जिंदा न रह सका। अगली ही सुबह (बुधवार को) महाराष्ट्र के डिंडौरी की आम सभा में मोदी ने बयान दिया कि %अगर कांग्रेस की सरकार आएगी तो वह सरकार के पूरे बजट का 15 प्रतिशत अल्पसंख्यकों को दे देगी।

% फिर, उसी दिन मुंबई की सभाओं में उन्होंने राममंदिर का जिक्र किया और कहा कि शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे जीवित होते तो बहुत दुखी होते क्योंकि %नकली शिवसेना% (उद्धव ठाकरे गुट) ने राममंदिर में प्राणप्रतिष्ठा का विरोध किया था जबकि बाल ठाकरे का सपना मंदिर निर्माण का था। सवाल है कि क्या मोदी व भाजपा का चुनावी विमर्श हिन्दू-मुस्लिम किये बिना सम्भव है? उत्तर है- नहीं, क्योंकि पिछले 100 वर्षों से भाजपा की मातृ संस्था राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक आधार धार्मिक विभाजन ही तो है। मोदी ने इससे तौबा कर ली तो उन्हें हटाने में न भाजपा-संघ देर करेगा न समर्थक-कार्यकर्ता।

दिल और दिमाग को रखे फिट तरबूज के बीज

गर्मी का मौसम यानी तरबूज का मौसम। बेशक गर्मियों में आप भी खूब तरबूज खाते होंगे, लेकिन उनके बीजों का आप क्या करते हैं? जैसा कि कहा जाता है कि 'आम के आम और गुठलियों के भी दाम' उसी प्रकार तरबूज का सेवन तो हमारे स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होता है, साथ ही इसके बीज भी बहुत गुणकारी होते हैं।

तरबूज के बीज मोनोअनसैचुरेटेड और पॉलीअनसेचुरेटेड फैटी एसिड का एक अच्छा स्रोत हैं। ये एंटीऑक्सिडेंट और एंटी इंफ्लेमेटरी एजेंट के रूप में कार्य करते है तथा हृदय को स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ये स्ट्रोक और दिल के दौरे से बचाने में मदद करते हैं। इसमें मौजूद मैग्नीशियम की मात्रा रक्तचाप को नियंत्रित करने तथा आयरन शरीर के विभिन्न भागों में उचित ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद करता है अगर आप तरबूज के बीजों को फेंक देते हैं, तो आपको जरूर जानना चाहिए, तरबूज के बीजों से होने वाले खास 7 फायदे-

- तरबूज के बीजों को छीलकर अंदर की गिरी खाने से शरीर में ताकत आती है। मस्तिष्क की कमजोर नसों को बल मिलता है, टखनों के पास की सूजन भी ठीक हो जाती है। ये दिमाग और दिल को भी स्वस्थ रखने में कारगर है।
- इसमें मौजूद डायट्री फाइबर पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में मदद करते है और पाचन संबंधी समस्याओं को समाप्त करने में सहायक होते हैं। कब्जियत की समस्या में भी यह बेहद लाभकारी है।
- पीलिया (जॉन्डिस) जैसी समस्याएं होने पर तरबूज के बीजों का सेवन बेहद फायदेमंद साबित हो सकता है। इसके अलावा संक्रमण से बचाए रखने में भी मददगार है।
- इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट होते है, जो त्वचा के लिए फायदेमंद है। नसों के फैलने की समस्या में भी यह लाभकारी है और तनाव की अधिकता में इनका सेवन तनाव में कमी लाता है।
- तरबूज के बीजों से बनने वाली चाय का नियमित रूप से सेवन करने पर आप किडनी की समस्याओं से बचा जा सकता है। किडनी स्टोन या पथरी होने पर भी यह फायदेमंद है।
- तरबूज के बीजों को चबा-चबाकर चूसने से दांतों के पायरिया रोग में लाभ होता है।
- तरबूज के बीजों की गिरी में मिश्री, सौंफ, बारीक पीसकर मिलाकर खाने से गर्भ में पल रहे शिशु का विकास अच्छा होता है।
- तरबूज के बीज आपकी सेहत के लिए फायदेमंद होते हैं। यह आपके शरीर के अंगों को बेहतर बनाकर स्वास्थ्य रहने के लिए प्रेरित करते हैं। आप चाहें तो इन्हें किसी भी रूप में पकाकर खा सकते हैं, या फिर इसकी चाय भी पी सकते हैं।

बहुत फायदे हैं जैतून के तेल के

जैतून का तेल शरीर के लिए बेहद फायदेमंद होता है। जी हां, अन्य तेल के मुकाबले यह बहुत अधिक फायदे का सौदा है। शरीर पर नियमित रूप से इसका सेवन करने से शरीर को बाहरी ओर से भी कई लाभ मिलते हैं। जैतून के तेल में विटामिन ई, विटामिन के, ओमेगा-3 फैटी एसिड, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट सहित कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस तेल को शरीर पर भी लगाया जाता है और सेवन भी किया जाता है। इसके सेवन से कैंसर जैसी बीमारी में आराम मिलता है। डायबिटीज मरीजों के लिए भी यह फायदेमंद है।

याददाशत बढ़ाएं

जैतून के तेल में पॉलीफेनोल तत्व मौजूद होता है। जिसके सेवन से याददाशत संबंधित परेशानी में आराम मिलता है।

कैंसर में राहत

कैंसर एक जीवन घातक बीमारी है। खाने में इसका सेवन करने से कैंसर संबंधित बीमारी को कम किया जा सकता है। इसमें विटामिन डी, विटामिन ई, विटामिन ए और बी-कैरोटीन मुख्य रूप से पाया जाता है।

त्वचा को बनाएं चमकदार

बेजान स्किन को चमकदार बनाने के लिए जैतून के तेल से रोजाना अच्छे से मालिश करें। एक सप्ताह बाद ही आपकी ड्राई स्किन से आपको निजात मिल जाएगी।

दर्द में राहत

हड्डियों में लगातार दर्द होने पर आप जैतून के तेल से भी मालिश कर सकते हैं। इसमें मौजूद तत्व से आपको आराम मिलेगा। ऑस्टियोपोरोसिस में राहत मिलेगी।

बालों को बनाएं मजबूत

जैतून के तेल में विटामिन ई मौजूद होता है। जो बालों के लिए सबसे जरूर तत्व है। इससे बाल मजबूत रहते हैं। जैतून का तेल बालों में कंडीशनर का काम करता है। आप तेल लगाकर गर्म पानी की भाप ले सकते हैं। जिससे बाल शाइनी और मजबूत होंगे।

गीली-सूखी मिट्टी की सौंधी सुगंध के अलावा कई अचूक फायदे हैं

आक्सर देखा जाता है कि जब कोई जानवर बीमार होता है तो रोग की दशा में पृथ्वी की शक्ति का वह खास तौर पर उपयोग करता है। घायल हुए जानवर तालाब या पोखर के कीचड़ में जा लेटते हैं और अपने आप को स्वस्थ बना लेते हैं।

गीली मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

महीन पिसी हुई मिट्टी को पानी के साथ घोलकर कीचड़ जैसा बना लें एवं उसको शरीर पर लेपकर सुखा लीजिए, कुछ देर बाद मिट्टी सूखने लगती है। फिर ठंडे या गुनगुने पानी से स्नान कर लेने से अनेक रोग दूर हो जाते हैं।

मिट्टी चिकित्सा के अन्य प्रयोग

रोग होने पर आवश्यकतानुसार निम्नलिखित प्रयोगों से उपचार किया जाता है।
(1) मिट्टी की गरम पट्टी (2) मिट्टी की ठंडी पट्टी (3) गरम मिट्टी की पट्टी (4) रज स्नान (5) पंक स्नान (6) बालू भक्षण।

सूखी मिट्टी के लाभकारी प्रयोग

बिजली के मारे या सांप के काटे हुए व्यक्ति को यदि जमीन में करीब दो हाथ गहरा गड्ढा खोदकर उसमें बैठा दिया जाए और गीली मिट्टी से गर्दन और सिर खुला रखकर उसे भर दिया जाए तो 1 से 24 घंटे तक में रोगी के शरीर से जहर निकल जाएगा और वह मरने से बच जाएगा। शुद्ध साफ मिट्टी को कपड़ा छानकर लीजिए और उसे पूरे अंग पर रगड़िए। पूरे शरीर पर रगड़ने के बाद 10 से 20 मिनट धूप में बैठ जाइए। तत्पश्चात शीतल जल से स्नान कर लें। यह सूखी मिट्टी का स्नान है।

लाभ - त्वचा नरम, लचीली एवं कोमल हो जाती है। रोमकूप खुल जाते हैं। इससे शरीर के विजातीय तत्व पसीने के रूप में बाहर आने लगते हैं। त्वचा के छिद्र भरपूर श्वास लेने लायक हो जाते हैं जिससे त्वचा के अनेक रोग, चर्मरोग, दाद, खाज-खुजली, फोड़े-फुंसियां दूर होने लगती हैं। आयुर्विज्ञान में इसको रज स्नान कहा गया है।

छान्दोग्य उपनिषद् में मिट्टी को अन्य पंच तत्वों जल, पावक, गगन तथा समीर का सार कहा गया है। स्वास्थ्य सौन्दर्य और दीर्घायु का मिट्टी से प्रगाढ़ संबंध होता है। मिट्टी में अनेक रोगों के निवारण की अद्भुत क्षमता होती है। मिट्टी में अनेकों प्रकार के क्षार, विटामिन्स, खनिज, धातु, रासायन रत्न, रस आदि की उपस्थिति उसे औषधीय गुणों से परिपूर्ण बनाती है। औषधियां कहां से आती है? जवाब होगा पृथ्वी, मतलब खारे के सारे औषधिया के भंडार होता पृथ्वी। अत- जो तत्व औषधियों में है, उनके परमाणु पहले से ही मिट्टी में उपस्थित रहते हैं। मिट्टी कई प्रकार की होती है तथा इसके गुण भी अलग-अलग होते हैं। उपयोगिता के दृष्टिकोण से पहला स्थान काली मिट्टी का है, उसके बाद पीली, सफेद और उसके बाद लाल मिट्टी का स्थान है। मिट्टी के विभिन्न प्रकारों और उनकी उपयोगिता को ध्यान में रखकर मिट्टी का चयन करना चाहिए। इसके उपयोग के पहले कुछ बातें जरूर ध्यान में रखें...

- मिट्टी चाहे किसी भी रंग या प्रकार की हो, उसका प्रयोग करते समय यह सुनिश्चित कर लें कि वह साफ-सुथरी हो, उसमें ककड़, पत्थर, तिनके आदि न हों।
- जहां से मिट्टी लें वह स्थान भी साफ सुथरा होना चाहिए किसी कूड़े के ढेर के पास से मिट्टी न लें। यदि किसी खेत से मिट्टी ली जाए तो एक या डेढ़ फीट जगह खोदकर ही लेनी चाहिए।
- तालाब या नदी के तट की मिट्टी बहुत लाभदायक होती है। दो पकार की मिट्टियों को मिलाकर भी प्रयोग किया जा सकता है। बालू मिश्रित मिट्टी बहुत उपयोगी होती है।

विभिन्न किस्म की मिट्टी के प्रयोग

काली मिट्टी

यह मिट्टी चिकनी और काली होती है। इसके लेप से ठंडक पहुंचती है। साथ ही यह विष के प्रभाव को भी दूर करती है। यह सूजन मिटाकर तकलीफ खत्म कर देती है। जलन होने, घाव होने, विषैले फोड़े तथा चर्मरोग जैसे खाज में काली मिट्टी विशेष रूप से उपयोगी होती है। रक्त के गंदा होने और उसमें विषैले पदार्थों के जमाव को भी यह मिट्टी कम करती है। पेशाब रुकने पर यदि पेडू के ऊपर (पेट की नीचे) काली मिट्टी का लेप किया जाता है तो पेशाब की रुकावट समाप्त हो जाती है और वह खुलकर आता है। मधुमक्खी, कनखजूर, मकड़ी, बर्रे और बिच्छू के द्वारा डंक मारे जाने पर प्रभावित स्थान पर तुरंत काली मिट्टी का लेप लगाना चाहिए इससे तुरंत लाभ पहुंचता है।

पीली, सफेद व लाल मिट्टी

तालाबों तथा नदियों के किनारे पाई जाने वाली यह मिट्टी भी काली मिट्टी के समान ही लाभकारी होती है। सफेद मिट्टी से होने वाले लाभ भी पीली मिट्टी के समान ही है। लाल मिट्टी पहाड़ों पर मिलती है। इसके लाभ सफेद मिट्टी से कुछ कमतर होते हैं।

सज्जी मिट्टी

इस मिट्टी के प्रयोग से शरीर की पूरी तरह सफाई हो जाती है। यदि हड्डियां भंगुर और टूटती-सी प्रतीत होती हों तो इस मिट्टी के लेप से बहुत लाभ होता है। जोड़ों के दर्द में इस मिट्टी के लेप से विशेष लाभ पहुंचता है।

गेरू मिट्टी

लाल रंग की इस मिट्टी का प्रयोग मिट्टी खाने वाले बच्चों को मिट्टी के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए किया जाता है। गेरू को घी में तलकर शहद मिलाकर देने से बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आता है। जिनका स्वास्थ्य मिट्टी खाने की आदत के कारण बिगड़ गया है।

गोपी चन्दन

सफेद रंग की मिट्टी का लेप मस्तक पर लगाने से दिमाग की गरमी दूर होती है। सिर चकराने तथा सिर दर्द जैसी समस्याओं का निवारण भी इससे हो जाता है। मुंह में छाले होने की स्थिति में, पहले इस का लेप लगाना चाहिए तथा आधे घंटे बाद सादे पानी से कुल्ले कर लेने चाहिएं, छाले दूर हो जाएंगे।

मुल्तानी मिट्टी

गर्मियों में होने वाली घमौरियों के उपचार में मुल्तानी मिट्टी अचूक औषधि है। शरीर पर इसका पतला-पतला लेप खून की गर्मी को कम करता है। उबटन की तरह मुल्तानी मिट्टी का पयोग सुख और शरीर की कान्ति बढ़ाता है। तेज बुखार में तापमान तुरंत नीचे लाने के लिये सारे शरीर पर इसका मोटा-मोटा लेप करना चाहिए। सौंदर्य के लिए इसका विष प्रयोग होता है।

बालू

नदी या समुद किनारे की बालू शरीर की जलन, ताप तथा दाह को शांत करती है। सिर तथा मुंह को छोड़कर, सारे शरीर पर बालू चढ़ाकर घंटे भर पड़ा रहना, घबराहट, शारीरिक ताप, जलन और दाह को दूर करने का सबसे अच्छा उपाय है। आधी चिकनी मिट्टी और आधी बालू मिलाकर बनाए गए लेप की पट्टी बहुत लाभदायक होती है।

ब्रेकफास्ट में खाएं कच्चा पनीर, पिघलेगी चर्बी

आमतौर पर हम सभी जानते हैं कि हेल्दी ब्रेकफास्ट दिन की शुरूआत करने का सबसे अच्छा तरीका है। ब्रेकफास्ट का साफ मतलब है फास्ट को ब्रेक करना। दरअसल, जब हम रात में सोते हैं, तो हमारी बॉडी 8 से 10 घंटे के फास्ट पर रहती है। इसलिए सुबह उठने के बाद शरीर को पोषण की जरूरत होती है। नाश्ते में कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर आहार लेने से मेटाबोलिज्म बढ़ता है। सिर्फ यही नहीं वजन भी कंट्रोल होता है और हड्डिया मजबूत होती हैं। हेल्दी ब्रेकफास्ट करने से जल्दी भूख नहीं लगती है। इसके लिए पनीर को एक बढ़िया ऑप्शन माना जाता है।

पनीर में भरपूर मात्रा में प्रोटीन पाया जाता है। नाश्ते में इसका सेवन करने से लंबे समय तक पेट भरा रहता है। इसके अलावा यह धीरे-धीरे पचता है। साथ ही GLP-1, PYY और CCK हार्मोन को बढ़ाता है। प्रोटीन के अलावा पनीर में फैट, आयरन, कैल्शियम और मैग्नीशियम पाया जाता है। यह सेहत के लिए फायदेमंद है।

पूरे दिन रखे एक्टिव

पनीर कई तरह के पोषक तत्वों से भरपूर होता है। यह वजन को कंट्रोल करता है और पूरे दिन हमें एक्टिव रखता है। रोजाना ब्रेकफास्ट में 150 से 200 ग्राम पनीर का सेवन करने से सेहत अच्छी रहती है। दिन की शुरूआत करने के लिए पनीर हेल्दी ऑप्शन है।

कम कार्बोहाइड्रेट

गाय के दूध के 100 ग्राम पनीर में 12 ग्राम कार्बोहाइड्रेट पाया जाता है। यह वजन घटाने वालों के लिए फायदेमंद है। पनीर का सेवन करने से बॉडी फैट नहीं बढ़ता है। 28 ग्राम पनीर में लगभग 825 कैलोरी पाई जाती है।

कैल्शियम से भरपूर

दांतों और हड्डियों को मजबूत रखने के लिए हमारे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम की आवश्यकता होती है। पनीर में भरपूर मात्रा में कैल्शियम पाया जाता है। यह हड्डियों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

वजन घटाने में फायदेमंद

मोटापा कम करने के लिए अधिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन करना चाहिए। इससे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और बार-बार खाने की इच्छा नहीं होती है। शाकाहारी लोगों के लिए पनीर एक बेहतर विकल्प है।

रोगों को करे दूर

डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए पनीर फायदेमंद है। इसमें ओमेगा 3 अधिक मात्रा में पाया जाता है जो बच्चों के मानसिक विकास के लिए अच्छा है। इसके अलावा यह हृदय रोगियों के लिए भी फायदेमंद है। पनीर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद करता है। इसलिए वजन घटाने और हड्डियों को मजबूत बनाने के लिए रोजाना नाश्ते में पनीर का सेवन करना चाहिए। इससे शरीर को पर्याप्त कैल्शियम मिलता है।

कैंसर से बचाता है मूली का सेवन

कैंसर से बचाव में मूली खासी मददगार साबित हो सकती है। द वर्ल्ड कैंसर रिसर्च फंड (डब्ल्यूसीआरएफ) और अमेरिकन इंस्टीट्यूट फॉर कैंसर रिसर्च के हालिया अध्ययन में यह दावा किया गया है। दरअसल, शोधकर्ताओं ने मूली में भारी मात्रा में 'ग्लूकोसाइनोलेट' और 'आइसोथायोसाइनेट' की मौजूदगी दर्ज की है। ये दोनों ही यौगिक न सिर्फ कैंसर कोशिकाओं के विकास में बाधा डालते हैं, बल्कि उनके खात्मे की प्रक्रिया को भी गति प्रदान करते हैं। मूली 'सिनिग्रिन' नाम के एक एंटीऑक्सीडेंट से भी लैस होती है। यह एंटीऑक्सीडेंट फ्री-रैडिकल के उत्पादन पर लगाम लगाने में अहम भूमिका निभाता है। मुख्य शोधकर्ता एडम चैपमैन के मुताबिक फ्री-रैडिकल स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाते हैं। ये कोशिकाओं में अनियंत्रित विभाजन का भी सबब बनते हैं, जिससे ट्यूमर पनपने का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन में 500 प्रतिभागी शामिल हुए। आधों की रोजमर्रा की डाइट में मूली शामिल की गई। वहीं, बाकियों को सामान्य खानपान जारी रखने की छूट की गई। चार महीने बाद नियमित रूप से मूली का सेवन करने वाले प्रतिभागियों में फ्री-रैडिकल के उत्पादन में भारी कमी देखी गई। इससे उनके आंत, फेफड़े और पेट के कैंसर का शिकार होने का जोखिम भी काफी हद तक घट गया।

आइसक्रीम खाने से कम होता है तनाव और मोटापा

मौसम कोई भी आइसक्रीम खाने तो मजा ही कुछ और है। आइसक्रीम कई प्रकार के फ्लेवर में आती है जिसका टेस्ट बहुत यम्मी-यम्मी स्वाद होता है और आइसक्रीम का नाम सुनते ही बच्चों से लेकर बडों तक के मुंह में पानी आ जाता है। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि आइसक्रीम हमारी सेहत के लिए बहुत लाभकारी है। आइसक्रीम में विटामिन, कैल्शियम व प्रोटीन की भरपूर मात्रा होती है। एक रिसर्च के अनुसार सुबह-सुबह नाश्ते में आइसक्रीम खाना दिमाग के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य अच्छा रहता है। ये अध्ययन क्योंरीन यूनिवर्सिटटी के प्रोफेसर कोगा के सहयोग से की गई। जिसमें कहा गया है कि सुबह उठकर आइसक्रीम खाने से मानसिक तौर पर तनाव कम देखा गया। रिसर्च में एक ऐसे व्यक्ति के दिमाग की सक्रियता की तुलना की जिसे तुरंत सुबह उठने के बाद आइसक्रीम दी गई। इसके अलावा एक ऐसे व्यक्ति के ब्रेन की गतिविधियों को भी देखा गया जिसे सुबह नाश्ते में आइसक्रीम नहीं दी गई। अध्ययन में पता चला कि जिस व्यक्ति को सुबह आइस्क्रीम दी गई थी उसकी सक्रियता बेहतर थी। प्रोटीन-मिल्क के अन्य उत्पादों की तरह आइसक्रीम प्रोटीन का अच्छा स्त्रोत है। प्रोटीन से बॉडी के हर पार्टर्समांसपेशियां, त्वचा, हड्डियों, ब्लड के लिए लाभ होता है। प्रोटीन खाने से ऊतक और मांसपेशियां स्ट्रॉन्ग होती है। विटामिन स्त्रोत-आइसक्रीम में विटामिन ए, बी-2 और बी-12 खूब पाये जाते हैं। विटामिन ए, स्किन, बॉन्स, रोगप्रतिरोधक क्षमता के लिए बेस्ट होता है। विटामिन ए आंखों की रोशनी बढाता है। विटामिन ए से मजबूत हड्डियां, स्वस्थ त्वचा, स्वस्थ दांत, व आंखें, बाल की देखभाल विकास के लिए बहुत ही आवश्यक है इसकी एक संतुलित मात्रा शरीर में जानी चाहिए, क्योंकि यह शरीर में एकत्र होता रहता है यदि हमारे शरीर में विटामिन ए की अधिक मात्रा ऊतकों को आक्सीराइज्ड करती है तथा अधिक उम्र कारण बनती है व्यक्ति अपनी उम्र से अधिक दिखने लगता है। आइसक्रीम खाने से शरीर में कैल्शियम की मांग पूरी हो जाती है परन्तु कैल्शियम की शरीर में पूर्ति के लिए दूध के अलावा दूध से बने पदार्थ मक्खन, आइसक्रीम पनीर, दही आदि का सेवन करना चाहिए। कैल्शियम केवल हड्डियों के लिए नहीं होता है बल्कि यह मोटापा भी घटाता है।

गर्मियों में पहने ये फुटवियर

गर्मियों के मौसम में पैरों की देखभाल जरूरी है। स्टाइलिश होने के साथ ही सही फुटवियर पैरों के लिए बहुत जरूरी है। मेन्सवेयर लेदर शू ब्रांड के एग्रोस की चीफ एक्सपीरियंस ऑफिसर कनिका भाटिया और मोटेलो डोमानी गर्मियों में पैरों की देखभाल के कुछ टिप्स बता रहे हैं जिससे गर्मियों में भी आपके पैर दिख सकते हैं खूबसूरत।

- चमड़े से बने फुटवियर गर्मियों में पैरों के लिए ठीक रहते हैं। इससे पैरों से बदबू आने और इंफेक्शन होने की संभावना कम रहती है।
- एथलेटिक सैंडल और लोफर्स गर्मियों में सबसे ज्यादा उपयुक्त होते हैं क्योंकि इनके पहनने पर हल्का महसूस होता है।
- हल्के फ्लिप फ्लॉप स्लीपर गर्मियों में पहनने के लिए बेहतर होते हैं। फ्लिप फ्लॉप पहनने पर पैरों में होने वाले दर्द से बचने के लिए अच्छे सपोर्ट वाला फ्लिप फ्लॉप ही पहनें।
- इस मौसम में कई लोग एडवेंचर स्पोर्ट्स के शौकीन होते हैं, ऐसे में उनके लिए एथलेटिक सैंडल उपयुक्त रहेंगे।
- गर्मियों में स्टाइलिश दिखने के लिए आप क्लासिक ब्रोग्स (मोटे चमड़े वाला जूता) या ऑक्सफोर्ड जूते चुन सकते हैं। यह एक बेहतर विकल्प है।
- लोफर्स गर्मियों में एक कूल लुक देते हैं, जिसे दोनों कैजुअल और फॉर्मल कपड़ों के साथ इस मौसम में पहना जा सकता है।
- स्नीकर्स और एथलेटिक जूते इस मौसम के लिए जरूरी माने जाने लगे हैं। युवाओं के लिए रॉयल ब्लू रंग के स्नीकर्स बेहतर विकल्प हैं।

दमा के मरीज हैं तो खाने में शामिल करें यह आहार

भोजन न सिर्फ आपका पेट भरने का काम करता है, बल्कि यह आपको स्वस्थ बनाने में भी काफी मददगार होता है। अगर आप अपनी हेल्थ कंडीशन के हिसाब से आहार का चयन करते हैं तो आप बेहद आसानी से अपनी बहुत सी समस्याओं से बच सकते हैं। हम आपको कुछ ऐसे आहार के बारे में बता रहे हैं, जो आपकी समस्या से राहत दिलाने में काफी मददगार होते हैं-

ऐसे लोगों को विटामिन सी से भरपूर फूड को अपने आहार में शामिल करना चाहिए। इसमें भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं और यह एंटीऑक्सीडेंट सांस लेते समय बॉडी के अन्य अंगों को ऑक्सीजन पहुंचाने में मदद करते हैं और श्वसन संबंधी समस्याओं से लड़ने में मदद करता है। वहीं ओमेगा 3 फैटी एसिड भी फेफड़ों के लिए काफी अच्छे माने जाते हैं। यह फेफड़ों में होने वाली जलन, टिश्युओं को होने वाले नुकसान, सांस की तकलीफ और घरघराहट के लक्षणों से निजात दिलाता है। इसलिए आप ओमेगा 3 फैटी एसिड जैसे मछली व ड्राई फ्रूट्स जैसे अखरोट और अलसी को अपनी डाइट में विशेष जगह दें।

सफेद बाालें से यूं पाएं निजात

शरीर के अंदर मेलेनिन की कमी होने से आपकी अल्पायु में ही केश और दाढ़ी स्वेत/सफेद हो जाते है। इस दौर में यह प्रॉब्लम बहुत से लोगों को हो रही ही। इसका सबसे बड़ा कारण है कि मनुष्य का ज्यादा चिंता में रहना और मानसिक तनाव व बहुत ज्यादा सोचना। धूम्रपान भी इसका कारण हो सकता है। इनके अलावा खान पान भी इससे संबंध रखता है। आज आप जानेंगे कि कैसे काम उम्र में बाल सफेद होने की समस्या से निजात पाएं वो भी घरेलू उपाय से। इस उपाय के इस्तेमाल से यह समस्या धीरे धीरे समाप्त हो जाएगी।

प्रोटीन का कम होना भी बाल जल्दी पकने का कारण है। आंवला में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन और इसके अंदर और भी पोषक तत्व होते है।

इसके इस्तेमाल के लिए आप एक गिलास गुनगुने पानी के अंदर एक चम्मच भरके आंवला का पाउडर डाल दें और इन्हें अच्छी प्रकार से मिला लें। फिर इसको आप प्रातः और शाम भोजन के पश्चात सेवन करें।

अगर आपको अच्छा लगे तो एक दही के साथ भी आंवला का एक पाउडर मिलाके इसका पेस्ट बना लें। और फिर पेस्ट को आप प्रातः अपनी दाढ़ी पे लगाएं और तकरीबन एक घंटा यूं ही लगा रहने दें। फिर बाद में गुनगुने पानी के इस्तेमाल से धो दीजिये। आप इस उपाय का इस्तेमाल सप्ताह में 4 दिन जरूर करें।

रेसिपी

कटहल के कबाब

सामग्री

■ कटहल-1/2 किलो (उबला और मैश किया) ■ प्याज-3 (बारीक कटा) ■ टमाटर-1 (बारीक कटा) ■ बेसन-100 ग्राम ■ नींबू का रस-3 छोटे टीस्पून ■ जीरा पाउडर-2 छोटे टीस्पून ■ धनिया पाउडर- 2 छोटे टीस्पून ■ अदरक-लहसुन का पेस्ट-2 छोटे टीस्पून ■ जीरा-1 छोटा टीस्पून ■ गरम मसाला पाउडर-1 छोटा टीस्पून ■ तेल-आवश्यकतानुसार ■ नमक-स्वादानुसार

विधि

सबसे पहले कढ़ाही में दो चम्मच तेल डाल कर गर्म करें। तेल गर्म होने पर उसमें जीरा और हरी मिर्च डालें। जब जीरा चटकने तब इसमें प्याज डालकर गोल्डन होने तक फ्राई कर लें। इसके बाद इसमें टमाटर और नमक डाल कर टमाटर के नरम होने तक भून लें। इसके बाद इसमें अदरक- लहसुन का पेस्ट और सूखे मसालें डालकर धीमी आंच पर दो मिनट तक भून लें। फिर इसमें बेसन डालें और धीमी आंच पर लगभग 10 मिनट तक भून लें। फिर इसमें मैश किया हुआ कटहल और नींबू का रस डालकर अच्छी तरह से मिक्स करके एक मिनट तक पका कर गैस बंद कर दें। जब मिक्सचर ठंडा हो जाए तब इसे फिर से हाथों से अच्छी तरह से मिक्स कर लें और उसके छोटे-छोटे बॉल्स बनाकर मनचाहा शेप दे दें। उसके बाद कढ़ाही में तेल गर्म करें और सभी बॉल्स को तेल में डीप फाई कर लें। इन्हें सर्विंग प्लेट में निकालें और मनपसंद चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

सूपी पास्ता

सामग्री

■ पास्ता- 1 कटोरी उबला हुआ ■ प्याज- 1 छोटे टुकड़ों में कटे हुए ■ टमाटर - 1 बारीक कटा हुआ ■ गाजर- 1/4 कप ■ शिमला मिर्च- 1 चौथाई कप ■ मशरूम- 2 बारीक कटी ■ पत्ता गोभी- 1/2 कप ■ पास्ता पिजा सॉस-2 टेबलस्पून ■ हरा धनिया बारीक कटा ■ काली मिर्च पाउडर- 1/2 टीस्पून ■ नमक- स्वादानुसार ■ कॉर्न फ्लोर- 1 टेबलस्पून ■ बटर- 2 टेबलस्पून

विधि

एक पैन में बटर डालकर गर्म करें। अब इसमें लहसुन डालकर 30 सेकंड तक भूनें फिर इसमें प्याज डालकर एक मिनट चलाते हुए फ्राई कर लें। गोल्डेन ब्राउन होने पर सारी सब्जियों को पैन में चलाते हुए मीडियम आंच पर पकाएं। थोड़ा सा नमक और तकरीबन 1/2 लीटर पानी डाल दें। अब इसमें पिज्जा सॉस डालें। पानी में अच्छी तरह मिक्स हो जाने के बाद इसमें उबला हुआ पास्ता डालकर अच्छे से मिला लें। 2-3 मिनट उबलने के बाद इसमें काली मिर्च पाउडर डाल दें। कॉर्न फ्लोर मे पानी डालकर इसका घोल बनाएं और इस घोल को पास्ते में डालकर मिलाएं। मीडियम आंच पर 2 मिनट और पकाएं। तैयार है आपका टेस्टी सूपी पास्ता।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
लेन-देन में स्पष्टता बनाये रखें। घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। राजकीय कार्यों से लाभ। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-3-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आज की सुविधा कल नहीं मिल पायेगी, लाभ उठाएं। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। शुभ कार्यों में व्यय होगा। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
अपना कार्य दूसरों के सहयोग से बना लेंगे। मित्रों की उपेक्षा करना ठीक नहीं रहेगा। नौकरी के क्षेत्र में कुछ उलझनें रहेंगी। यश में वृद्धि व शिक्षा में परेशानी आ सकती है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यापार में वृद्धि होगी। मेहमानों का आगमन होगा। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-3-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। कारोबारी यात्रा सफल होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। बुद्धि, बल व पराक्रम सफल होगा। व्यापार में वृद्धि व लाभ मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-2-4-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। संतान पक्ष की समस्या खत्म होगी। अपने काम पर नजर रखिए। स्वभाव में सौम्यता आपकी मदद करेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। पर प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। कारोबारी काम में बाधा बनी रहेगी। धन लाभ की संभावना। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
जो चल रहा है उसे सावधानीपूर्वक संभालें। मायूस न हो समय चक्र है। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। कार्यक्षेत्र में आगे बढ़ने में रुकावट का एहसास होगा। पारिवारिक परेशानी बढ़ेगी। धन लेन-देन में सतर्क रहें। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
परिवार में मांगलिक कार्यों का आयोजन होगा। वैवाहिक जीवन में प्रेम-प्रीति बढ़ेगी। जीवन साथी से संबंधों में मिठास बढ़ेगी। राजकीय सम्मान प्राप्त होने के योग हैं। शांतिपूर्वक कार्य करें, जान है तो जहान है अत: वाहन आदि चलाने में सावधानी बरतें। अपना कार्य स्वयं करें, किसी के भरोसे न रहें। शुभांक-2-6-9

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
नये लोगों से मेल-मिलाप भविष्य में लाभदायक सिद्ध होगा। स्वयं पर विश्वास कार्यों की सिद्धि है। घर तथा व्यावसाय को एक-दूसरे से दूर ही रखें। व्यापारिक संबंधों में प्रगति के योग है। कार्य स्थल पर नियमपूर्वक व्यवहार लाभकारी होगा। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। शुभांक-6-8-9

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
धन के लेन-देन में सतर्क रहें। बातचीत में संयम बरतें। मन में चंचलता बढ़ेगी। भावुकतावश निर्णय न लें। कर्ज देने से बचें। मानसिक व्यथा व संतान के कारण परेशानी होगी। माता-पिता के स्वास्थ्य में गिरावट से चिंता रहेगी। कला क्षेत्र के जातकों को मेहनत के बाद सफलता मिलेगी। शुभांक-4-7-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
सरकारी पक्ष से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल रहेगा। पुराना विवाद समाप्त होगा। आर्थिक मजबूती हेतु मन केन्द्रित होगा। मिल रहे अवसरों का लाभ उठाएं। आर्थिक योजनाएं फलित होंगी। स्त्री, संतान, मित्र के साथ मनोविनोद बढ़ेंगे। बकाया धन की प्राप्ति के योग हैं। शुभांक-3-6-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
आय के नये स्त्रोत बनेंगे। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थों की प्राप्ति होगी। लम्बे प्रवास व चुनौती पूर्ण कार्यों का सामना हो सकता है। व्यवसायिक क्षेत्र में आपकी मेहनत व लगन की परीक्षा होगी। महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति होगी। शुभांक-2-4-7

हंसी के फूव्वारें

एक महिला दूसरी महिला से बोली- 'मेरे पति की याददाश्त बहुत कमजोर है.'

'वह कैसे ?'

'एक बार मैं चाट खाने गई तो देखा कि पतिदेव वहां पहले से ही जमे हुए हैं. मैंने जब उनका ध्यान अपनी ओर दिलाया तो बोले-'बहन जी! आपको पहले भी कहीं देखा है. पर कहां, यह ठीक से याद नहीं पड़ रहा.'

'बस ?' दूसरी महिला हंसती हुई बोली-'मेरे पति की याददाश्त तुम्हारे पति से भी ज्यादा कमजोर है.'

'तुम भी सुनाओ !'

'एक बार मैं उनके साथ फिल्म देखने गई. फिल्म देखने के बाद वे मुझे एक ओर खड़ा करके स्कूटर लेने चले गये. जब उन्हें गये काफी देर हो गई तो मैं अकेली ही घर पहुंच गई. मेरे दरवाजा खटखटाने पर दरवाजा उन्होंने खोला तो जानती हो बहन उन्होंने क्या पूछा ?'

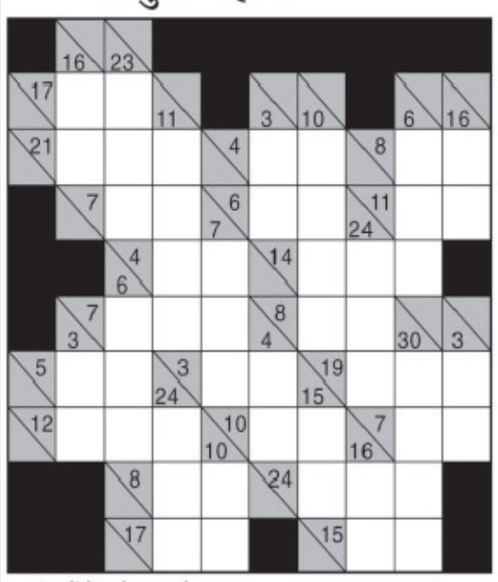

'क्या पूछा ?'

'यही कि इतनी रात गये मैं कहां से आ रही हूँ.'

□ □ □

एक दोस्त ने दूसरे से कहा- 'यार! यह सुरेश भी साला अजीब इन्सान है. जब देखो कड़की में ही मिलता है.'

'क्यों ? क्या वह तुमसे पैसे मांगने आया था ?' मित्र ने पूछा.

'नहीं ! लेकिन मैं जब कभी भी उससे पैसे मांगने जाता हूँ, वह एक ही जवाब देता है-'मेरे पास पैसे नहीं हैं'.'

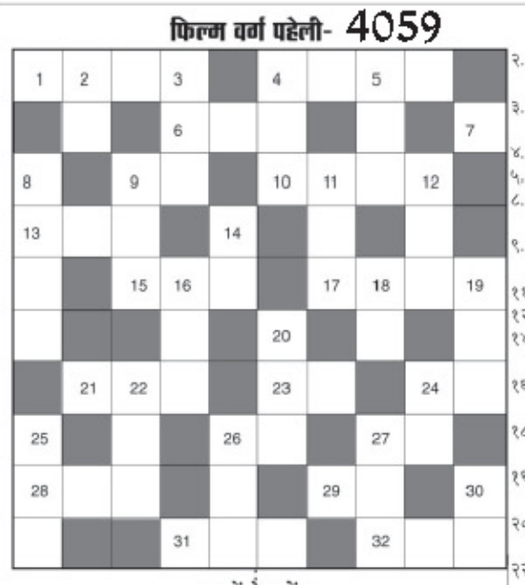

काकुरो पहेली - 4059

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

1+2+3+4+5+6= 21
1+2+3+4+5+7= 22
3+5+6+7+8+9= 38
4+5+6+7+8+9= 39

काकुरो - 4058 का हल

फिल्म वर्ग पहेली- 4059

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लकी अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७. शाहरुख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नहीं' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचले नचले' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका ?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्वाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५. विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 4058

सूडोकु -4059

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

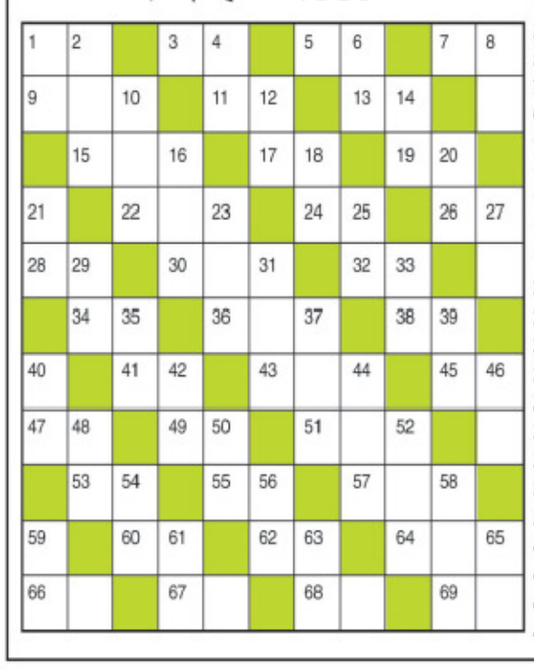

सूडोकु -4058 । हल

शब्द पहेली -4059

बाएँ से दाएँ

1.होठ,अधर-2
3.बड़ी सवारी गाड़ी-2
5.डोर-2
7.हरे रंग का-2
9.शक,संदेह-3
11.विस्फोटक -2
13.बड़ी नाली-2
15.नमस्कार,नमस्ते-3
17.प्राण-2
19.लक्ष्मी,कमला-2
22.बल,दम-3
24.ठाठ-बाट-2
26.पिता-2
28.कसर-2
30.कुमारी,तरुणी-3
32.जी,चित-2
34.नाखून-2
36.पढ़ने वाला-3
38.उद्देश्य-2
41.मोटा आटा-2
43.नामित-3
45.नर का बिलोम-2
47.उर्वरक-2
49.भीगा हुआ-2
51.गिरवी वस्तु-3
53.मनमौजी-2
55.सम्मान-2
57.ले जाने वाला-3
60.आनंद,मजा-2
62.दोस्त,सखा-2
64.निर्माण-3
66.सदैव,हमेशा-2
67.नेत्र,नयन-2
68.आकाश,गगन-2
69.लाख,गोंद-2

ऊपर से नीचे

1.प्यार (अंग्रेजी-2)
2.भगिनी,दीदी-3
4.सभी-2
6.गीत गायन-2
8.मार्ग,रास्ता-2
10.मां का दुलार-3
12.आनंद,रस-2
14.थूक,लेस-2
16.अनुकृति-3
18.सरुर,खुमार-2
20.मां,मदर-2
21.घ्राणेंद्रिय-2
23.चरण तल-3
25.भीगा हुआ-2
27.देह,काया-2
29.मछली-2
31.नृत्य करना-3
33.टोंटी,नलका-2
35.गधा,गर्दभ-2
37.कटि-3
39.माफी-2
40.दोस्त,मित्र-2
42.वायु,गैस-2
44.कॉफी-3
46.मूल्य-2
48.जोर,बल-2
50.लक्ष्मी-2
52.जलमार्ग-3
54.स्थिति-2
56.नवीन-2
58.कूड़ा-3
59.नौकर-2
61.सत्य-2
63.दौड़ना-2
65.गर्भनाड़ी-2

शब्द पहेली -4058 का हल

पुणे में गैस चोरी करते समय सिलेंडर में विस्फोट से लगी आग, कोई हताहत नहीं

एजेंसी

मुंबई। पुणे जिले में स्थित चाकण-शिक्रापुर रोड पर शेल पिंपलगांव में रविवार को सुबह गैस चोरी करते समय सिलेंडर में विस्फोट हो गया। इसके बाद आग लगने से होटल सहित कई वाहन जलकर खाक हो गए। फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया है। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मामले की छानबीन चाकण पुलिस कर रही है।

पुलिस के अनुसार आज सुबह शेल पिंपलगांव में एक होटल के सामने गैस के बड़े कंटेनर से कुछ लोग घरेलू और वाणिज्यिक सिलेंडर भर रहे थे। इसी दौरान अचानक एक के बाद एक इस तरह करीब चार सिलेंडरों में विस्फोट हो गया। गैस सिलेंडर में विस्फोट होते ही गैस की चोरी करने वाले घटनास्थल से भाग गए, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ।

विस्फोट के बाद आग लगने से पार्क किए वाहनों और होटल में आग लग गई। घटना की जानकारी मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची आग बुझा पर काबू पाया है। चाकण पुलिस स्टेशन की टीम यहां गैस चोरी करने वालों की तलाश कर रही है।

नोएडा में एक होटल में लगी आग, महिला की मौत,कई घायल

नोएडा। नोएडा के सेक्टर-104 स्थित एक होटल में आग लगने से एक महिला (27) की मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति की हालत गंभीर है। अधिकारियों ने रविवार को बताया, सेक्टर-104 स्थित हाजीपुर गांव में शनिवार को मून होटल की चौथी मंजिल पर आग लग गई थी। सूचना मिलने पर सेक्टर-39 थाने की एक टीम मौके पर पहुंची। आग का धुआं होटल की छठी मंजिल तक पहुंच गया था। आग काबू पाने के बाद, छठी मंजिल पर स्थित एक कमरे में फंसे दिल्ली के मयूर विहार (फेज-1) निवासी तरुण कुमार (26) और सेक्टर-46 निवासी पलक को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। अधिकारी ने कहा कि इलाज के दौरान डॉक्टरों ने पलक को मृत घोषित कर दिया।तरुण कुमार की हालत गंभीर बनी हुई है। तरुण पेशे से इंजीनियर है, जबकि पलक फिजियोथेरेपिस्ट थी।

12 बूथों पर मतदान कराएंगी महिला कर्मी

रामगढ़। लोकसभा चुनाव के दौरान रामगढ़ जिले में 12 महिला बूथ बनाए गए हैं। इन सभी स्थानों पर महिला कर्मचारी ही मतदान कार्य को संपन्न कराएंगी। रामगढ़ कॉलेज में बनाए गए डिस्पैच सेंटर से रविवार को सभी महिला कर्मचारियों को ईवीएम के साथ रवाना किया गया। इस दौरान कई महिला कर्मचारियों ने चुनाव कार्य के लिए चुने जाने पर खुशी जाहिर की। ईवीएम के साथ रवाना हुई निहारिका कुशवाहा ने कहा कि उन्हें चुनाव कराने के लिए चुना गया है, इसकी उन्हें काफी खुशी है। आज वह पूरी पोलिंग पार्टी के साथ रवाना हो रही है। उनके जैसे 12 टीमें बनाई गई हैं। महिलाओं में खुशी इस बात की भी है कि मतदान केंद्र पर सुविधाओं का इंतजाम किया गया है। चुनाव में उनका शामिल होना सौभाग्य की बात है। उनके मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए भी काफी सारी सुविधाएं हैं। पेयजल, शौचालय, शेड, रैंप आदि की व्यवस्था की गई है। इसके अलावा मतदान केंद्रों पर आसानी से वोट पड़े इसके लिए सुरक्षा के भी इंतजाम किए गए हैं।

30 किलो गांजे के साथ तीन महिला तस्कर चढ़ी आरपीएफ के हत्थे

रांची। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने हटिया रेलवे स्टेशन से 34.50 लाख के गांजा के साथ तीन महिला को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में बिंदु देवी, उर्मिला देवी, टेत्तरी देवी शामिल है। तीनों बिहार के भभूआ और कैमूर के रहने वाले है। आरपीएफ ने रविवार को बताया कि रांची मंडल के सुरक्षा आयुक्त पवन कुमार के जरिये बनाई गई फ्लाइंग टीम ने यह कार्रवाई की है। हटिया रेलवे स्टेशन पर चेकिंग के दौरान तीन महिला को बैग के साथ संदिग्ध तरीके से बैठे हुए देखा । संदेह के आधार बैग की जांच करने पर भारी मात्रा में गांजा बरामद किया गया। मामले की सूचना मिलते ही आरपीएफ के सहायक सुरक्षा आयुक्त अशोक कुमार सिंह मौके पर उपस्थित हुए । जांच के दौरान 69 किलो गांजा बरामद किया गया। बरामद गांजा का बाजार मूल्य 34 लाख 50 हजार बताया गया। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि वे इसे आन्ध्र प्रदेश से लेकर हटिया पहुंचे और अपने निजी लाभ के लिए ऊंची कीमत पर बिहार में बेचा जाना था।

एकनाथ शिंदे को साल 2019 में सीएम नहीं बनाना चाहती थीं एनसीपी और भाजपा, संजय राउत का बड़ा दावा

एजेंसी

मुंबई। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना के नेता संजय राउत ने एकनाथ शिंदे के मुख्यमंत्री पद को लेकर बड़ा खुलासा किया है। राउत के दावे के मुताबिक, मौजूदा सरकार में शामिल भाजपा और एनसीपी के नेता साल 2019 में एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री नहीं बनाना चाहते थे।

कोई नेता अनुभवहीन व्यक्ति के अंदर काम नहीं करना चाहता था

राउत ने संवाददाताओं से बात करते हुए यह भी दावा किया कि अजित पवार, दिलीप वलसे पाटिल और सुनील तटकरे जैसे एनसीपी नेताओं ने मुख्यमंत्री पद के लिए शिंदे के नाम का विरोध किया था और कहा था कि वे उनके जैसे कनिष्ठ और अनुभवहीन व्यक्ति के अंदर काम नहीं करेंगे।

शिंदे मुख्यमंत्री के रूप में पसंद नहीं

राज्यसभा सदस्य ने कहा, कांग्रेस और एनसीपी का कहना था कि उनके पास कई वरिष्ठ नेता हैं। गठबंधन का नेता ऐसा होना चाहिए जो अनुभवी, वरिष्ठ हो तथा सबको साथ लेकर चल सके। वहीं, सरकार बनाने के लिए शिवसेना ने महा विकास अघाड़ी के तौर पर कांग्रेस और एनसीपी से हाथ मिलाया था। लेकिन हाथ मिलाने से पहले ही देवेंद्र फडणवीस, गिरीश महाजन और सुधीर मुनगंटीवार जैसे भाजपा नेताओं ने शिवसेना से कहा था कि वे शिंदे को मुख्यमंत्री के रूप में पसंद नहीं करेंगे।

ठाकरे एकनाथ शिंदे को सीएम बनाना चाहते थे

संजय राउत यहीं नई रुके उन्होंने कहा कि जब महा विकास आघाडी में शिवसेना को मुख्यमंत्री बनाने का मौका मिला, तब उद्धव ठाकरे एकनाथ शिंदे को सीएम बनाना चाहते थे। उस दौरान भाजपा ने कहा था कि वह शिंदे को गठबंधन के मुख्यमंत्री के रूप में नहीं देखना चाहती। शिंदे को विधायक दल का नेता नियुक्त किया गया था और वह मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार हो सकते थे। लेकिन तब कोई भी उन्हें सीएम नहीं बनाना चाहता था।

सांसद संजय राउत ने कहा कि शरद पवार और राहुल गांधी को लगता है कि महा विकास अघाड़ी को ऐसा नेता चुनना चाहिए जिसके पास तीनों दलों का समर्थन हो।

भाजपा से संबंध तोड़ लिए थे : राज्य में 2019 के विधानसभा चुनाव के बाद ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने अपनी सहयोगी भाजपा से संबंध तोड़ लिए थे। ठाकरे ने बाद में राज्य में सरकार बनाने के लिए एनसीपी (तब अविभाजित) और कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था। साल 2022 में, शिंदे ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ विद्रोह किया, जिसके कारण पार्टी में बंटवारा हो गया। इसके बाद शिंदे ने भाजपा के साथ सरकार बनाई।

ऋषिकेश आए टूरिस्ट के साथ राफ्टिंग गाइड और उसके साथियों ने की मारपीट

ऋषिकेश। ऋषिकेश आए टूरिस्ट के साथ राफ्टिंग गाइड और उसके साथियों की ओर से मारपीट किए जाने के मामले में थाना मुनि की रेती में राफ्टिंग कर्मियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

मुनि की रेती थाना प्रभारी रितेश शाह ने बताया कि महेश पुत्र बीमा राव निवासी चाणक्य पैलेस उत्तमनगर देहली जो कि अपने 11 साथियों के साथ खाराश्रोत से राफ्टिंग करने शिवपूरी आया था, उसने हिमालय डिस्कवरी से राफ्ट बुक की थी उसके गाइड रवि, हेल्पर मोनू से उनकी किसी बात को लेकर शिवपुरी राफ्टिंग पॉइंट में बहस हो गयी। इस दौरान गाइड और हेल्पर ने अपने साथियों अमन उर्फ़ अभिषेक, भूपेन्द्र भंडारी और अंबुज तिवारी व अन्य राफ्टिंग वालों की ओर से इनके साथ मारपीट की गई। इसके संबंध में उपरोक्त राफ्टिंग कर्मियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

उत्तर प्रदेश में 22 मई तक गर्मी से राहत नहीं, लू की बनी हुई है संभावना

एजेंसी

कानपुर। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि कानपुर मंडल सहित पूरे उत्तर प्रदेश में कहीं-कोई मौसमी सिस्टम नहीं दिखाई दे रहा है। जिससे 22 मई तक भीषण गर्मी और लू की संभावना अधिक बनी हुई है।

चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के मौसम वैज्ञानिक डॉ.एस.एन.सुनील पांडेय ने बताया कि कानपुर मंडल समेत पूरे उत्तर प्रदेश में कहीं भी, कोई भी मौसमी सिस्टम नहीं दिखाई दे रहा है, और पश्चिमी हवाएं जो धर्मस्थल एवं राजस्थान से होकर आ रही है। वह पूरी गंगा के मैदानी भागों में, बिहार बंगाल तक अपना असर दिखाएगा, जिससे तापमान भी बढ़ेगा और भीषण गर्मी पड़ने की संभावना के साथ ही लू चलने की संभावना बनी हुई है। डॉ.पांडेय ने जनमानस से अपील किया है कि भीषण गर्मी की संभावना को देखते हुए दिन में दस बजे से दो बजे के बीच घरों से न निकले और बच्चे, बूढ़े एवं बीमार लोगों तो कत्तई न घर से बाहर जाएं। यदि निकला बहुत जरूरी है तो पानी पीकर निकले, पानी लेकर निकले, टोपी, गमछा एवं छाता लेकर निकले। इसके साथ ही यह भी जरूरी है कि अपने आप को अधिक समय छाये में रहे और धूप से बचाव करना बहुत आवश्यक है।

बिजनौर में पटाखा फैक्ट्री में लगी आग, एक की मौत, पांच लोग गंभीर रूप से झुलसे

एजेंसी

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में हल्दौर थाना क्षेत्र के गांव गंगोड़ा जट के पास एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार को आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि पांच लोग गंभीर रूप से झुलस गए। पुलिस के अनुसार, हादसे के सूचना पर दमकल की कई गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। शहर पुलिस अधीक्षक संजीव वाजपेयी ने बताया कि हल्दौर थाना क्षेत्र के गंगोड़ा जट के पास एक पटाखा फैक्ट्री में रविवार सुबह 8: 30 बजे अचानक आग लग गई और देखते ही देखते आग ने उग्र रूप धारण कर लिया। आग की लपटों और बारूद में हुए धमाकों से पूरा इलाका दहल गया।

अधिकारी ने बताया कि स्थानीय लोगों ने हल्दौर पुलिस को आग लगने की सूचना दी। पुलिस और दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग को बुझाने का अभियान शुरू किया। वहां मौजूद स्थानीय लोगों ने भी पानी और मिट्टी से आग बुझाने में मदद की। एएसपी ने बताया कि हादसे के वक्त फैक्ट्री में छह लोग मौजूद थे। आग लगते ही वे बाहर की तरफ भागे। सभी छह लोग गंभीर रूप से झुलसकर घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां 35 वर्षीय अमित को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। अन्य घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। उन्होंने कहा कि पुलिस आग लगने के कारणों की हर पहलू से घटना की जांच कर रही है।

आगरा में जूता कारोबारी के यहां 40 करोड़ मिले, आईटी अफसर भी रह गए हैरान

एजेंसी

आगरा। उत्तर प्रदेश में ताज नगरी आगरा में आयकर विभाग की छापेमारी में जूता कारोबारी के यहां रविवार सुबह तक 40 करोड़ रुपये की नकदी जब्त की गई है। रकम की गिनती अभी जारी है और अनुमान लगाया जा रहा है कि यह गिनती 50 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। नोटों को गिनने में मशीनों और बैंक कर्मियों की भी मदद ली गई है।

विभाग ने शनिवार को शहर के तीन जूता कारोबारियों के यहां छापे की कार्रवाई शुरू की थी। एमजी रोड स्थित बीके शूज, ढाकरान स्थित मंशु फुटवियर और हींग की मंडी स्थित हरमिलाप ट्रेडर्स के 14 परिसरों पर इन्वेस्टिगेशन विंग की टीमों ने एकसाथ कार्रवाई शुरू की। इन व्यापारियों के आवास, कार्यालय, फैक्ट्री व गोदाम आदि परिसरों से जांच टीमों ने टैक्स में हेराफेरी के कई जरूरी दस्तावेज जब्त किये।

विभागीय सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान हरमिलाप ट्रेडर्स के यहां से करोड़ों रुपये की नकदी बरामद की गई। इस फर्म से इतनी बड़ी नकदी की बरामदगी की उम्मीद नहीं थी। नोटों के ढेर को देख कर जांच टीम ने अपने वरिष्ठों को जानकारी दी और उनके निर्देश पर नकदी को कब्जे में लेकर गिनती शुरू कराई। अधिक रकम होने के कारण शनिवार की शाम से स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के कर्मचारियों और नोट गिनने वाली मशीनों की मदद ली गई। देर रात तक नोटों की गिनती 40 करोड़ रुपये से अधिक पहुंच गई थी। अनुमान लगाया जा रहा है कि यह गिनती पचास करोड़ रुपये से अधिक पहुंच सकती है। हरमिलाप ट्रेडर्स यह फर्म हींग की मंडी की पुरानी फर्मों में गिनी जाती है और इनके यहां व्यापारिक पर्चों के लेन-देन का भी काम होता है। उधर दो अन्य जूता कारोबारियों की फर्म बीके शूज और मंशु फुटवियर पर भी आयकर विभाग की जांच-पड़ताल जारी है। जांच टीमों ने दिनों फर्मों से टैक्स में हेरफेर और आय से अधिक संपत्ति संबंधी दस्तावेज अपने कब्जे में ले लिए हैं। सभी जगह पुलिस का पहरा है, किसी बाहरी व्यक्ति का आवागमन निषेध कर दिया गया है। छापे की कार्रवाई दो-तीन दिन जारी रहने की संभावना है।

उत्तराखंड में 200 मीटर गहरी खाई में गिरी अनियंत्रित पिकअप, चालक की मौत

एजेंसी

देहरादून। बागेश्वर जनपद के तोली बगर मार्ग पर रविवार को एक अनियंत्रित पिकअप 200 मीटर गहरे खाई में जा गिरा और चालक की मौत हो गई।

दरअसल, पिकअप वाहन कपकोट से ग्राम तोली की ओर जाते समय अचानक अनियंत्रित होकर खाई में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आपदा कंट्रोल रूम

बागेश्वर की सूचना पर पहुंची एसडीआरएफ टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए रोप की सहायता से लगभग 200 मीटर नीचे गहरी खाई में उतरकर पिकअप वाहन तक पहुंच बनाई। पिकअप चालक की मौके पर ही मृत्यु हो चुकी थी। गनीमत था कि पिकअप वाहन पर अन्य कोई व्यक्ति नहीं सवार था। एसडीआरएफ टीम ने मृत चालक के शव को खाई से बाहर निकालकर पुलिस के सुपर्द किया। एसडीआरएफ उप निरीक्षक राजेंद्र सिंह ने बताया कि मृतक व्यक्ति का नाम भास्कर सिंह (26) पुत्र खिलाफ सिंह निवासी ग्राम तोली जिला बागेश्वर है।

सोते परिवार पर आधी रात गिरी छत, मां-बेटी की मौत

एजेंसी

भीलवाड़ा। बड़लियास इलाके में घर में सो रहे परिवार पर अचानक छत भराभराकर आ गिरी। मां-बेटी की मौत हो गई। दूसरी बेटी घायल हो गई। पति बाल-बाल बच गया। लाइट नहीं होने के कारण घटना से कुछ ही क्षण पहले पति बाहर टहलने निकला था। बड़लियास के रहने वाले भैरूसिंह (45) ने बताया कि शनिवार रात खाना खाकर मैं, पत्नी राधा (40), बड़ी बेटी सपना (13) और छोटी बेटी गणी (8) रात 10 बजे बरामदे में सोए थे। आजकल गांव में बिजली कटौती चल रही है। रात 12 बजे अक्सर लाइट चली जाती है। इसलिए कुछ दिन से घर के बरामदे में ही पूरा परिवार सो रहा है, ताकि ज्यादा गर्मी न लगे। भैरू सिंह के अनुसार रात 12 बजे के करीब बिजली चली गई। पत्नी और बेटियां सो रही थीं। मेरी आंख खुली। मुझे बेचैनी हुई तो मैं बरामदे से निकल कर घर के सामने टहलने लगा। लाइट जाने के कारण पूरा मोहल्ला अंधेरे में डूबा था। पांच मिनट बाद ही तेज धमाका हुआ और मकान का बरामदा धराशायी हो गया। इसके साथ-साथ सीढ़ियां भी ध्वस्त हो गईं। छत की पट्टियां और मलबा पत्नी और बेटियों पर आ गिरा। मैं चीखने लगा। किसी तरह एक बेटी को मलबे से निकाला। मोहल्ले के लोग भी जुट गए। लोगों ने अपने स्तर पर टॉर्च आदि से उजाला किया और बचाव की कोशिश की। अंधेरा होने के कारण लोगों को राहत बचाव कार्य में परेशानी का सामना करना पड़ा। देर रात सरपंच प्रकाश चंद्र रेगर व पंचायत समिति सदस्य दिलीप सिंह भी मौके पर पहुंचे। बड़लियास थाना इंचार्ज सिद्धार्थ प्रजापत ने बताया कि पत्नी और बड़ी बेटी पूरी तरह मलबे में दब चुकी थीं।

आजमगढ़ में सपा के लोग आए हैं पिकनिक मनाने, बचकर रहना पहचानेंगे भी नहीं : योगी

एजेंसी

आजमगढ़। आजमगढ़ लोकसभा के मेंहनगर विधानसभा के खरिहानी में रविवार को आयोजित जनसभा में प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि चार चरण के चुनव संपन्न हो गया है। पांचवा कल संपन्न होगा और छठे चरण में आजमगढ़ की जनता जनार्दन को भी अपना प्रतिनिधि चुनना है। चार चरणों के चुनाव के परिणाम व रूझान इस बात को बताते हैं कि विपक्ष के अंदर मची खलबली, बौखलाहट, उनकी हार को स्पष्ट प्रदर्शित करता है। पूरे देश के अंदर एक आवाज आ रही है एक ही भाव सर्वत्र दिखाई दे रहा है, वह है फिर एक बार मोदी सरकार। अबकी बार चार सौ पार।

मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि जब चार सौ पार की बात होती है तो कांग्रेस, सपा और बसपा की हालत खराब होती है। उनके चेहरे की हवा उड़ जाते हैं। फिर पूछते हैं चार सौ पार कैसे होगा। तो जनता की ओर से आवाज आती है जो राम को लाए हैं

हम उनको लायेंगें।

जिन लोगों ने विकास को बाधित किया उन्हें जवाब देने का सर्वोत्तम समय

सीएम योगी ने कहा कि यह चुनाव राम भक्तों और रामद्रोहियों के बीच में जाकर सिमट गया है। जिन लोगों ने आपके सामने पहचान का संकट खड़ा किया था, जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा में सेंध लगाई, जिन्होंने हमारे आराध्य देवों को अपवित्र करने का कुत्सीत प्रयास किया था। जिन लोगों ने विकास को बाधित किया था। उनको जबाव देने का सर्वोत्तम माध्यम है।

सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी लोग आज यहां आए हैं। जब यहां से चुनाव के बाद जायेंगे तो आपको पहचानेंगे भी नहीं। क्योंकि वो तो बड़े लोग हैं। यहां पिकनिक मनाने चले आए हैं। चुनाव बाद कोई इग्लैंड घुमेगा तो कोई कूल्लू मनाली तो कोई कहीं और भागेगा। उन्होंने कहा कि सपा को आपसे क्या लेना देना है। ये लोग चुनाव में सिर्फ पिकनिक मनाने के लिए आजमगढ़ आ गए हैं। उनको विकास से भी कोई लेना देना नहीं है। क्योंकि सपा की सरकार के समय में जितनी लूट खसोट करनी थी, वे लोग कर चुके हैं। अब तो उसको निकालने की बारी आ रही है। इसलिए आजमगढ़ को एक बार सब घेराबंदी करने का प्रयास करेंगे, लेकिन आप थोड़ा बचके रहना। अपने बीच के निरहुआ को चुनाव जीताकर भेजना।

उन्होंने कहा कि आजमगढ़ में इसलिए आया हूं कि निरहुआ ने मात्र दो वर्ष के अंदर आजमगढ़ की तस्वीर और तकदीर बदलने के लिए पूरा प्रयास किया जो यहां दिखाई भी देता है। आजमगढ़ में फोर लेन व टू लेन की कनेक्टविटी है। आजमगढ़ में महाराजा सुहेलदेव के नाम पर विश्वविद्यालय भी बन गया है। संगीत महाविद्यालय का निर्माण हो रहा है, एयरपोर्ट का निर्माण हो गया है और अब आजमगढ़ को शक और अविश्वास की नजरों से नहीं देखते। बल्कि आजमगढ़ की पहचान भोजपुरी के सुपर स्टार निरहुआ के संसदीय क्षेत्र के रूप में हो गई है।

कांग्रेस का न्याय पत्र जनता के लिए फिक्स डिपॉजिट- कमलनाथ

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने लोकसभा चुनाव के लिए कांग्रेस की ओर से जारी किए गए 'न्याय पत्र' को देश की जनता के लिए फिक्स डिपॉजिट बताया है।

कमल नाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ÷कांग्रेस पार्टी का न्याय पत्र देश की जनता के लिए ऐसा फिक्स डिपॉज़िट है, जिसमें जनता आज अपना वोट जमा कर रही है और आने वाले कई वर्ष तक कई गुना रिटर्न्स प्राप्त करती रहेगी।

कांग्रेस के 'न्याय पत्र' में किए गए वादों का जिक्र करते हुए कमलनाथ ने लिखा, आपका एक वोट नौजवानों को 30 लाख सरकारी नौकरियां, स्नातकों को 8,500 रुपए प्रतिमाह स्टाइपेंड, गरीब महिलाओं को हर वर्ष एक लाख रुपए, किसानों को एमएसपी की गारंटी और देश के नागरिकों को हर महीने 10 किलो मुफ्त राशन दिला सकता है। उन्होंने आगे लिखा, आपका एक वोट जातिगत जनगणना के आधार पर सामाजिक न्याय सुनिश्चित कर

सकता है। आपका एक वोट संविधान बदलने की साजिश करने वालों को सबक सिखा सकता है। आपका यह वोट सिर्फ कांग्रेस पार्टी या इंडिया गठबंधन के लिए नहीं है, बल्कि आपके वर्तमान और आपके बच्चों के भविष्य के लिए है। देश की जनता ने इस लोकसभा चुनाव को भविष्य निर्माण और राष्ट्र निर्माण का चुनाव बना दिया है।

मध्य प्रदेश में भीषण गर्मी से लोग बेहाल, दतिया में 47 डिग्री के पार पहुंचा तापमान

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। शनिवार को भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में लोग भीषण गर्मी से बेहाल रहे। प्रदेश में शनिवार को दतिया सबसे गर्म रहा। यहां पारा 47.2 डिग्री सेल्सियम पहुंच गया। वहीं, ग्वालियर में लगातार तीसरे दिन भी खूब तपा। यहां दिन का अधिकतम तापमान रिकॉर्ड 45 डिग्री पर पहुंच गया, जो इस सीजन का सबसे अधिक है। हालांकि, भीषण गर्मी के बीच सागर और विदिशा में तेज आंधी के साथ हल्की बारिश हुई।

भोपाल विभाग की मानें तो अलग-अलग स्थानों पर बनी मौसम प्रणालियों के असर से प्रदेश में कुछ शहरों में आंशिक बादल बने हुए हैं। आगामी 24 घंटों के दौरान तापमान बढ़ने के कारण भोपाल, जबलपुर, नर्मदापुरम, इंदौर एवं उज्जैन संभाग के जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। हालांकि, ग्वालियर, चंबल एवं सागर संभाग के जिलों में कहीं-कहीं लू चलने की भी संभावना है। मौसम का इस तरह का मिजाज रविवार को भी बना रह सकता है। सोमवार से गर्मी के तेवर कुछ और तीखे होने के भी आसार हैं।

भोपाल के मौसम विज्ञान केन्द्र से मिली जानकारी के अनुसार, शनिवार को प्रदेश में सबसे अधिक तापमान दतिया में 47.2 डिग्री सेल्सियम दर्ज किया गया। वहीं ग्वालियर में दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री पर पहुंच गया। यह ग्वालियर का इस सीजन का सबसे अधिक तापमान है। पिछले साल ग्वालियर में अधिकतम पारा 44.8 डिग्री तक ही गया था। इसके अलावा शनिवार को रतलाम, छतरपुर जिले का खजुराहो और नौगांव भी जमकर तपे। यहां पारा 44 डिग्री के पार रहा। वहीं, शाजापुर और गुना में पारा 43 डिग्री से अधिक दर्ज किया गया। भोपाल में 41.8 डिग्री, इंदौर में 41.3 डिग्री, जबलपुर में 40.3 डिग्री और उज्जैन में पारा 42.6 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, सागर, सीधी, शिवपुरी, नरसिंहपुर, धार, दमोह, खंडवा, सतना और टीकमगढ़ में तापमान 42 डिग्री या इससे अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने ग्वालियर-चंबल संभाग में हीट वेव, यानी गर्म हवाएं चलने का भी अनुमान जताया है।

सीएम धामी ने आईजी अरुण मोहन जोशी को दी बड़ी जिम्मेदारी, चारधाम यात्रा में आई भीड़ को करेंगें नियंत्रित

एजेंसी

देहरादून। उत्तराखंड की चारधाम यात्रा 2024 को शुरू हुए एक हफ्ता हो गया है। इस साल अभी तक मात्र एक हफ्ते में पिछले साल के मुकाबले दोगुनी संख्या में श्रद्धालु चारधाम यात्रा में दर्शन करने आ रहे हैं। जिसके कारण चारधाम यात्रा में श्रद्धालुओं को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात ये है कि यमुनोत्री गंगोत्री धाम में प्रशासन की व्यवस्था श्रद्धालुओं के लिए नाकाफी साबित हो रही है।

जिसके कारण खुद मुख्यमंत्री धामी ने ग्राउंड पर जाकर चारधाम यात्रा की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने श्रद्धालुओं की समस्याओं को सुना, साथ ही तमाम अधिकारियों को सख्त निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री धामी ने आईपीएस अधिकारी आईजी अरुण मोहन जोशी को यमुनोत्री गंगोत्री धाम की व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी सौंपी है। चारधाम यात्रा इस बार अत्यधिक भीड़ के कारण पुलिस और प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। ऐसे में व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखना आसान नहीं है। इन्हीं अव्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने आईजी अरुण मोहन जोशी को जिम्मा दिया है। आईजी अरुण मोहन जोशी ने कांवड़ और कोरोना काल में बेहतरीन कार्य किया था। इतना ही नहीं वे भीड़ नियंत्रण के मामले में भी खासा अनुभव रखते हैं। चारधाम यात्रा में कांवड़ जैसे बड़े आयोजन का अनुभव रखने वाले अफसर को जिम्मेदारी देने से उनके अनुभव का लाभ प्रशासन को मिल सकेगा।

रंगबिरंगे फूलों की घाटी मनाली

आग बरसाते जून के महीने में पहाड़ी वादियों की ठंडक तन और मन को बेहद आराम देती है। यदि आप ठंडे और शांत माहौल की तलाश में हैं तो भी मनाली आपको खूब भाएगा। यही सोचकर भारी संख्या में पर्यटकों ने **पहाड़ों का रुख कर लिया है। आप भी कहीं जाने की बात** सोच रहे हैं तो आपके लिए हिमाचल प्रदेश का मनाली एक अच्छी जगह साबित हो सकती है। आप एडवेंचर के शौकीन हैं तो आपके लिए यहां ट्रैकिंग, माउंटेनियरिंग, स्कीइंग, पैरा ग्लाइडिंग आदि की व्यवस्था मिल जाएगी।

प्रकृति ने मनाली को खुले हाथों से नूर बख्शा है। कुल्लू घाटी के प्रमुख पर्यटक स्थल मनाली में आकर हर कोई अपने आपको स्वर्ग में पाता है। हरी भरी वादियों ऊंचे-नीचे पहाड़ों पर दूर-दूर तक दिखाई देते देवदार के छोटे-बड़े पेड़ प्राकृतिक सौंदर्य को दोगुना कर देते हैं। इनके बीच घुमावदार पहाड़ी पगडंडियों पर चलते लोगों को देखकर खुद भी ट्रैकिंग का मन कर आता है।

दिल्ली से लगभग साढ़े पांच सौ किलोमीटर की दूरी पर स्थित मनाली को रंगबिरंगे फूलों की घाटी भी कहा जाता है। दिसंबर के महीने में यहां हरियाली दूर-दूर तक देखने को नहीं मिलती। कारण है कि पहाड़ों, पेड़ों और घरों पर बर्फ की सफेद चादर जो फैली होती है।

गर्मी के मौसम में यहां का तापमान 10 से 25 डिग्री सेल्सियस के बीच रहता है। लेकिन सर्दी के मौसम में ज्यादातर दिनों में सात डिग्री से नीचे पहुंच जाता है। यहां आने के लिए गर्मी के लिहाज से मार्च से जून और ठंड के लिहाज से अक्टूबर से फरवरी के महीने ज्यादा ठीक रहते हैं।

देखने लायक खास स्थल :

कुल्लू घाटी का असली सौंदर्य मनाली में ही देखने को मिलता है। यहां देखने और घूमने के लिहाज से बहुत से मशहूर स्थल हैं। यहां की सुरमई शाम अलसाती भोर का मजा ही कुछ और है।

कोठी : मनाली से 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है कोठी। यहां से पहाड़ों का मनोरम दृश्य दिखाई देता है। यहां बीस नदी का तेजी से बहता ठंडा पानी अदभुत नजारा पेश करता है।

राहला फॉल्स, मनाली सैंचुरी : कोठी से दो किमी की दूरी पर बीस नदी पर राहला फॉल्स स्थित है। यहां 50 मीटर की ऊंचाई से गिरता झरने का पानी सैलानियों को खूब लुभाता है। मनाली सैंचुरी में पर्यटक कैंपिंग के लिए पहुंचते हैं।

सोलन वैली : यहां से 13 किलोमीटर की दूरी पर स्थित सोलन वैली सैलानियों को खासी आकर्षित करती है। यहां ट्रैकिंग, स्कीइंग और माउंटेनियरिंग के कैंप आयोजित किए जाते हैं। 10 से 14 फरवरी के बीच यहां सालाना विंटर कार्निवाल का आयोजन किया जाता है।

रोहतांग भी है मनाली के पास : मनाली के आस-पास के इलाकों में सैलानियों के लिए बहुत कुछ बिखरा पड़ा है। प्रकृति ने यहां आने वालों के लिए अपना खजाना दोनों हाथों से खोल दिया है। पहाड़ियों पर बने छोटे-छोटे घर और इनके आस-पास फैली हरियाली मन को लुभाती है। यहां से 51 किमी की दूरी पर मशहूर पर्यटक स्थल रोहतांग पास स्थित है। यहां हर साल हजारों की संख्या में सैलानी घूमने के लिए आते हैं।

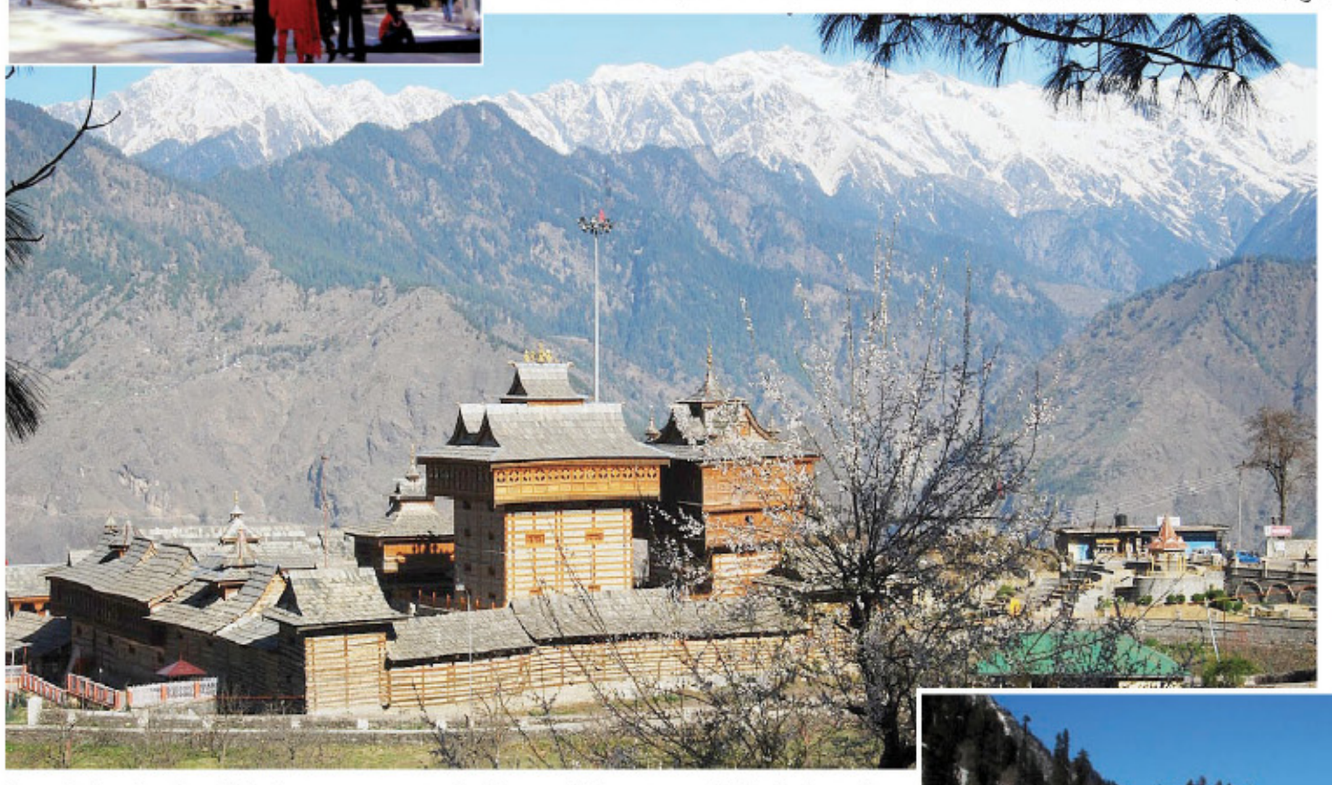

अद्भुत पर्यटक स्थल सराहन घाटी

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला और किन्नौर जिले की सीमा पर बसा सराहन स्वर्ग का एहसास कराने वाला एक सुंदर और अद्भुत पर्यटक स्थल है जो सराहन घाटी के नाम से भी जाना जाता है। यह क्षेत्र कई वर्षों तक पर्यटन के लिहाज से बचा रहा मगर अब पिछले कुछ वर्षों से इस तरफ पर्यटकों की भीड़ बढ़ने लगी है।

इसलिए अब सरकार ने भी इसे पर्यटन के लिए लिहाज से उपयुक्त समझा है। यह शहर समुद्रतल से 7,589 फुट की ऊंचाई पर स्थित है। इतिहास में इसको बुशहर नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त 51 शक्तिपीठों में से एक भीमाकाली माता का मंदिर भी इसी शहर में है। हिंदू और बौद्ध वास्तुशिल्प से निर्मित यह मंदिर लगभग 2,000 वर्ष पुराना है, मगर इसका जीर्णोद्धार कर इसको पुनः वही आकार दिया गया है।

पत्थरों और लकड़ी के इस्तेमाल से बना यह मंदिर शत-प्रतिशत भूकंपरोधी है। मंदिर के प्रांगण में खड़े होकर आप हिमालय को साक्षात निहार सकते हैं। इस मंदिर के नजदीक ही आपको एक पक्षी-विहार है जिसमें यहां के राज्य-पक्षी मोनाल सहित लगभग हर प्रकार के पहाड़ी पक्षी हैं। सरकार और स्थानीय लोगों के प्रयासों से रास्तों के दोनों तरफ लगाए गए तरह-तरह के फूल लहराते हुए पर्यटकों को आकर्षित करते हैं।

सराहन से लगभग सात किलोमीटर की दूरी पर यदि घाटी से थोड़ा नीचे उतरेंगे तो वहां आपको सतलज नदी का मनोहारी दृश्य मिलेगा। इसके अतिरिक्त सराहन से कुछ ही दूरी पर कामरू का ऐतिहासिक किला, चितकुल घाटी और बस्पा नदी जैसे अन्य पर्यटन स्थल भी हैं जहां आप आसानी आ-जा सकते हैं।

शहर अत्यधिक बड़ा न होने के कारण यहां यातायात के साधनों की आवश्यकता कम ही होती है इसलिए कुछ स्थानों पर पैदल भी घूमा जा सकता है। फिर भी यहां टैक्सी, बस आदि की सुविधा आसानी से मिल जाती है और महंगी भी नहीं है। पर्यटकों की सुविधा के लिए सरकार ने यहां आम से खास तक, सभी के बजट के अनुसार होटल और रेस्ट हाउस आदि का भी विशेष प्रबंध किया है।

यहां आने के लिए सर्दियां उचित समय नहीं है क्योंकि इस मौसम में यहां पर तापमान शून्य से भी नीचे ही रहता है। यहां आने के लिए मार्च से जून और सितंबर से अक्टूबर का समय बहुत ही अच्छा समय है। दिन के समय यहां का तापमान लगभग 30 से 32 डिग्री तक रहता है। मगर रात को ठंड बढ़ जाती है।

यदि अपनी गाड़ी से जा रहे हैं तो ध्यान दें कि शिमला से राष्ट्रीय राजमार्ग 22 से होते हुए रास्ते में थेयोग, नारकंडा, रामपुर और जैओरी नामक कुछ छोटे-छोटे पर्यटन स्थल भी आते हैं जहां आपको पेट्रोल पंप की सुविधा मिलेगी। शिमला से सराहन के बीच लगभग 180 किलोमीटर के इस रास्ते पर जब आप निकलेंगे तो आपका सामना देवदार के घने जंगलों, कई सारे छोटे-बड़े झरनों, खेतों एवं छोटे-छोटे अनेक गांवों से होगा।

इन गांवों से होकर जाने पर आपको उनके पारंपरिक पहनावे और संस्कृति की भी झलक देखने को मिलेगी। सराहन जाने के लिए सड़क मार्ग ही है जो शिमला से टैक्सी, जीप या बस द्वारा भी जाया जा सकता है। यह दूरी लगभग 6-7 घंटे में आसानी से तय की जा सकती है।

यह रास्ता अधिकतर सतलुज नदी के किनारे से गुजरता है, इसलिए इसकी तेज धारा आपको एक नए संगीत की से रू-ब-रू कराएगी। इसके अतिरिक्त जैसे-जैसे आप सराहन के नजदीक पहुंचेंगे वैसे-वैसे आपको मार्ग के किनारे अनेक प्रकार की जड़ी-बूटियां भी नजर आने लगेंगी।

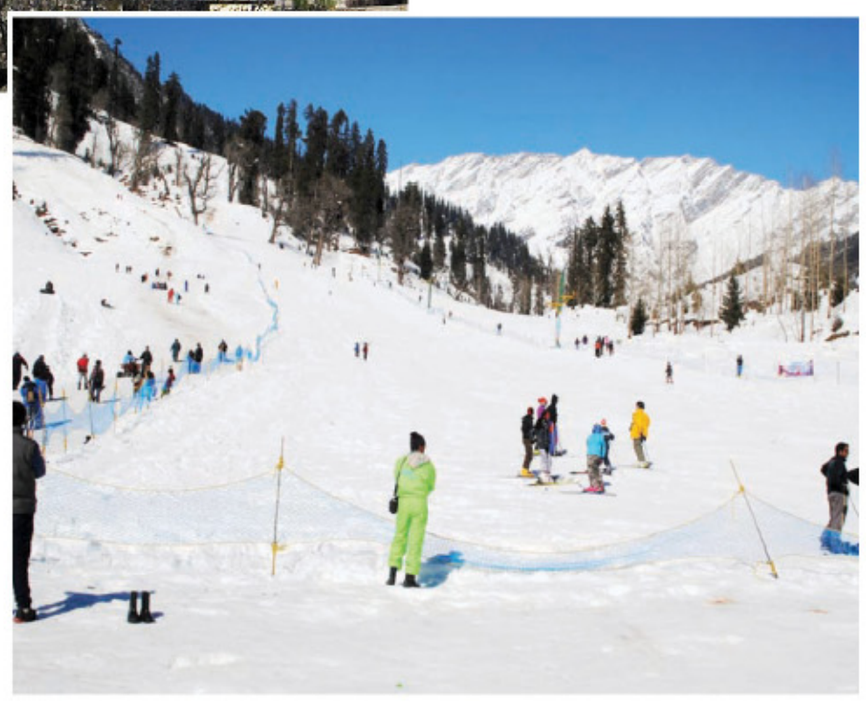

कैसे पहुंचे : मनाली जाने के लिए सड़क मार्ग से अपनी गाड़ी से या फिर बस सेवा ली जा सकती है। हवाई यात्रा करनी है तो लगभग 50 किमी से टैक्सी लेनी होगी।

यात्रा पैकेज :

यदि आने-जाने और ठहरने का कोई झंझट नहीं पालना चाहते तो कई तरह के पैकेज भी उपलब्ध हैं। तीन दिन और रात ठहरने के लिए अलग-अलग होटल में प्रति जोड़ा 11,500 रुपए से 15 हजार रुपए में ठहरना, हर दिन नाश्ता, लंच और डिनर आदि हो जाता है। 23 हजार रुपए में ठहरने, खाने के साथ लोकल साइट सीइंग, डिस्कोथेक, कॉकटेल और स्टीम या सोना बाथ की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। हिमाचल प्रदेश पर्यटन द्वारा खुद भी कई तरह की स्कीम दी जा रही हैं जो आप ले सकते हैं।

परवीन हुडा के निलंबन के बाद जैस्मीन ओलंपिक क्वालीफायर के 57 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करेंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। परवीन हुडा के अंतरराष्ट्रीय निलंबन के कारण भारत को पेरिस खेलों के लिए महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग का कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होने के बाद जैस्मीन लेम्बोरिया 24 मई से थाईलैंड में दूसरे ओलंपिक मुक्केबाजी क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करेंगी।परवीन को 12 महीनों में तीन ठिकाने संबंधी विफलताओं के लिए निलंबित कर दिया गया था।विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) ने शुक्रवार को परवीन को 22 महीने के लिए निलंबित कर दिया। अंतर्राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (आईटीए) द्वारा ठिकाने की विफलता के लिए कोटा विजेता परवीन के निलंबन के बाद जैस्मीन 57 किग्रा वर्ग में थाईलैंड में दूसरे ओलंपिक क्वालीफायर में प्रतिस्पर्धा करेगी। ओलंपिक क्वालीफायर 24 मई से शुरू होंगे, बॉक्सिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (बीएफआई) ने कहा।जैस्मीन ने पहले क्वालीफायर और पिछले साल हांग्जो एशियाई खेलों में 60 किग्रा में प्रतिस्पर्धा की थी। उन्होंने 2022 बर्मिंघम कॉमनवेल्थ गेम्स में 60 किग्रा में कांस्य पदक जीता था।भारतीय मुक्केबाजी के लिए एक अभूतपूर्व शर्मिंदगी में, परवीन के निलंबन के कारण देश को महिलाओं के 57 किग्रा वर्ग का ओलंपिक कोटा छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा।

केन्याई धावक रॉजर्स क्वेमोई पर रक्त डोपिंग के लिए 6 साल का प्रतिबंध

एजेंसी

लन्दन। केन्याई ओलंपियन और पूर्व विश्व अंडर-20 10,000 मीटर चैंपियन रॉजर्स क्वेमोई पर एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट (एआईयू) द्वारा रक्त डोपिंग के लिए छह साल का विस्तारित प्रतिबंध लगाया गया है।सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 24 अप्रैल, 2024 को हस्ताक्षरित और एआईयू द्वारा सार्वजनिक किए गए एक फैसले के अनुसार, क्वेमोई को अपने एथलीट के जैविक पासपोर्ट (एबीपी) में असामान्यताओं के कारण अपने प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए रक्त बूस्टर का उपयोग करने का दोषी पाया गया था।27 वर्षीय धावक को पोलैंड में ब्यडगोस्ज़कज़ 2016 विश्व 20 चैंपियनशिप में अपनी शानदार जीत के बाद पूर्वी अफ्रीकी देश में लंबी दूरी की ट्रैक दौड़ का भविष्य माना जाता था।हालाँकि, लंदन में बैठे और डेविड शार्प की अध्यक्षता वाले तीन-न्यायाधीशों के पैनल ने उन्हें रक्त डोपिंग का दोषी ठहराया। क्वेमोई 18 जुलाई 2016 और 8 अगस्त 2023 के बीच अर्जित सभी खिताब, रिकॉर्ड और कमाई भी जब्त कर लेंगे, इसके अलावा उन्हें अपने मामले पर मुकदमा चलाने की लागत के हिस्से के रूप में विश्व एथलेटिक्स को 3,000 अमेरिकी डॉलर का भुगतान करने का आदेश दिया जाएगा।क्वेमोई, जिन्होंने 2022 में इस्तांबुल हाफ मैराथन कोर्स में 59:15 का रिकॉर्ड बनाया था, ने लंदन के एक वकील के माध्यम से अपने मामले पर बहस करने के लिए तीन-न्यायाधीशों की सुनवाई को चुना, जिन्होंने एआईयू द्वारा उनके प्रतिकूल विश्लेषणात्मक निष्कर्षों के बारे में सूचित किए जाने के बाद उनका निशुल्क प्रतिनिधित्व किया था।

फोडेन को ईपीएल प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया

लंदन। मैनचेस्टर सिटी के फिल फोडेन को प्रीमियर लीग का प्लेयर ऑफ द सीजन चुना गया है।इस महीने की शुरुआत में इंग्लैंड के 23 वर्षीय मिडफील्डर को फुटबॉल राइटर्स एसोसिएशन फुटबॉलर ऑफ द ईयर चुना गया था। सिटी के अंतिम गेम से पहले, फोडेन ने इस सीज़न में प्रीमियर लीग में करियर के सर्वश्रेष्ठ 17 गोल और आठ सहायता का दावा किया है।फोडेन ने कहा, यह पुरस्कार जीतना एक उपलब्धि है जिस पर मुझे बेहद गर्व है। प्रीमियर लीग को दुनिया की सबसे बड़ी लीग माना जाता है और इतने सारे महान खिलाड़ियों के साथ नामांकित होना खुशी की बात है, जिन्होंने अपने क्लबों के लिए विशेष सीज़न का आनंद लिया है।÷केवल एर्लिंग हालैंड (27) ने सिटी के लिए फोडेन से अधिक लीग गोल किए हैं, जो रविवार को वेस्ट हैम के खिलाफ घरेलू मैदान पर जीत हासिल करने पर लगातार चौथा इंग्लिश खिताब सुरक्षित कर लेंगे।फोडेन ने कहा, ÷कुल मिलाकर, मैंने इस सीज़न में जिस तरह से खेला है उससे मैं बहुत खुश हूं और वास्तव में खुश हूं कि मैं पूरे सीज़न में गोल और सहायता के साथ योगदान देने में सक्षम रहा हूं। मैं शहर के सभी कर्मचारियों, कोचों और विशेष रूप से अपने टीम-साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं क्योंकि उनके बिना यह संभव नहीं होता। और मैं इस अवसर पर उन सभी को भी धन्यवाद देना चाहता हूं जिन्होंने पुरस्कार के रूप में मेरे लिए वोट किया बहुत।

निकहत ज़रीन ने ज़ज़ीरा उराकबायेवा को 5:0 से हराया, एलोर्डा कप 2024 जीता

नई दिल्ली। दो बार की विश्व चैंपियन निखत ज़रीन ने महिलाओं के 52 किग्रा वर्ग में कजाकिस्तान की ज़ज़ीरा उरकबायेवा को सर्वसम्मत निर्णय से 5:0 से हराकर एलोर्डा कप जीता। निखत के अलावा मिनाक्षी (48 किग्रा), अनामिका (50 किग्रा) और मनीषा (60 किग्रा) ने भी आसानी से फाइनल में जगह बना ली। मिनाक्षी और मनीषा ने अपने सेमीफाइनल में समान प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए क्रमशः कज़ाख मुक्केबाज गुलनाज़ बुरीबायेवा और तंगतर असेम के खिलाफ 5-0 से सर्वसम्मति से जीत हासिल की। दूसरी ओर, अनामिका को विजयी घोषित किया गया क्योंकि उनकी प्रतिद्वंद्वी कजाकिस्तान की गुलनार तुरापबे को तीन चेतावनियों के बाद अत्यधिक पकड़ के लिए अयोग्य घोषित कर दिया गया था। इस बीच, सोनू (63 किग्रा) और मंजू बंबोरिया (66 किग्रा) ने अपने आखिरी मुकाबलों में विपरीत हार झेलने के बाद कांस्य पदक के साथ अपना अभियान समाप्त किया।

बेंगलुरु प्लेऑफ में पहुंची, रोमांचक मैच में चेन्नई को 27 रनों से हराया

एजेंसी

बेंगलुरु। सांस रोक देने वाले मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने गत विजेता चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) को 27 रन से हरा कर प्लेऑफ में शान के साथ प्रवेश कर लिया। चिन्नास्वामी स्टेडियम पर 219 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई एक समय प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिये जरुरी 200 रन के लक्ष्य के करीब थी और आखिरी ओवर महेंद्र सिंह धोनी (25) और रविंद्र जडेजा (42 नाबाद) को सिर्फ 17 रन बनाने थे।

ऐसे में बेंगलुरु के कप्तान फॉफ डुप्लेसी ने गेंद यश दयाल को थमाई जिसकी पहली गेंद पर धोनी ने जोरदार छक्का लगा कर मैदान में मौजूद बेंगलुरु के प्रशंसकों को क्रास फिंगर करने में मजबूर कर दिया था और ऊपर वाले ने उनकी प्रार्थना सुन ली जब अगली ही गेंद को बाउंड्री पार पहुंचाने के प्रयास में धोनी स्वनिल सिंह को कैच थमा बैठे और मैच का पासा पलट गया।

आखिरी की चार गेंदों में चेन्नई को प्लेऑफ में पहुंचने के लिये 11 रन चाहिये थे मगर उन्होने कमाल की गेंदबाजी कर सिर्फ एक रन ही दिया और अपनी टीम एवं मैदान पर बैठे 33 हजार दर्शकों को खिलखिलाने का मौका दे दिया। यहां दिलचस्प है कि एक समय टूर्नामेंट से लगभग बाहर निकल चुकी आरसीबी ने अपने आखिरी के छह मैच लगातार जीत कर प्लेऑफ में पहुंचने का इतिहास रचा है। टीम को यहां तक पहुंचाने में विराट कोहली और कप्तान डुप्लेसी की भूमिका अहम रही है।

आरसीबी ने पहले खेलते हुये पांच विकेट पर 218 रन बनाये थे जिसके जवाब में सीएसके सात विकेट पर 191 रन ही बना सकी। रचिन रविंद्र (61) ने अपनी टीम के लिये सर्वाधिक योगदान दिया मगर वे दुर्भाग्यशाली तरीके से रन आउट हुये। आंजिक्य रहाणे (22) ने भी अपनी टीम को जीत की दहलीज पर ले जाने का भरसक प्रयास किया।

शिवम दुबे (7) का प्रदर्शन आज भी निराशाजनक रहा। वे न सिर्फ रविंद्र को रन आउट कराने के कसूरवार बने बल्कि आठ डाट गेंदे भी खेली। इससे पहले विराट कोहली (47) और फॉफ डुप्लेसिस (54) की अच्छी शुरुआत के बाद रजत पाटीदार (41) और कैमरुन ग्रीन (38 नाबाद) की तेज तर्रार पारियों की मदद से रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) ने पांच विकेट पर 218 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर लिया। टूर्नामेंट के प्लेऑफ में पहुंचने की निर्णायक लड़ाई में आरसीबी का लक्ष्य जीत के साथ सीएसके को 200 रन के भीतर रोकना था वरना नेट रन रेट के हिसाब से वह प्लेऑफ में प्रवेश नहीं कर सकती थी वहीं चेन्नई अगर 17 रन से कम रन से हारती तो वह प्लेऑफ में पहुंच जाती थी। टॉस हार कर पहले बल्लेबाजी करने उतरी आरसीबी ने सधी शुरुआत की। विराट और डुप्लेसिस ने लगभग आठ रन प्रति ओवर की गति से रन बटोरे। दोनों बल्लेबाज मिचेल सेंटनर का शिकार बने। विराट को सेंटनर ने लांग आन पर डेरिल मिचेल के हाथों कैच कराया वहीं डुप्लेसिस को रन आउट कर पवेलियन का रास्ता दिखाया। बाद में रजत पाटीदार ने 23 गेंदो में दो चौके और चार छक्के लगाकर रन गति को दिशा दिखायी जिसमें कैमरन ग्रीन ने भरपूर साथ दिया। उन्होने अपनी 17 गेंदों की नाबाद पारी में तीन चौके और तीन छक्के लगाये। दिनेश कार्तिक (14) और ग्लेन मैक्सवेल (16) रन गति बढाने के प्रयास में शार्दुल और तुषार देशपांडे का शिकार बने।

हार्दिक पांड्या की हूटिंग का असर मुबंई के प्रदर्शन पर पड़ा : कोच मार्क बाउचर

एजेंसी

मुबंई। मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच मार्क बाउचर ने स्वीकार किया है कि इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में हार्दिक पंड्या के खिलाफ मैदान पर लगातार हूटिंग का असर टीम पर पड़ा है। लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ 18 रनों की हार के साथ मुबंई का आईपीएल के मौजूदा सत्र में निराशाजनक सफर खत्म हुआ। इस हार से टीम सबसे निचली पायदान पर आ गयी।

गौरतलब है कि गुजरात टाइटंस की कप्तान छोड़ कर मुबंई इंडियंस में शामिल हुये हार्दिक पंड्या को रोहित शर्मा के स्थान पर टीम का कप्तान बनाया गया था। टीम प्रबंधन के इस फैसले से मुबंई के फैंस खासे नाराज दिखे और मुबंई के लगभग सभी मैचों में पंड्या को दर्शकों के कोपभाजन का शिकार बनना पड़ा। बाउचर ने कहा, फ़ैंस की नाराजगी टीम के लिये कड़ुआ अनुभव था।

मुझे हार्दिक के लिए काफ़ी बुरा लग रहा था। इस तरह के अनुभव से गुजरना कहीं से भी आसान नहीं होता है। टीम में कई ऐसी चीज़ें हैं, जिनके बारे में हमें चर्चा करनी होगी।

हालांकि, अभी तुरंत उन चीज़ों पर चर्चा करना सही नहीं है। अभी टीम का हर सदस्य काफ़ी भावुक और निराश है। इसी कारण से हम अभी कोई फ़ैसला नहीं लेने वाले हैं। सबसे पहले हमें यह मूल्यांकन करना है कि हमने कहां ग़लती की। उन्होने कहा कि इस सीज़न में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं था, लेकिन उम्मीद है कि टीम प्रबंधन अगले सीज़न से पहले कुछ अच्छे फ़ैसले करेगा। इस सीज़न में बहुत सारी ऐसी चीज़ें हो रही थीं, जिनका हिस्सा बनना कहीं से भी अच्छा अनुभव नहीं था। कुछ चीज़ें पहले किसी खिलाड़ी को प्रभावित करती हैं और फिर टीम को भी प्रभावित करती है।

इस संदर्भ में हमें विचार करने की ज़रूरत है और उम्मीद है कि आगे कुछ अच्छे फ़ैसले किए जाएंगे ताकि मैदान के बाहर की चीज़ों पर भी ध्यान दिया जा सके। हार्दिक ने इस सीज़न 13 पारियों में सिर्फ़ 18 की औसत से मात्र 216 रन बनाए। साथ ही गेंद के साथ उन्होंने 12 पारियों में 11 विकेट लिए और उनकी इकॉनमी 10.75 की रही।

ससी हीरेनवीन के मुख्य कोच बने पूर्व डच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रॉबिन वैन पर्सी

एजेंसी

द हेग। एससी हीरेनवीन ने पूर्व डच अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रॉबिन वैन पर्सी को आगामी दो सीज़न के लिए नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। 40 वर्षीय वैन पर्सी के लिए यह पेशेवर फुटबॉल में मुख्य कोच के रूप में उनकी पहली नौकरी है। उन्होंने उत्तरी प्रांत फ्राइज़लैंड के क्लब हीरेनवीन के साथ दो साल के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं, जो शीर्ष डच फुटबॉल लीग इरेडिविसी में 10 वें स्थान पर है।वैन पर्सी, जो हीरेनवीन में मुख्य कोच के रूप में कीस वैन वंडरेन की जगह लेते हैं, 2019 में फेयेनोर्ड में एक फुटबॉल खिलाड़ी के रूप में सेवानिवृत्त हुए और फेयेनोर्ड में एक सहायक और स्ट्राइकर कोच के रूप में अपना कोचिंग करियर शुरू किया। वर्तमान में वह फेयेनोर्ड अंडर-18 के कोच हैं। उन्होंने अगले सीज़न से फेयेनोर्ड

अंडर-21 के कोच बनने के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। वैन पर्सी ने अपने खेल करियर की शुरुआत फेयेनोर्ड से की और बाद में आर्सेनल, मैनचेस्टर यूनाइटेड, फेनरबाश और फेयेनोर्ड के लिए फिर से खेले। उन्होंने नीदरलैंड के लिए 102 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 50 गोल किए हैं।

पेरिस ओलम्पिक सिलेक्शन ट्रायल्सः 50मी. 3 पोजीशन रायफल इवेंट में ऐश्वर्य प्रताप शीर्ष पर

एजेंसी

भोपाल। पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित राज्य शूटिंग अकादमी में आयोजित में सिलेक्शन ट्रायल संपन्न हुआ। इसमें 50 मी. 3 पोजीशन इवेन्ट में मप्र राज्य अकादमी के दो खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपना शीर्ष तीन स्थानों में जगह बनाने में सफलता हासिल की है। इनमें ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया जबकि आशी चौकसे तीसरे स्थान पर रहीं।

जनसम्पर्क अधिकारी विकास खराड़कर ने बताया कि ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेल का आयोजन पेरिस में 26 जुलाई से 11 अगस्त 2024 के मध्य होना है। ओलम्पिक गेम्स पेरिस के सिलेक्शन ट्रायल का आयोजन 11 से 18 मई तक भोपाल स्थित मप्र राज्य शूटिंग अकादमी में किया गया। इसमें मप्र राज्य खेल अकादमी के 02 खिलाड़ी ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर और आशी चौकसे ने प्रतिभागिता की। इस सिलेक्शन ट्रायल में 50 मी. 3 पोजीशन इवेन्ट में ऐश्वर्य प्रताप सिह तोमर ने चार चरणों में शानदार निशाने लगाकर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। वहीं, अकादमी की खिलाड़ी आशी चौकसे महिला वर्ग 50 मी. 3 पोजीशन रायफल इवेंट में तीसरे स्थान पर रही।

पुरूष वर्ग –

1. ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर - म.प्र. राज्य शूटिंग अकादमी- 592.9 अंक - प्रथम
2. स्वप्निल, रेलवे- 590 अंक - द्वितीय
3. अखिल - रेलवे- 586.7 अंक- तृतीय
4. चयन सिंह - आर्मी- 586.6 अंक - चतुर्थ
5 नीरज - नेवी - 585 अंक- पांचवां स्थान

महिला वर्ग –

1. अंजुल मुदगल- पंजाब, 590.9 अंक - प्रथम
2. स्विफ्ट कौर सामरा- पंजाब, 588.5 अंक - द्वितीय
3. आशी चौकसे- मप्र राज्य शूटिंग अकादमी,

587.9 अंक - तृतीय

4 श्रियंका- ओड़िसा- 587 अंक, चतुर्थ

5 निश्चल - हरियाणा. 586 अंक - पांचवां

आशी चौकसे बरखेड़ा पठानी भोपाल की निवासी है। पिता रेल्वे में कार्यरत है। वर्ष 2017 में मप्र राज्य शूटिंग अकादमी, भोपाल में डे-बोर्डिंग स्कीम प्रवेश लिया था। वर्ष 2023 में चायना होंगजाउ में आयोजित एशियन गेम्स में उन्होंने 02 रजत और 01 कांस्य सहित कुल 03 पदक अर्जित किये थे। उन्होंने आई.एसएसएफ वर्ल्ड कप अजरबेजान में मिक्स टीम इवेन्ट में स्वर्ण पदक अर्जित किया था। वर्ल्ड कप जर्मनी में 02 कांस्य पदक, वर्ल्ड कप कोरिया में 01 कांस्य पदक अर्जित किया था। आशी ओलम्पिक ट्रायल में तीसरे स्थान पर ही है।

आईपीएल 2024 में एलएसजी के खराब प्रदर्शन पर केएल राहुल ने जताई निराशा

एजेंसी

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के अपने आखिरी मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ जीत के बाद, लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) के कप्तान केएल राहुल ने कहा कि वह लीग के इस संस्करण में टीम के समग्र प्रदर्शन से निराश हैं।

रोहित शर्मा और नमन धीर की आतिशी पारी के बावजूद मुंबई को वानखेड़े स्टेडियम में आईपीएल 2024 मैच में एलएसजी के खिलाफ 18 रन से हार का सामना करना पड़ा।विकेटकीपर-बल्लेबाज राहुल ने जोर देकर कहा कि मौजूदा सीज़न की शुरुआत में, उन्हें वास्तव में लगा कि एलएसजी के पास एक मजबूत टीम है, जिसमें अधिकांश बेस शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा कि कैश-रिच लीग के चल रहे 17वें संस्करण में लखनऊ फ्रेंचाइजी को काफी चोटों का भी सामना करना पड़ा।

राहुल ने मैच के बाद प्रेजेंटेशन में कहा, बहुत निराशाजनक। सीज़न की शुरुआत में, मुझे वास्तव में लगा कि हमारे पास एक मजबूत टीम थी और अधिकांश बेस कवर थे। कुछ चोटें - हर टीम को होती हैं। हम सामूहिक रूप से अच्छा नहीं खेल सके। हमने मुंबई के खिलाफ सचमुच अच्छा प्रदर्शन किया, यह उस तरह का खेल है जिसे हम और

अधिक खेलना चाहते थे। दुर्भाग्यवश, हमने ऐसा नहीं किया। वास्तव में खुशी की बात यह है कि फ्रेंचाइजी ने भारतीय तेज गेंदबाजों साथ काफी समय और ऊर्जा निवेश की है। ये साल में सिर्फ दो महीने नहीं हैं। हमने मयंक और युद्धवीर को मोर्ने मोर्कल के साथ प्रशिक्षण के लिए दक्षिण अफ्रीका भेजा। उनकी मेहनत रंग लाई है। 32 वर्षीय खिलाड़ी ने आगे कहा कि इस सीज़न में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी के बारे में बहुत कुछ सीखा है और उन्हें पता है कि भारतीय टीम में वापस आने के लिए क्या है और मुझे पता है कि टीम में वापस आने के लिए क्या करने की जरूरत है। हम आदर्श रूप से चाहते थे कि वह (पूरन) ऊपर बल्लेबाजी करें, लेकिन टीम की स्थिति को देखते हुए, हम चाहते हैं कि हमारे वरिष्ठ अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी उन स्थानों पर बल्लेबाजी करें जहां वे दबाव झेल सकें। नहीं चाहते थे कि हमारे दो विदेशी बल्लेबाज एक साथ मिलकर बल्लेबाजी करें। मैं अब अपने ससुर की टीम में हूं। हम दोनों विश्व कप में शर्मा जी के बेटे के लिए उत्साह बढ़ाएंगे।

ओलंपिक चयन ट्रायल : सिफ्ट कौर समरा और नीरज ने मारी बाजी

एजेंसी

नई दिल्ली/भोपाल। सिफ्ट कौर समरा ने अपना तीसरा (चार में से) महिलाओं का 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पी) ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) जीता, जबकि नीरज कुमार ने पुरुषों का 3पी ओएसटी दूसरी बार जीता। ओएसटी 3 एवं 4 राइफल/पिस्टल के अंतिम से पहले वाले दिन के सभी इवेंट्स यहां भोपाल में एम पी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में संपन्न हुए।

सिफ्ट ने महिलाओं के 3पी ओएसटी टी4 फाइनल में 461.3 का स्कोर बनाकर निश्चल को एक अंक से हराया। आशी चौकसे 448.1 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पांच महिलाओं की प्रतिस्पर्धा में श्रीयंका सदांगी और अंजुम मौदगिल क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 3पी में, नीरज कुमार 462.9 के साथ शीर्ष पर रहे, जो दूसरे स्थान पर रहे चैन सिंह से 1.7 अंक आगे रहे। ऐश्वर्या तोमर 449.8 के साथ तीसरे स्थान पर रहे जबकि स्वप्निल कुसाले और अखिल श्योराण क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे चार ट्रायल्स में से तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर को ध्यान में रखते हुए, परिणामों ने सिफ्ट को महिलाओं की 3पी में शीर्ष फिनिशर के रूप में पुष्टि की। अंजुम मौदगिल ने भी पांच योग्य निशानेबाजों के बीच ट्रायल में उन्होंने महिलाओं की एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया।

रमिता अब टोटल स्कोर में दूसरे

दूसरे सर्वश्रेष्ठ के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि की। पुरुषों के 3पी में ऐश्वर्या तोमर और स्वप्निल कुसाले चार ट्रायल मैचों की प्रतियोगिता के बाद पहले और दूसरे स्थान पर रहे।श्री कार्तिक सबरी राज ने 631.6 के स्कोर के साथ पुरुषों की एयर राइफल में शीर्ष स्थान हासिल किया, रमिता जिंदल 636.4 (इस महीने की शुरुआत में बाकू विश्व कप में चीन के हान जियायू द्वारा बनाए गए मौजूदा विश्व रिकॉर्ड से 0.1 अधिक) के साथ दिन की स्टार रहीं। स्थान पर हैं, ओलंपियन एलावेनिल वलारिवन से केवल 0.1 पीछे, जिनका 633.0 का स्कोर उन्हें स्टैंडिंग के शीर्ष पर ले गया। दिन की शुरुआत में रमिता चौथे स्थान पर थीं। मेहुली घोष (633.1) दूसरे और नैन्सी (630.6) और तिलोत्तमा सेन (628.8) क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं।

पुरुषों की एयर राइफल में, नतीजों का स्टैंडिंग पर कोई असर नहीं पड़ा क्योंकि संदीप सिंह (628.3 के साथ चौथे) और अर्जुन बाबूटा (624.7 के साथ पांचवें) ने टोटल स्कोर में अपने शीर्ष दो स्थान बनाए रखे।

मनु भाकर ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल ओएसटी स्टैंडिंग में आत्मविश्वास के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, टी4 क्वालिफिकेशन राउंड में 581 के स्कोर के साथ शीर्ष पर रहीं। सुरभि राव (577) दूसरे स्थान पर रहीं जबकि पलक (572) तीसरे स्थान पर रहीं। रिदम सांगवान पलक के साथ समान स्कोर पर थीं लेकिन वाह इनर 10 के स्कोर पर हार गईं और उन्हें चौथा स्थान प्राप्त हुआ जबकि ईशा सिंह 572 के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

पुरुषों की एयर पिस्टल में सरबजोत सिंह ने 584 का स्कोर कर ओएसटी टी4 क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि अर्जुन सिंह चीमा 583 के साथ दूसरे स्थान पर रहे। वरुण तोमर (577) तीसरे, रविंदर सिंह (576) चौथे और नवीन (574) पांचवें स्थान पर रहे। एयर पिस्टल में इन परिणामों के बाद वर्तमान टोटल स्कोर में, मनु भाकर और रिदम सांगवान महिलाओं की एयर पिस्टल में पहले और दूसरे स्थान पर हैं, जबकि सरबजोत सिंह और अर्जुन सिंह चीमा पुरुषों की स्पर्धा में पहले और दूसरे स्थान पर हैं।

पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप : गेट टेस्फॉ ने महिलाओं की 1,500 मीटर टी11 रेस में बनाया विश्व रिकॉर्ड

एजेंसी

कोबे। इथियोपियाई पैरा एथलीट यायेश गेट टेस्फॉ ने यहां पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में महिलाओं की 1,500 मीटर टी11 फाइनल में एक नए विश्व रिकॉर्ड के साथ जीत हासिल की। सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, दृष्टिबाधित धावक ने मध्य जापानी बंदरगाह शहर कोबे के

यूनिवर्सिएड मेमोरियल स्टेडियम में 4 मिनट 31.77 सेकेंड का समय निकाला, जो पिछले रिकॉर्ड से लगभग छह सेकेंड कम है।

चीन की ही शानशान को 4:34.12 के नए एशियाई रिकॉर्ड के साथ रजत पदक मिला। दक्षिण अफ्रीका की लुज़ैन कोएत्ज़ी ने कांस्य पदक जीता।

पहली बार पूर्वी एशिया में आयोजित और पेरिस 2024 पैरालंपिक खेलों के लिए एक महत्वपूर्ण क्वालीफायर, कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप में 168 स्पर्धाओं में 100 देशों और क्षेत्रों के 1,000 से अधिक एथलीट प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। कोबे 2024 पैरा एथलेटिक्स विश्व चैंपियनशिप का 11वां संस्करण है,जो 25 मई तक चलेगा।

विराट कोहली ने धोनी के आलोचकों की आलोचना की

एजेंसी

बेंगलुरु। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के विराट कोहली ने पूर्व चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) एमएस धोनी के आलोचकों की आलोचना की, जिन्होंने शनिवार, 18 मई को बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आईपीएल 2024 के मुकाबले से पहले मैच खत्म करने की उनकी शैली पर सवाल उठाया था।एमएस धोनी संभवतः अपना अंतिम आईपीएल सीज़न खेल रहे हैं क्योंकि वह आईपीएल 2024 के बाद अपने शानदार पेशेवर करियर को अलविदा कहने के लिए तैयार हैं। हालांकि, दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज मौजूदा आईपीएल सीज़न के आखिरी 10 मैचों में निचले क्रम पर बल्लेबाजी करने के लिए उतरे। हालाँकि, आलोचकों का मानना ??था कि पूर्व सीएसके कप्तान तब बल्लेबाजी करने आए जब टीम या तो हार की स्थिति में थी या लगभग जीत की स्थिति में थी।जियो सिनेमा पर बोलते हुए विराट कोहली ने कहा कि एमएस धोनी को तभी पता चलता है कि वह क्या कर रहे हैं, जब वह क्रीज पर होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत के पूर्व कप्तान अक्सर मैच को आखिरी ओवर तक ले जाकर विपक्षी टीम को डरा देते थे और छक्के के साथ मैच खत्म कर देते थे।लोग माही भाई के बारे में कई बार कहते थे, वह मैच को 20वें ओवर, 50वें ओवर तक क्यों ले जा रहे हैं? उन्होंने कितने मैच खत्म किए हैं? उन्होंने कितने गेम खत्म किए हैं। उन्हें पता है कि वह क्या कर रहे हैं। कोई नहीं और जानता है। वह जानता है और वह इसे जीतता है। मेरे लिए, वह मांसपेशीय स्मृति है। कोहली ने कहा. मेरी मानसिकता अलग थी। मैं हमेशा सोचता था, चलो मैच 19वें या 49वें ओवर में खत्म कर देंगे। लेकिन अगर वह वहां अकेला है, तो वह निश्चित रूप से मैच को

आखिरी ओवर तक ले जाएगा और दूसरी टीम को डरा देगा। वे सोचते हैं, वह इसे छक्के के साथ समाप्त कर देगा। एमएस धोनी को अक्सर क्रिकेट के इतिहास में सबसे महान फिनिशरों में से एक माना जाता है। उनकी प्रतिष्ठित फिनिश में से एक 2011 विश्व कप फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ थी, जहां उन्होंने छक्का लगाकर टीम इंडिया को फिनिशिंग लाइन के पार पहुंचाया था।वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल 2024 के मुकाबले में, धोनी ने 4 गेंदों पर 20 रन बनाए, जिसमें हार्दिक पंड्या के 3 छक्के भी शामिल थे, जिससे सीएसके को 20 ओवरों में कुल 206/4 का स्कोर बनाने में मदद मिली और फिर एमआई को 186/6 पर रोक दिया।आईपीएल 2024 में, एमएस धोनी ने 10 पारियों में 68 की औसत और 226.67 की प्रभावशाली स्ट्राइक रेट से 136 रन बनाए हैं।

ओलंपिक चयन ट्रायल में सिफ्त कौर समरा, नीरज कुमार जीते

नई दिल्ली। सिफ्त कौर समरा ने शनिवार को भोपाल में ओलंपिक चयन ट्रायल (ओएसटी) 3 और 4 के अंतिम दिन महिलाओं की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन प्रतियोगिता में तीसरी बार जीत हासिल की, जबकि नीरज कुमार पुरुषों की स्पर्धा में दूसरी बार विजयी हुए। महिलाओं के 3पी ट्रायल 4 फाइनल में सिफ्ट ने 461.3 का स्कोर बनाकर निश्चल को एक अंक से हरा दिया। आशी चौकसे 448.1 के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। पांच महिलाओं के क्षेत्र में श्रीयंका सदांगी और अंजुम मौदगिल क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहीं। पुरुषों की 3पी में, नीरज 462.9 के साथ शीर्ष पर रहे, जो दूसरे स्थान पर रहे चैन सिंह से 1.7 अंक आगे थे।ऐश्वर्या तोमर 449.8 के साथ तीसरे स्थान पर रहे, जबकि स्वप्निल कुसाले और अखिल श्योराण क्रमशः चौथे और पांचवें स्थान पर रहे। चार परीक्षणों में से तीन सर्वश्रेष्ठ स्कोर को ध्यान में रखते हुए, परिणामों ने सिफ्ट को महिलाओं की 3पी में शीर्ष फिनिशर के रूप में पुष्टि की।

इस वजह से इंटीमेट सीन शूट करने में एक्टर्स को होती है ज्यादा दिक्कत

तमन्ना भाटिया ने क्या बताया?

तमन्ना भाटिया अभी हाल ही में साउथ की फिल्म 'अरनमनई 4' में नजर आई हैं. इस फिल्म ने रिलीज के महज दो हफ्ते में ही बॉक्स ऑफिस पर 75 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई कर ली. साउथ इंडस्ट्री के साथ-साथ तमन्ना ने बॉलीवुड में भी अपनी खास पहचान बनाई है. इसी बीच एक इंटरव्यू में उन्होंने फिल्म के लिए शूट होने वाले इंटीमेट सीन्स के बारे में खुलकर बात की है. उन्होंने इसका भी जिक्र किया है कि एक्टर्स और एक्ट्रेसेस में से किसे इंटीमेट सीन फिल्माने में ज्यादा दिक्कत आती है.न्यूज 18 को दिए इंटरव्यू में तमन्ना ने बताया कि उन्होंने अपनी फिल्मों में नो-किसिंग क्लॉज रखा था. उन्होंने 'लस्ट स्टोरीज़ 2' के दौरान इसे तोड़ दिया था, जब उन्हें बॉयफ्रेंड विजय वर्मा को किस करना था. उन्होंने बताया कि 'लस्ट स्टोरीज़ 2' में उन्होंने विजय के साथ लिप-लॉक किया था. इसके अलावा फिल्म 'जी करदा' में उन्होंने सुहाई नैय्यर के साथ भी इंटीमेट सीन किए थे.

तमन्ना ने इंटीमेट सीन्स शूट करने के बारे में क्या कहा?

इंटरव्यू में तमन्ना ने बताया कि एक्टर्स के लिए कैमरे के सामने इंटीमेट सीन शूट करना ज्यादा मुश्किल होता है. उनके मुताबिक, लोगों को लगता है कि एक्ट्रेसेस को ऐसे सीन शूट करने में ज्यादा दिक्कत होती होगी, लेकिन ऐसा नहीं है. तमन्ना ने कहा कि एक्टर्स को ज्यादा दिक्कतों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें इस बात का ध्यान रखना होता है कि एक्ट्रेस पूरे सीन में कम्फर्टेबल हो.

तमन्ना की आने वाली फिल्में

तमन्ना की आने वाली फिल्मों पर नजर डालें तो इस लिस्ट में उनकी तीन फिल्में हैं. इसमें 'ओडेला 2', 'स्त्री 2' और 'वेदा' का नाम शामिल है. 'ओडेला 2' एक साउथ फिल्म होने वाली है. वहीं, उनकी 'स्त्री 2' और 'वेदा' हिंदी फिल्में हैं. 'स्त्री 2' में वो कैमियो रोल में दिखने वाली हैं. तमन्ना की ये तीनों फिल्में अलग-अलग प्रोडक्शन स्टेज में हैं. उन्होंने अपने करियर में कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया है. इसमें 'बाहुबली 2', 'एंटरटेनमेंट', 'बबली बाउंसर', 'जेलर' जैसी फिल्मों के नाम हैं.

अनिल कपूर की इन चार फिल्मों का आएगा सीक्वल, 2 से हो चुका है पत्ता साफ

अनिल कपूर लगभग चार दशकों से बॉलीवुड का हिस्सा हैं. अपने इतने लंबे करियर में उन्होंने 100 से भी ज्यादा फिल्मों में काम किया है. उनकी ज्यादातर फिल्मों को लोगों ने पसंद किया है. उनकी कई ऐसी फिल्में रही हैं, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट और ब्लॉकबस्टर हुई हैं. कई ऐसी फिल्में भी हैं, फैन्स जिनके सीक्वल को लेकर भी सोशल मीडिया के जरिए डिमांड करते रहते हैं.आने वाले समय में अनिल की चार फिल्मों का सीक्वल देखने को मिलने वाला है. चार में से एक तो इसी साल रिलीज होने वाली है. हालांकि, यहां पर उनके फैन्स के लिए दुख की बात ये है कि उन चार में से दो फिल्मों से उनका पत्ता साफ हो गया है.

वेलकम

इसी साल 'वेलकम टू जंगल' के नाम से 'वेलकम' का तीसरा पार्ट आने वाला है. ये फिल्म 20 दिसंबर को रिलीज होने वाली है. हालांकि, इस पिक्चर की स्टारकास्ट बदल चुकी है. अनिल कपूर के साथ-साथ नाना पाटेकर भी तीसरे पार्ट का हिस्सा नहीं हैं. वेलकम फ्रेंचाइजी से अक्षय इस पार्ट में दिखेंगे. उनके अलावा फिल्म में संजय दत्त, रवीना टंडन, अरशद वारसी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिज जैसे स्टार्स को कास्ट किया गया है, जो पहले इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा नहीं रहे हैं.

नायक

साल 2001 में रिलीज हुई 'नायक' का सीक्वल बनने वाला है. प्रोड्यूसर दीपक मुकुट ने सीक्वल बनाने के राइट्स खरीद लिए हैं और हाल ही में उन्होंने कहा कि वो 'नायक 2' बनाने वाले हैं. उन्होंने ये भी कहा कि वो पुरानी स्टारकास्ट के साथ ही ये फिल्म बनाएंगे. इससे साफ हो गया कि 'नायक' के सीक्वल में अनिल कपूर दिखेंगे.

नो एंट्री

इस लिस्ट में अगली फिल्म 'नो एंट्री' है, जिसमें अनिल ने सलमान खान और फरदीन खान के साथ मिलकर लोगों को खूब एंटरटेन किया था. बोनी कपूर इस फिल्म का सीक्वल बना रहे हैं. हालांकि, सिर्फ अनिल ही नहीं, बल्कि सलमान और फरदीन को भी इसमें कास्ट नहीं किया गया है. 'नो एंट्री 2' में अर्जुन कपूर, वरुण धवन और दिलजीत दोसांझ नजर आने वाले हैं.

लो हो गया कंफर्म! कुशाल टंडन ने किया शिवांगी जोशी संग अपने रिश्ते का ऐलान

छोटे पर्दे के मशहूर एक्टर कुशाल टंडन अपने काम से ज्यादा अपनी निजी जिंदगी को लेकर लाइमलाइट का हिस्सा बने रहते हैं. बीते दिनों खबर आई थी कि कुशाल टंडन अपनी को-एक्ट्रेस और ये रिश्ता क्या कहलाता है फेम शिवांगी जोशी संग जल्द ही शादी करने वाले हैं. दोनों के रिश्ते को लेकर लंबे वक्त से खबरें सामने आ रही थीं. लेकिन दोनों ने ही इन खबरों को अपने-अपने पोस्ट के जरिए महज अफवाह बता दिया था. लेकिन अब कुशाल के नए पोस्ट से ये साबित हो गया है कि ये दोनों रिलेशनशिप में हैं.दरअसल शिवांगी जोशी के बर्थडे के मौके पर कुशाल टंडन ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर से ज्यादा एक्टर के कैप्शन ने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा है. कैप्शन में कुशाल लिखते हैं कि, हैपी बर्थडे माई गॉर्जियस. इसके आगे उन्होंने शिवांगी जोशी के लिए काइंड, केयरिंग और फनी जैसे शब्दों का इस्तेमाल करते हुए बताया कि उनके अंदर वो सारी खूबियां हैं, जो एक लड़की के अंदर होनी चाहिए.

इतना ही नहीं अपने कैप्शन नें कुशाल ने ये भी लिखा कि, मैं तुम्हें अपनी लाइफ में पाकर काफी खुश हूं. साथ में कई और जन्मदिन और खूबसूरत यादें बनाते हैं. एक्टर के इस पोस्ट पर शिवांगी ने भी रिएक्ट करते हुए दिल बनाया है. इस पोस्ट के सामने आने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स ने कमेंट्स की लाइन लगा दी है. हर किसी का यही कहना है कि दोनों साथ में अच्छे लगते हैं. फैन्स इस जोड़ी को साथ देखकर काफी खुश हैं.माना जाता है कि कुशाल टंडन और शिवांगी जोशी सीरियल बरसातें के दौरान करीब आए थे. शो में दोनों का लीड रोल था और दोनों के बीच गहरा प्यार दिखाया गया था. शो तो खत्म हो चुका है, लेकिन दोनों की लव-स्टोरी शुरू हो चुकी है. जब कुशाल और शिवांगी की शादी की खबर सामने आई थी तब एक्ट्रेस ने एक पोस्ट के जरिए कहा था कि उनकी शादी हो रही है और उन्हें ही नहीं पता.

3 साल के बाद बहुत मुश्किल होता है...'फैमिली मैन 3' पर मनोज बाजपेयी ने क्या बताया?

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'भैया जी' को लेकर सुर्खियों में चल रहे हैं. ये फिल्म 24 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है. कुछ दिन पहले इस पिक्चर का ट्रेलर सामने आया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया था. ये पिक्चर मनोज के लिए काफी खास है, क्योंकि ये उनकी 100वीं फिल्म है.इन दिनों वो अपनी इस फिल्म के प्रमोशन में बिजी चल रहे हैं.

मनोज जब भी कोई पिक्चर लेकर आते हैं और उस सिलसिले में कहीं जाते हैं या कोई इंटरव्यू देते हैं तो उनसे उस फिल्म के साथ-साथ उनकी वेब सीरीज 'द फैमिली 3' के बारे में भी जरूर सवाल किया जाता है. हाल ही में उन्होंने टीवी9 हिंदी डिजिटल के साथ बातचीत की तो हमने भी उनसे 'द फैमिली मैन' के तीसरे सीजन के बारे में पूछ लिया. चलिए जानते हैं कि उन्होंने अपनी इस सीरीज को लेकर क्या कहा है.

'द फैमिली मैन 3' पर क्या बोले मनोज बाजपेयी ?

मनोज बाजपेयी ने कहा कि अभी इसकी शूटिंग हो रही है. उन्होंने ये भी कहा कि इस सीजन की शूटिंग शुरू करने से पहले बहुत काम करना पड़ा. इतना काम हुआ जितना पहले सीजन से पहले भी नहीं हुआ था. उन्होंने बताया कि वो लोग तीन साल के बाद इस सीरीज की शूटिंग शुरू कर रहे थे. तो इतने लंबे समय के ब्रेक की वजह से ही शूटिंग से पहले खूब काम करना पड़ा.

मनोज ने इस दौरान इस बारे में भी बात की कि एक लंबे ब्रेक के बाद किसी किरदार में लौटना कितना मुश्किल होता है. उन्होंने कहा, बहुत मुश्किल होता है, तीन साल के बाद अगर वापस जाएंगे आप.

लंबे गैप के बाद जाएंगे तो मुश्किल है. उन्होंने कहा कि पहले और दूसरे सीजन की शूटिंग में ज्यादा समय का गैप नहीं था तो चीजें जल्दी पकड़ में आती थीं, लेकिन तीसरे सीजन में तैयारी थी, पर फिर भी वो नर्वस थे.